नई दिल्ली। रविवार, 23 अगस्त, 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष एकादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 228/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल नीरज चोपड़ा को ढूंढनी होगी श्रीलंकाई रुमेश... | @ साहित्य केसरी आजादी का अर्थ... | @ व्यापार एफसीएनआर(बी) जमा राशि 65.4 अरब डालर तक...

भाजपा पदाधिकारियों से मिले पीएम मोदी

संगठन मजबूत करने पर मोदी का जोर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में शनिवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों की परिचय बैठक संपन्न हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों से मुलाकात की और उनके साथ आत्मीय संवाद किया।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि संगठनात्मक बैठकें नए विचारों और नजरिए पर केंद्रित होती हैं, जिनका मकसद पार्टी को मजबूत करना और लोगों के साथ जुड़ाव को गहरा करना होता है। पार्टी के साथियों और नई संगठनात्मक टीम के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई।

वहीं, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम की घोषणा के पश्चात पहली पदाधिकारी बैठक भाजपा मुख्यालय में संपन्न हुई है।

उन्होंने कहा कि पहली पदाधिकारी बैठक में पहला प्रस्ताव भारत के गौरव, वंदे मातरम् के महामंत्र के सम्मान में पारित हुआ है।

आप सभी जानते हैं कि पिछले कुछ महीनों में वंदे मातरम् को लेकर कुछ ऐतिहासिक निर्णय हुए हैं। यह वर्ष वंदे मातरम् के 150 साल पूरे के रूप में मनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के कोने-कोने में वंदे मातरम् के प्रति सम्मान, भाव और उसके प्रति एक भावनात्मक जुड़ाव देखने को मिल रहा है। वंदे मातरम् के मूल मंत्र में देश है, देशभक्ति है।

इस दौरान भाजपा ने 19 अगस्त 2026 को कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 1937 के प्रस्ताव को दोहराते हुए कांग्रेस कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के गायन को केवल पहले दो पदों तक सीमित करने के निर्णय की कड़ी निंदा की। भाजपा 'वंदे मातरम' को भारत की राष्ट्रीय गीत, भारत माता के प्रति श्रद्धा की अभिव्यक्ति, स्वतंत्रता संग्राम का मंत्र और भारत की राष्ट्रीय चेतना का अमर प्रतीक मानती है।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर राहुल का बड़ा बयान

एजेंसी ■ पुणे

राहुल गांधी ने शनिवार को पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में महिलाओं की आजादी और पितृसत्ता के मुद्दे पर एक घंटा 16 मिनट बात की।

उन्होंने कहा, 'महिला की पहचान उसके पिता, पति या बेटे से नहीं होती, बल्कि उसकी अपनी पहचान होती है।' मनुस्मृति का जिक्र करते हुए महिलाओं को पिता, पति और बच्चों की संपत्ति मानने वाली सोच को शर्मनाक बताया।

राहुल ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ 3 तरह से हिंसा होती है। पहली- पैदा होते ही हत्या, दूसरी- शारीरिक अत्याचार, तीसरी- आर्थिक बंदिशें। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, नौकरी, संपत्ति और अपने फैसले लेने की पूरी आजादी मिलनी चाहिए।

राहुल ने छात्राओं से कहा कि वे डरें नहीं, अपनी आवाज बुलंद करें और अपने लिए लड़ें। इस दौरान राहुल ने 5 लड़कियों से बातचीत की।

महिलाओं की पहचान पिता, पति या बेटे से नहीं: राहुल ने कहा कि महिलाओं का पिता, पति और बेटे से रिश्ता जरूर है, लेकिन उनकी पहचान उनसे नहीं है। महिलाएं किसी पर आश्रित नहीं हैं और उन्हें स्वतंत्र पहचान के साथ जीना चाहिए।

महिलाओं पर हिंसा, अपमान, समय और नियंत्रण: राहुल ने कहा कि महिलाओं को नियंत्रित करने के चार तरीके हैं- हिंसा, अपमान/अनादर, समय और कंट्रोल। उन्होंने कहा कि महिलाओं को देर तक बाहर रहने, काम करने और अपनी पसंद से जीवन जीने पर रोक का सामना करना पड़ता है।

शिक्षा और रोजगार में भेदभाव: राहुल ने सवाल उठाया कि वह सोच कहां से आती है जिसमें लड़के को पढ़ाने और लड़की को पढ़ाई या नौकरी से रोकने की मानसिकता होती है। उन्होंने कहा कि लड़कियों की शादी और घरेलू काम के कारण पढ़ाई छूट जाती है।

लड़कियों से 'बी लाउड, बी प्राउड' की अपील: राहुल ने छात्राओं से कहा कि उन्हें डरकर या दबकर नहीं रहना चाहिए। उनका संदेश था- 'अपनी बात जोरदार ढंग से कहें, गर्व महसूस करें और अपने लिए लड़ें।' उन्होंने कहा कि पितृसत्ता से मिलकर लड़ना होगा।

'पिंजरा तोड़ो' और अपने लिए आवाज उठाओ: राहुल ने छात्राओं से कहा कि उन्हें उस 'पिंजरे' को तोड़ना होगा जिसमें समाज उन्हें बंद करता है। उनका संदेश था कि लड़कियां डरें नहीं, अपनी बात जोर से रखें और अपने लिए लड़ें।

उन्होंने शिक्षा, नौकरी, घर से बाहर निकलने और अपनी पसंद से जीवन जीने की आजादी को इससे जोड़ा।

एआईएपीजीईटी में गड़बड़ी पर एनटीए सख्त

एडुक्विटी को कारण बताओ नोटिस, अधूरी परीक्षा 1 सितंबर को होगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने जयपुर के एक सेंटर पर अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (एआईएपीजीईटी) के आयोजन में हुई गड़बड़ियों के लिए एडुक्विटी करियर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एनटीए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर कर यह स्पष्ट किया कि नोटिस पर कोई फैसला होने तक एजेंसी के साथ एडुक्विटी का एम्पैनलमेंट तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है।

दरअसल, एनटीए ने शनिवार को देश भर में निर्धारित कुल 200 परीक्षा केंद्रों पर एआईएपीजीईटी आयोजित की।

एआईएपीजीईटी की पहली शिफ्ट की परीक्षा में शामिल होने के लिए कुल 36,979 उम्मीदवारों ने सफलतापूर्वक अपना रजिस्ट्रेशन किया था, जिनमें से 35,788 उम्मीदवारों की परीक्षा पूरी हो गई, लेकिन जयपुर के श्री सत्य साईं पीजी कॉलेज केंद्र पर 192 उम्मीदवारों के लिए आयोजित परीक्षा में से 49 उम्मीदवार बिजली जाने के कारण परीक्षा पूरी नहीं कर सके।

इसी को लेकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'एआईएपीजीईटी परीक्षा 22 अगस्त 2026 को पहली शिफ्ट में 36,979 रजिस्टर्ड उम्मीदवारों के लिए आयोजित की गई थी, जिसमें देश भर के 200 केंद्रों पर 35,837 उम्मीदवार शामिल हुए। 35,788 उम्मीदवारों की परीक्षा पूरी हो गई। हालांकि, जयपुर के श्री सत्य साईं पीजी कॉलेज केंद्र पर, जहां 192 उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए थे, उनमें से 49 उम्मीदवार बिजली जाने के कारण परीक्षा पूरी नहीं कर सके।

एनटीए ने आगे लिखा, 'यह समस्या परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी, एडुक्विटी करियर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड की वजह से हुई थी। जो उम्मीदवार परीक्षा पूरी नहीं कर सके, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) उन्हें हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करती है।

बिहार में तेज रफ्तार बस का कहर, पांच लोगों की मौके पर मौत, कई घायल

एजेंसी ■ बेतिया

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के लौरिया थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। हादसा एनएच-727 पर बेतिया-लौरिया मार्ग के बनकटवा के समीप हुआ। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार और अनियंत्रित शाही ट्रेवल्स की बस सड़क किनारे मौजूद लोगों की भीड़ में जा घुसी।

जानकारी के अनुसार, बनकटवा में एक घर छठियार समारोह का आयोजन किया गया था। समारोह में शामिल लोगों के मनोरंजन के लिए आर्केस्ट्रा का कार्यक्रम चल रहा था। सड़क किनारे पंडाल लगाकर डीजे और आर्केस्ट्रा का कार्यक्रम कराया जा रहा था। इसी दौरान गोरखपुर से बेतिया जा रही शाही ट्रेवल्स की तेज रफ्तार बस अचानक अनियंत्रित हो गई और वहां मौजूद लोगों को कुचलते हुए आगे निकल गई। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान देवेंद्र दूबे, संजय महतो, बहादुर महतो, भोला दूबे और छांगुर राम के रूप में हुई है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल इलाज के लिए भेजने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही लौरिया थाना पुलिस सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने स्थानीय लोगों को समझाकर शांत कराया तथा सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए बेतिया स्थित जीएमसीएच भेज दिया।

एथेनॉल नीति पर गहलोत का सरकार पर हमला

एजेंसी ■ जयपुर

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पेट्रोल में बड़े पैमाने पर एथेनॉल मिलाने की केंद्र सरकार की नीति की आलोचना करते हुए कहा है कि यह फैसला पर्याप्त तैयारी के बिना लिया गया है। इसका खामियाजा आम जनता को कई स्तरों पर भुगतना पड़ रहा है।

गहलोत ने कहा, 'केंद्र सरकार की दूरदर्शिता की कमी और गलत फैसलों का एक और उदाहरण पेट्रोल में बड़ी मात्रा में एथेनॉल मिलाने का निर्णय है। पर्याप्त तैयारी के बिना लिए गए इस फैसले के परिणाम देश की जनता को कई मोर्चों पर भुगतने पड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गन्ने का एक बड़ा हिस्सा अब चीनी उत्पादन के बजाय एथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे बाजार में चीनी की उपलब्धता प्रभावित हुई है। सिर्फ 15 दिनों में चीनी की कीमतों में 14 से 17 रुपए प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी हुई है।

गहलोत ने कहा कि मामला केवल महंगाई तक सीमित नहीं है। उनका आरोप है कि एथेनॉल मिश्रित ईंधन के कारण वाहनों के इंजन को नुकसान पहुंचने और माइलेज कम होने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। इससे आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें ईंधन और वाहन रखरखाव पर अधिक खर्च करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'यह आम आदमी की मेहनत की कमाई लूटने जैसा है।

इस व्यवस्था से कुछ उद्योगपति और सरकार लाभ उठा रहे हैं, जबकि आम नागरिकों को बढ़ती कीमतों का बोझ सहना पड़ रहा है।

भूपेश बघेल: संघर्ष की राजनीति का बेमिसाल चेहरा

विशेष संवाददाता ■ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ की राजनीति में यदि पिछले दो दशकों के सबसे प्रभावशाली नेताओं की चर्चा होगी तो भूपेश बघेल का नाम अग्रिम पंक्ति में लिया जाएगा। किसान परिवार से निकलकर कांग्रेस संगठन की सीढ़ियां चढ़ने वाले बघेल ने स्वयं को ऐसे नेता के रूप में स्थापित किया, जिसने सत्ता में रहते हुए भी सड़क की राजनीति नहीं छोड़ी और विपक्ष में आने के बाद भी आक्रामक तेवर बरकरार रखे। कांग्रेस के समर्थक उन्हें ऐसा नेता मानते हैं जो कठिन राजनीतिक परिस्थितियों में भी पीछे हटने के बजाय संघर्ष का रास्ता चुनता है।

भूपेश बघेल का राजनीतिक जीवन लगभग चार दशक पुराना है। युवा कांग्रेस से शुरुआत करने के बाद वे कई बार विधायक बने, मध्य प्रदेश और बाद में छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री रहे, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बने और वर्ष 2018 में कांग्रेस को ऐतिहासिक जीत दिलाकर मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे। 2013 के झीरम घाटी हमले में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की क्षति के बाद जिस दौर में पार्टी को संगठनात्मक संकट का सामना करना पड़ा, उस समय प्रदेश संगठन को संभालने और कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखने का श्रेय भी उनके समर्थक उन्हें देते हैं।

भूपेश बघेल की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत उनकी जनसंपर्क शैली मानी जाती है। वे लगातार गांवों, किसानों, आदिवासियों और ग्रामीण समाज के बीच सक्रिय रहे हैं। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि और स्थानीय संसाधनों पर आधारित कई योजनाओं को प्राथमिकता दी। उनके समर्थकों का दावा है कि इन्हीं पहलों ने कांग्रेस को ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत सामाजिक आधार प्रदान किया।

सत्ता परिवर्तन के बाद भी बघेल का राजनीतिक आक्रामकपन कम नहीं हुआ। विधानसभा से लेकर सड़क तक वे राज्य सरकार के खिलाफ लगातार मुखर रहे हैं। साथ ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उन्हें पंजाब जैसे महत्वपूर्ण राज्य का प्रभारी बनाकर संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपी, जिसे पार्टी नेतृत्व का उन पर भरोसा माना जाता है।

खनिज संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की वापसी की संभावनाओं पर चर्चा होती है तो पार्टी के भीतर भूपेश बघेल को प्रमुख चेहरों में गिना जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्य में उनका व्यापक जनाधार, संगठन पर पकड़ और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद उन्हें कांग्रेस की चुनावी रणनीति का केंद्रीय स्तंभ बनाता है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि उनके कार्यकाल और राजनीतिक शैली को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है तथा कई मुद्दों पर तीखी आलोचना भी करता है। यही लोकतांत्रिक राजनीति का स्वाभाविक पक्ष है।

राजनीति में लोकप्रियता केवल पद से नहीं, बल्कि संघर्ष करने की क्षमता से भी तय होती है। भूपेश बघेल के समर्थकों का विश्वास है कि वे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मैदान नहीं छोड़ते। शायद यही कारण है कि कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ता उन्हें छत्तीसगढ़ में पार्टी के सबसे बड़े जननेता और भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक उम्मीद के रूप में देखते हैं। आने वाले चुनाव यह तय करेंगे कि यह विश्वास जनादेश में कितना बदलता है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ की राजनीति में भूपेश बघेल की भूमिका अभी समाप्त नहीं हुई है; वह राज्य की राजनीतिक दिशा तय करने वाले प्रमुख चेहरों में बने हुए हैं।

1904-05 का भूमि रिकॉर्ड कामाख्या की शाश्वत विरासत का प्रमाण : सीएम सरमा

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को 1904-05 के एक ऐतिहासिक भूमि रिकॉर्ड को मां कामाख्या और सनातन सभ्यता की स्थायी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण प्रमाण बताया।

सोशल मीडिया पर सौ साल से ज्यादा पुराने दस्तावेज की जानकारी शेयर करते हुए सरमा ने कहा कि यह रिकॉर्ड सिर्फ जमीन का एक पुराना कागज नहीं है, बल्कि कामाख्या धाम से जुड़ी गहरी आस्था, इतिहास और परंपराओं का सबूत है।

मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में कहा, 'यह दस्तावेज सिर्फ जमीन का पुराना रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि मां कामाख्या की अनंत शक्ति और सनातन सभ्यता की जीवित विरासत का प्रमाण है।'

उन्होंने कहा कि 1904-05 के समय का यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड कामाख्या मंदिर से जुड़ी सदियों पुरानी परंपराओं और आस्था को समेटे हुए है। यह मंदिर भारत के सबसे पवित्र शक्तिपीठों में से एक है। यह दस्तावेज उन धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कड़ी जोड़ता है, जिन्होंने पीढ़ियों से कामाख्या धाम की पहचान को आकार दिया है।

मुख्यमंत्री ने ऐसे ऐतिहासिक रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने और यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि कामाख्या मंदिर से जुड़ी विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा, 'शक्तिपीठ मां कामाख्या की इस अमूल्य विरासत को सुरक्षित रखना और इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हमारा संकल्प है।'

गुवाहाटी में नीलाचल पहाड़ी पर स्थित कामाख्या मंदिर हिंदू शक्ति परंपरा के सबसे प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। यहां देश-विदेश से श्रद्धालु आते हैं। यह मंदिर विशेष रूप से शक्ति की पूजा से जुड़ा है और असम के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिदृश्य में एक खास स्थान रखता है।

राज्य सरकार असम की सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक परंपराओं को सुरक्षित रखने पर जोर दे रही है। इसके साथ ही प्रमुख तीर्थ स्थलों के आसपास बुनियादी ढांचे और विकास के काम भी कर रही है।

पुणे एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का स्वागत, 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को करेंगे संबोधित

विश्व केसरी

पुणे । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पुणे दौरे के मौके पर शनिवार को पुणे एयरपोर्ट पर कांग्रेस नेताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। राहुल गांधी यहां 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं।

इस कार्यक्रम से पहले भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। भाजपा विधायक राम कदम ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम में छात्रों को पैसे देकर लाया जा रहा है, जबकि कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

मीडिया से बात करते हुए राम कदम ने आरोप लगाया, 'उनकी हालत इस हद तक गिर गई है कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए छात्रों को पैसे दिए जा रहे हैं। एक रेट कार्ड बनाया गया है कि जितने छात्रों को लाओगे, उसके हिसाब से पैसा दिया जाएगा। तो जो लोग पैसे लेकर कार्यक्रम में आ रहे हैं, उनसे किस तरह का संवाद होगा। राहुल गांधी को सुनने कोई नहीं आ रहा, वे पैसे मिलने की वजह से आ रहे हैं।'

उन्होंने दावा किया कि यह निराधार आरोप नहीं है क्योंकि सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो मौजूद हैं जिन्हें लोग देख सकते हैं। भाजपा नेता ने कहा, 'अब जब उनके सारे मुद्दे खत्म हो गए हैं, तो टॉपिक जेनरेट करने के लिए छात्रों का इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन देश के छात्र और युवा पूरी तरह से जानते हैं कि 12 साल पहले भारत दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, आज नॉमिनल जीडीपी के हिसाब से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।'वहीं, कांग्रेस नेता यशोमति चंद्रकांत ठाकुर ने इन आरोपों पर पलटवार किया।

कर्नाटक के आईएएस अधिकारी के लापता होने की खबर, खड़गे ने दी जानकारी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कर्नाटक के आईएएस अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार के कथित तौर पर लापता होने की खबर सामने आई है। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने खबर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कर्नाटक में एक आईएएस अधिकारी के लापता होने की खबरें आई हैं। अधिकारी ने सरकार से संपर्क कर स्पष्ट किया है कि पारिवारिक आपात स्थिति के कारण उन्हें छुट्टी लेनी पड़ी और अपने गृह नगर जाना पड़ा।

उन्होंने कहा कि इस दौरान उनका आधिकारिक फोन संपर्क में नहीं आ पाया, जिससे उनके ठिकाने को लेकर कुछ भ्रम और अटकलें पैदा हुईं। उन्होंने सरकार से संपर्क कर स्थिति स्पष्ट कर दी है।

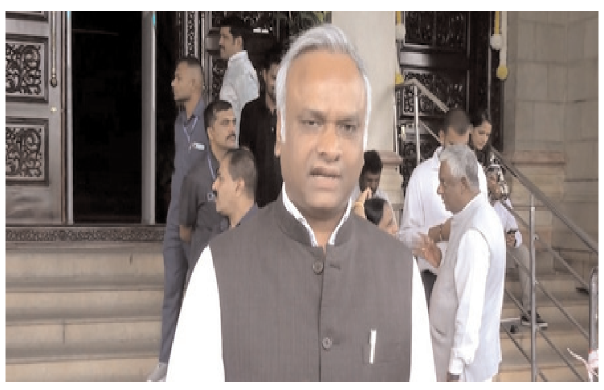

जानकारी के अनुसार, 20 अगस्त से ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार परिवार और अन्य लोग उनसे संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। प्रियांक खरगे ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि सरकार को इसकी जानकारी मिली है, फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक परिवार या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

सूत्रों के अनुसार, आईएएनएस ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार 20 अगस्त से ही संपर्क से बाहर हैं। खबर मिली है कि उन्होंने दिल्ली जाने के लिए फ्लाइट का टिकट भी बुक कराया था।

फिलहाल उनकी लोकेशन की कोई जानकारी नहीं मिल रही है हालांकि, उनके लापता होने की वजह को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। गंगवार की तैनाती फिलहाल उद्योग एवं वाणिज्य विभाग में एसएसएमआई के निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। वह 2016 बैच के आईएएनएस अधिकारी हैं।

ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार इससे पहले कर्नाटक कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। ज्ञानेंद्र लोक सेवा आयोग (केपीएससी) में परीक्षा नियंत्रक की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

उत्तर प्रदेशः आरक्षण सुधार आंदोलन के प्रतिनिधिमंडल से मिले डिप्टी सीएम, बोले- दो दिन में केंद्रीय मंत्री से कराएंगे मुलाकात

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने आरक्षण सुधार आंदोलन से जुड़े छात्रों को भरोसा दिलाया है कि उनकी मांगों को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले दो दिनों में छात्रों के प्रतिनिधिमंडल की संबंधित केंद्रीय मंत्री से मुलाकात भी कराई जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार युवाओं की समस्याओं के समाधान के लिए संवाद और सकारात्मक पहल के साथ आगे बढ़ेगी। नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आरक्षण सुधार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों के प्रतिनिधियों के साथ शुक्रवार को लखनऊ में पत्रकार वार्ता करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों की सभी मांगों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना गया है प्रतिनिधिमंडल की ओर से उन्हें एक पत्र भी सौंपा गया है, जिसे केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंचाया जाएगा।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हर्ष दुबे, मृत्युंजय पाठक, शिवा शर्मा और उनके साथियों की मौजूदगी में ब्रजेश पाठक ने कहा कि छात्रों की न्यायसंगत मांगों के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार हर युवा के साथ है। देश और प्रदेश के युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। छात्रों की आवाज को उचित मंच तक पहुंचाकर समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।'

उन्होंने कहा कि छात्रों की ओर से उठाए गए मुद्दों को आगामी दो दिनों के भीतर केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष रखा जाएगा। इसके साथ ही संबंधित केंद्रीय मंत्री से प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात सुनिश्चित कराने का प्रयास किया जाएगा।

छात्र प्रतिनिधिमंडल की ओर से सौंपे गए पत्र में कहा गया है कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में छात्रों की बौद्धिक क्षमता और मेरिट में काफी अंतर दिखाई देता है। आंदोलन का मुख्य उद्देश्य सभी छात्रों को समान अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि आगे के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में किसी के साथ अन्याय न हो।

पत्र में कहा गया है कि सभी छात्रों की बौद्धिक क्षमता के समान विकास के लिए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जाने चाहिए। साथ ही, अवसरों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए, जिससे अधिक से अधिक छात्रों को आगे बढ़ने का मौका मिले और किसी भी छात्र के साथ अन्याय न हो।

छात्रों ने कहा कि इससे समाज का व्यापक हित सुनिश्चित होगा। हर्ष दुबे ने कहा कि छात्रों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपना प्रदर्शन किया है। उनकी मांग देश के हर युवा को समान अवसर दिलाने की है। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री की ओर से दो दिन के भीतर केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कराने का आश्वासन दिया गया है।

एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर सीएम योगी ने दिए निर्देश, अधिकारियों ने बैठक कर बनाई रणनीति

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एनसीआर क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रभावी रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए है। अभी हाल ही में मुख्य सचिव ने पराली प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। बैठक में वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से

आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष रूप से पराली प्रबंधन के लिए उपलब्ध संसाधनों और कृषि मशीनरी की समीक्षा की गई।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि किसानों को पराली प्रबंधन में किसी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए आवश्यक बेलर एवं अन्य कृषि मशीनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मशीनरी की कमी को दूर करने के लिए लंबित टेंडर प्रक्रियाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए खेत स्तर पर निगरानी बढ़ाई जाए और किसानों को पराली न जलाने के लिए जागरूक किया जाए। इसके साथ ही पराली प्रबंधन के उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। बैठक में वायु प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों को कहा गया कि प्रदूषण मानकों का उल्लंघन करने वाली औद्योगिक इकाइयों की नियमित जांच की जाए तथा नियमों का पालन न करने वाले उद्योगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बिहारः संजय झा के फरक्का बयान पर भड़के लालू प्रसाद यादव, बोले- पहले इतिहास और भूगोल समझें

विश्व केसरी

पटना । राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने फरक्का जलसंधि को लेकर जनता दल (यूनाइटेड) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा पर तीखा हमला बोला है। लालू यादव ने संजय झा का नाम लिए बिना उन्हें 'नौसिखिया' बताते हुए कहा कि फरक्का बैराज के मुद्दे पर बोलने वालों को इसके इतिहास और भूगोल की जानकारी नहीं है।

लालू यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा कि राजद ने संसद से लेकर राज्य सरकार तक हर मंच पर फरक्का बैराज का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने

दावा किया कि उनकी दूरदृष्टि ने पहले ही पहचान लिया था कि पश्चिम बंगाल में गंगा नदी पर बने फरक्का बैराज से बिहार को गंभीर नुकसान और खतरा हो सकता है।

राजद अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार ने संसद में फरक्का बैराज के मुद्दे पर कभी एक शब्द नहीं बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार ने अपने राजनीतिक जीवन में दीर्घकालिक मुद्दों के बजाय तत्काल और क्षणिक लाभ वाली राजनीति को प्राथमिकता दी।

लालू यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के राजनीतिक सहयोगी बने लोगों को इस विषय पर बोलने से पहले बिहार के जल संसाधन विभाग जाकर गंगा में जल उपलब्धता की स्थिति, बांग्लादेश के साथ हुई अंतरराष्ट्रीय संधि के प्रभाव और तत्कालीन राज्य सरकार द्वारा किए गए।

नोएडाः फर्जी एविएशन जॉब और एडमिशन रैकेट का खुलासा, वांछित आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना साइबर क्राइम पुलिस ने फर्जी एविएशन जॉब और एडमिशन रैकेट संचालित करने वाले गैंग के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने अभिसूचना संकलन और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए आरोपी डॉक्टर अजय पुत्र धर्मपाल सिंह को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया।

जानकारी के मुताबिक, इस मामले में गैंग के पांच आरोपियों को पहले ही 8 जुलाई को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी सेक्टर-22, नोएडा स्थित लम्बोदर इंस्टीट्यूट के नाम से फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर रहे थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /..34695..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34695
वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR449100024** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MOHAN DALOI S/O SUBAL DOLAI, SUKUMAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **SUBAL PORE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SOURAV SANA** पिता / पति श्री/श्रीमती **KARTICK SANA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /..34697..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34697
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652G0354B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BALDAU RAM PAL** पिता / पति श्री श्रीमती **HEMLAL PAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SHAGINA BEGUM** पिता / पति श्री/श्रीमती **SIKANDAR KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा। आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /34698..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34698
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652A0064A** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **HARILAL KANTKAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE T.S. KANTKAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **MALEKA KAUSHAR** पिता / पति श्री श्रीमती **ABDUL RAFI AHAMAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा । आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /..34699..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34699
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई, डी. **RPR652B0671A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **ZEENAT KAUSAR** पिता / पति श्री श्रीमती **SHEIKH TABREJ AHMAD** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **DEEYA MULCHANDANI** पिता / पति श्री श्रीमती **NARESH KUMAR MULCHANDANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की थारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /..34696.../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34696
वार्ड का नाम 59 मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 59 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR651F00297** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **KAMLESH KUMAR BAGHEL** पिता / पति श्री **SHOBHARAM BAGHEL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **UMESH KUMAR SAHU** पिता / पति श्री/श्रीमती **TIHARU RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /..34711..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34711
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663Q01135** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RACHANA SINHA** पिता/पति श्री श्रीमती **SONU KUMAR** के नाम से दर्ज है

जिसको श्री / श्रीमती **KARNIKRIPA POWER PVT LTD DIRECTOR ANKIT CHOWDHARY** पिता / पति श्री/श्रीमती **RAMESH KUMAR CHOWDHARY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम । अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /..34710/ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34710
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR652G00611** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **DHARMENDRA KUMAR DHANGAR, RAM KUMAR THOTE** पिता/ पति श्री। श्रीमती **LATE NANIK RAM DHIRE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **DHARMENDRA KUMAR DHANGAR** पिता/पति श्री श्रीमती **NANIK RAM DHANGAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SHAPATH PTRA Bv COPY** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति। संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

ऑपरेशन विस्टा: भारत में अवैध रूप से रह रहे 18 विदेशी नागरिक पकड़े गए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने ऑपरेशन विस्टा के तहत भारत में वीजा और अन्य यात्रा दस्तावेजों की अवधि समाप्त होने के बावजूद रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इस अभियान के दौरान कुल 18 विदेशी नागरिक ऐसे पाए गए, जो दस्तावेजों की वैधता समाप्त होने के बाद भी जिले में रह रहे थे।

विदेशी नागरिकों के सत्यापन और अवैध रूप से ठहरे लोगों का पता लगाने के लिए यह विशेष अभियान शुरू किया गया था। यह कार्रवाई आउटर जिले के फॉरेनर सेल द्वारा स्थानीय पुलिस थानों के सहयोग से की गई।

पुलिस के अनुसार, पकड़े गए विदेशी नागरिकों में 9 थाईलैंड के नागरिक, 4 नाइजीरियाई नागरिक, 3 बांग्लादेशी नागरिक, 1 युगांडा का नागरिक और 1 गिनी का नागरिक शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि अवैध रूप से भारत में रह रहे इन विदेशी नागरिकों के खिलाफ विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय और अन्य संबंधित आव्रजन अधिकारियों के सहयोग से निर्वासन (डिपोर्टेशन) की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

आउटर जिले के फॉरेनर सेल के प्रभारी इंस्पेक्टर सुंदर सिंह के नेतृत्व में टीम को जिले में ऐसे विदेशी नागरिकों की पहचान और सत्यापन का कार्य सौंपा गया था।

ऑपरेशन विस्टा के तहत पुलिस टीमें लगातार सत्यापन अभियान चला रही हैं, खुफिया जानकारी जुटा रही हैं और ऐसे लोगों की पहचान कर रही हैं जो बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे हैं। पुलिस के अनुसार, जिन विदेशी नागरिकों के दस्तावेज समाप्त हो चुके हैं या जो बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे हैं, उन्हें हिरासत में लिया जा रहा है और कानून के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

अभियान का उद्देश्य अवैध प्रवासियों की पहचान करना, अनधिकृत रूप से रह रहे लोगों पर रोक लगाना और आव्रजन कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना है। इंस्पेक्टर सुंदर सिंह के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल उमेद, रविंदर और आशीष, कांस्टेबल रोहित और सुमेर तथा महिला कांस्टेबल रेणु की एक विशेष टीम गठित की गई थी। यह अभियान आउटर जिले के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में चलाया गया।

एक विशेष सत्यापन अभियान के दौरान फॉरेनर सेल को सूचना मिली कि कुछ बांग्लादेशी नागरिक वीजा समाप्त होने के बाद भी क्षेत्र में रह रहे हैं और वे जल्द ही दूसरी जगह जाने की योजना बना रहे हैं।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम पीरागढ़ी चौक और डीडीए पार्क के आसपास पहुंची और गोपनीय निगरानी शुरू की। पुलिस की मौजूदगी देखकर संदिग्ध व्यक्तियों ने वहां से निकलने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने उन्हें पकड़ लिया।

इनकी पहचान शिहाब संजिद, मोहम्मद अरमान मियां और मेहदी हसन रब्बी के रूप में हुई, जो बांग्लादेश के निवासी हैं।

पूछताछ और दस्तावेज जांच के दौरान तीनों कोई वैध पहचान पत्र या यात्रा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। आगे की जांच में उनके पास से मिले पासपोर्ट और वीजा की अवधि समाप्त पाई गई, जिससे भारत में उनका अवैध रूप से रहना प्रमाणित हुआ। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद तीनों को हिरासत में ले लिया गया और उनके निर्वासन की कार्रवाई शुरू कर दी गई। एक अन्य सत्यापन अभियान में पश्चिम विहार ईस्ट थाना, निहाल विहार थाना और आउटर जिले के फॉरेनर सेल की टीमों ने क्षेत्र में रह रहे अन्य विदेशी नागरिकों की जांच की। इस दौरान कुल 15 विदेशी नागरिकों को सत्यापन के लिए पकड़ा गया। इनमें 9 थाई नागरिक, 4 नाइजीरियाई नागरिक, 1 युगांडा का नागरिक और 1 गिनी का नागरिक शामिल थे। दस्तावेजों की गहन जांच में पाया गया कि इनके पास मौजूद पासपोर्ट और वीजा की अवधि भी समाप्त हो चुकी थी।

अमेरिकी कांग्रेस की पहली अफगान मूल की सदस्य बनीं आयशा वहाब

एजेंसी ■ वाशिंगटन

कैलिफोर्निया की स्टेट सीनेटर आयशा वहाब ने अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए विशेष चुनाव में जीत दर्ज की है। इसके साथ ही वह कांग्रेस के लिए चुनी जाने वाली पहली अफगान अमेरिकी बन गई हैं।

अफगान शरणार्थियों की बेटी और प्रगतिशील डेमोक्रेट वहाब ने कैलिफोर्निया के 14वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में साथी डेमोक्रेट मेलिसा हर्नांडेज को हराया। 39 साल की वहाब ने चुनावी परिणाम आने के बाद सोशल मीडिया पर कहा, 'यह जीत उन मतदाताओं की है, जिन्होंने स्पष्ट कर दिया कि हमारे जिले को खरीदा नहीं जा सकता।'

वह पूर्व डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि एरिक स्वालवेल की जगह लेंगी। स्वालवेल ने यौन दुराचार के आरोपों के बीच अप्रैल में सदन से इस्तीफा दिया था। उन्होंने आरोपों से इनकार किया है। वहाब स्वालवेल के कार्यकाल का शेष समय पूरा करेंगी, जो जनवरी में समाप्त हो रहा है। वहाब और हर्नांडेज के बीच नवंबर में फिर से मुकाबला होना है, जिसमें पिछले साल कैलिफोर्निया के मतदाताओं द्वारा अनुमोदित नए नक्शे के तहत बनाए गए जिले में पूर्ण कार्यकाल के लिए चुनाव होगा।

उनकी जीत हर्नांडेज का समर्थन करने वाले बाहरी संगठनों द्वारा किए गए भारी खर्च के बावजूद हुई, जिन्हें अधिक उदारवादी उम्मीदवार के रूप में देखा जा रहा था। अमेरिकी इजरायल पब्लिक अफेयर्स कमेटी की प्रमुख सुपर पॉलिटिकल एक्शन कमेटी उन समूहों में शामिल थी जिन्होंने अभियान के अंतिम हफ्तों में हर्नांडेज के समर्थन में लाखों डॉलर खर्च किए।

नकली खाद देकर किसानों को ठगा जा रहा : प्रमोद कुमार सिंह

एजेंसी ■ औरंगाबाद

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायक प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि किसानों को डीएपी खाद पर अपनी निर्भरता कम करते हुए अन्य खादों को भी अपनाना होगा।

प्रमोद कुमार सिंह ने शनिवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि अगर किसान डीएपी पर ज्यादा फोकस करेंगे तो सिंडिकेट बनाकर कालाबाजारी करने वाले लोगों का मनोबल बढ़ेगा। डीएपी के नाम पर डुप्लीकेट खाद देकर किसानों को ठगा जा रहा है। किसान खुद ठगी का शिकार हो रहे हैं। डीएपी के अलावा अन्य खाद भी खेतीबाड़ी में काफी उपयोगी साबित हो सकती है। बीते दिनों हमारी इस संबंध में कृषि अधिकारियों से भी बात हुई थी, लेकिन अफसोस की बात है कि हमारे किसान भाई इस बात को समझने के लिए तैयार नहीं हो रहे हैं। अगर ऐसी स्थिति हमारे किसान भाइयों के साथ कुछ गलत होता है तो इसके लिए खुद हमारे किसान भाई जिम्मेदार होंगे। किसान भाइयों को कम से कम कृषि अधिकारियों की बातों को तो गंभीरता से लेना चाहिए, ताकि आगे की तस्वीर साफ हो सके।

पीओके में पाकिस्तानी सेना की बर्बरता जारी, ब्रिटेन के सांसदों की यूएन महासचिव से हस्तक्षेप की मांग

एजेंसी ■ लंदन

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बिगड़ते हालात को लेकर 70 से ज्यादा ब्रिटिश सांसदों ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। इसके साथ ही पाकिस्तानी बलों द्वारा किए जा रहे नरसंहार को खत्म करने और नागरिकों की जान की सुरक्षा के उपाय करने की अपील भी की गई है।

ब्रिटिश सांसदों की अपील क्षेत्र में बढ़ती हिंसा और दुर्व्यवहार के बीच आई है, जहां पाकिस्तानी बलों की क्रूर कार्रवाई में सैकड़ों लोग मारे गए और घायल हुए हैं। क्षेत्र में अभी भी सख्त नाकाबंदी, कर्फ्यू और पूरी तरह से कम्युनिकेशन्स ब्लैकआउट लागू है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव को संबोधित पत्र में ब्रिटिश सांसदों ने कहा, 'पिछले कुछ महीनों में, मौतों और चोटों, संचार पर प्रतिबंधों, मनमानी गिरफ्तारियों, आवश्यक आपूर्ति में व्यवधान और शांतिपूर्ण नागरिक और राजनीतिक अभिव्यक्ति पर लगाम की रिपोर्टों ने काफी चिंता पैदा की है। हमने ब्रिटिश कश्मीरियों से भी लगातार सुना है, जो संबंधित क्षेत्र में अपने रिश्तेदारों और प्रियजनों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता में हैं।'

उन्होंने पीओके में गंभीर स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा हाल ही में दिए गए ध्यान का भी स्वागत किया। पत्र में बताया गया है, 'विशेष रूप से, मानवाधिकारों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त वोल्कर टर्क ने शांति, सार्थक और समावेशी राजनीतिक संवाद, पूर्ण इंटरनेट पहुंच, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा के सम्मान और अशांति से उत्पन्न मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच का आह्वान किया है। हम महासचिव के उप प्रवक्ता के बाद के बयान पर भी ध्यान देते हैं कि जहां शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के कारण लोगों को नुकसान पहुंचा है, वहां जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।'

पाकिस्तान से संपर्क के आरोप में युवक गिरफ्तार

एजेंसी ■ बेंगलुरु ग्रामीण

बेंगलुरु ग्रामीण जिले के डोड्डाबल्लापुर शहर में पाकिस्तान से कथित संपर्क रखने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई काउंटर इंटेलिजेंस सेल और केंद्रीय खुफिया ब्यूरो (आईबी) से मिली सूचना के आधार पर डोड्डाबल्लापुर सिटी पुलिस ने की।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान सैयद अबूबकर (28) के रूप में हुई है, जो डोड्डाबल्लापुर शहर के इस्लामपुर क्षेत्र का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पिछले करीब दो वर्षों से इंस्टाग्राम के माध्यम से पाकिस्तान स्थित एक कथित आपराधिक गिरोह के संपर्क में था। जांच में सामने आया है कि आरोपी का संपर्क शहजाद भुट्टी नेटवर्क से जुड़े बताए जा रहे इंस्टाग्राम अकाउंट के माध्यम से था। पुलिस का दावा है कि यह गिरोह प्रभावशाली लोगों और बड़े कारोबारियों को धमकाकर वसूली करने जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने आधार कार्ड सहित व्यक्तिगत दस्तावेजों की जानकारी संबंधित इंस्टाग्राम नेटवर्क को उपलब्ध कराई थी।

'आरक्षण सुधार' के नाम पर 'आरक्षण समाप्ति' का षड्यंत्र पीडीए समाज के खिलाफ साजिश : अखिलेश यादव

एजेंसी ■ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि 'आरक्षण सुधार' के नाम पर 'आरक्षण समाप्ति' का षड्यंत्र पीडीए समाज के खिलाफ एक और गहरी साजिश है। उन्होंने कहा कि आरक्षण पीडीए का अधिकार है किसी की इच्छा का विषय नहीं।

उन्होंने कहा कि भाजपा व उनके संगी-साथी समय-समय पर जिस तरह कभी 'समीक्षा' तो कभी 'सुधार' जैसे अस्पष्ट शब्दों का प्रयोग कर आरक्षण का विरोध करते हैं या कभी 'क्रीमीलेयर' की बात करते हैं या 'आरक्षण त्यागने' की सलाह देते हैं, वो सदियों से शोषित-वंचित लोगों को मिले आरक्षण के अधिकार की हकमारी की लगातार की जा रही कोशिश के अलग-अलग मुखौटे हैं। आरक्षण था, आरक्षण है, आरक्षण रहेगा!

इससे पहले उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने आरक्षण सुधार आंदोलन से जुड़े छात्रों को भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले दो दिनों में छात्रों के प्रतिनिधिमंडल की संबंधित केंद्रीय मंत्री से मुलाकात भी कराई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार युवाओं की समस्याओं के समाधान के लिए संवाद और सकारात्मक पहल के साथ आगे बढ़ेगी। नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आरक्षण सुधार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों के प्रतिनिधियों के साथ शुक्रवार को लखनऊ में पत्रकार वार्ता करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों की सभी मांगों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना गया है प्रतिनिधिमंडल की ओर से उन्हें एक पत्र भी सौंपा गया है, जिसे केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंचाया जाएगा।

वंदे मातरम के जरिए देश के असली मुद्दों से ध्यान भटका रही सरकार: प्रियंका चतुर्वेदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

शिवसेना (यूबीटी) की पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भाजपा पर देश के सामने मौजूद गंभीर आर्थिक और सामाजिक मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया है। उन्होंने भाजपा की ओर से वंदे मातरम को लेकर पारित प्रस्ताव, जेनजी आउटरीच टीम के गठन और पुणे में राहुल गांधी के कार्यक्रम को लेकर भाजपा की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी। साथ ही, उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की चीनी की बढ़ती कीमतों और इथेनॉल नीति को लेकर केंद्र सरकार पर की गई टिप्पणी का भी समर्थन किया। भाजपा की कार्यकारी बैठक में वंदे मातरम की सुरक्षा और कांग्रेस द्वारा इसके दो छंद गाने के फैसले की निंदा किए जाने पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी को देश की मौजूदा परिस्थितियों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए था।

दिल्ली पुलिस ने अवैध शराब आपूर्ति मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

शराब की अवैध ढुलाई और आपूर्ति पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस के उत्तर-पूर्वी जिले की ऑटो चोरी रोधी दस्ते (एएटीएस) की टीम ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इस दौरान पुलिस ने हरियाणा की मुहर लगी 778 क्वार्टर अवैध शराब के साथ-साथ खेप की ढुलाई में इस्तेमाल की गई दो टैक्सियां बरामद कीं।

यह कार्रवाई 21 अगस्त, 2026 को तब की गई जब हेड कांस्टेबल दीपक, हेड कांस्टेबल अनुज और कांस्टेबल मुकेश मौजपुर चौक के पास गश्त कर रहे थे।

सुबह करीब 6:30 बजे, पुलिस टीम को एक गुप्त सूचना मिली कि हरियाणा से अवैध शराब ले जा रही दो टैक्सियां सीलमपुर मेट्रो स्टेशन के पास पहुंचेंगी। सूचना देने वाले ने टैक्सियों के नंबर भी साझा किए।

सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची। सुबह करीब 7:30 बजे, दोनों टैक्सियां पहुंचीं और उन्हें रोक लिया गया। तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक अन्य व्यक्ति कथित तौर पर मौके से भागने में सफल रहा।

कैलिफोर्निया असेंबली ने पारित किया दिवाली प्रस्ताव, झलका भारतीय समुदाय का सम्मान

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

कैलिफोर्निया की स्टेट असेंबली ने दिवाली को मान्यता देते हुए राज्य और दुनियाभर में रहने वाले भारतीय अमेरिकियों तथा भारतीय प्रवासी समुदाय के प्रति अपना 'गहरा सम्मान' व्यक्त किया है।

हाउस रिजॉल्यूशन 137 में इस वर्ष 8 नवंबर को मनाए जाने वाले दिवाली पर्व को मान्यता दी गई है और कैलिफोर्निया के लोगों से इसके आयोजनों में भाग लेने का आह्वान किया गया है। इस प्रस्ताव को असेंबली सदस्य दर्शना पटेल और ऐश कालरा ने 13 अगस्त को पेश किया था।

यह प्रस्ताव असेंबली की नियम समिति में विचार किए जाने के बाद पारित हुआ। इसे स्टेट असेंबली के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कई सदस्यों का समर्थन भी मिला।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रस्ताव के पारित होने की जानकारी साझा की। संगठन ने कहा, 'कैलिफोर्निया का दिवाली प्रस्ताव आधिकारिक रूप से एडॉप्टेड (पारित) हो गया है।'

फाउंडेशन ने दर्शना पटेल और ऐश कालरा को 'दिवाली के महत्व को मान्यता देने और इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को आगे बढ़ाने में उनके नेतृत्व' के लिए धन्यवाद दिया। संगठन ने कहा, 'बिल की भाषा पर परामर्श के लिए हमसे संपर्क करने के लिए असेंबली सदस्य पटेल के कार्यालय का विशेष धन्यवाद। हमें इस प्रक्रिया में योगदान देने का अवसर मिला और इसके लिए हम आभारी हैं।'

प्रस्ताव में दिवाली को भारतीय-अमेरिकी और दक्षिण एशियाई-अमेरिकी समुदायों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण त्योहार बताया गया है। इसमें कहा गया है कि हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन समुदाय अमेरिका सहित दुनियाभर में हर वर्ष इस पर्व को मनाते हैं। प्रस्ताव के अनुसार, दिवाली को दीपावली भी कहा जाता है, जिसका अर्थ 'दीपों की एक पंक्ति' है। इसमें इसे दुनिया के सबसे प्राचीन त्योहारों में से एक बताते हुए कहा गया है कि यह पर्व परिवारों, मित्रों और समुदायों को एक साथ लाता है। उदारता, एकता, खुशी, कृतज्ञता और आत्मचिंतन को दिवाली समारोह के प्रमुख तत्व बताया गया है। कैलिफोर्निया विधानसभा ने कहा कि दिवाली के दौरान जलाए जाने वाले दीपक 'अंधकार की पराजय और प्रकाश की विजय' का प्रतीक हैं। प्रस्ताव में इस त्योहार को परिवारों के एकत्र होने और ऐसी परंपराओं में भाग लेने का महत्वपूर्ण अवसर भी बताया गया है, जो समुदाय के बीच जुड़ाव और अपनत्व की भावना को मजबूत करती हैं।

इसमें कहा गया है कि दिवाली की विभिन्न परंपराएं बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक हैं। इनमें संघर्षों पर विजय पाने, सकारात्मकता और विनम्रता को अपनाने तथा व्यक्तिगत चुनौतियों के बावजूद सहृदयी बने रहने का संदेश निहित है।

प्रस्ताव में कहा गया है कि इस वर्ष दिवाली भारतीय-अमेरिकी और दक्षिण एशियाई-अमेरिकी प्रवासी समुदायों के बीच व्यापक रूप से मनाई जाएगी। कई समुदायों के लिए यह पर्व नए वर्ष की शुरुआत का भी प्रतीक है। प्रस्ताव में कहा गया है, 'जो लोग दिवाली मनाते हैं, उनके लिए यह ज्ञान, विकास और खुशी के प्रति प्रतिबद्ध होने का समय है।' कैलिफोर्निया विधानसभा ने कहा कि दिवाली आत्मचिंतन का भी अवसर प्रदान करती है और ज्ञान, दयालुता तथा सकारात्मक बदलाव के महत्व को रेखांकित करती है।

महाराष्ट्र के वर्धा में टेम्पो ट्रैवलर ने पीछे से टिपर को टक्कर मारी

एजेंसी ■ वर्धा (महाराष्ट्र)

शनिवार को महाराष्ट्र के वर्धा जिले में सेलू-वर्धा रोड पर रमना फाटा के पास एक टेम्पो ट्रैवलर ने पीछे से एक टिपर ट्रक को टक्कर मार दी। इस हादसे 17 यात्री घायल हो गए। यात्रियों में कई गंभीर रूप से घायल हैं। यह हादसा दोपहर करीब 2 बजे हुआ, जब टेम्पो ट्रैवलर यात्रियों को तीर्थयात्रा के लिए नागपुर से नासिक ले जा रहा था।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, टिपर रमना फाटा के पास वर्धा की ओर मुड़ रहा था, तभी तेज रफ्तार से आ रही टेम्पो ट्रैवलर ने पीछे से उसे टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि टिपर पर नंबर प्लेट नहीं थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेम्पो ट्रैवलर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ड्राइवर की तरफ का हिस्सा पिचक गया और ड्राइवर केबिन के अंदर ही फंस गया। स्थानीय लोग तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। बताया जा रहा है कि गाड़ी के मलबे में फंसे ड्राइवर को बाहर निकालने में लगभग एक घंटा लगा। टेम्पो ट्रैवलर में सवार सभी 17 यात्रियों को चोटें आईं। घायलों में महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल थे। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को इलाज के लिए सेवाग्राम के अस्पताल ले जाया गया।

कहानी

आज़ादी का अर्थ..

लोकेन्द्र सिंह

कई साल बीत गए बोलते हुए गांधी जी की जय। वह वर्षों से देखता आ रहा है, स्कूल, तहसील और पंचायत की फूटी कोठरी पर तिरंगे का फहराया जाना। इतना ही नहीं मिठाई के लालच में हर साल शामिल होता है वह 26 जनवरी और 15 अगस्त के कार्यक्रम में, लेकिन अब तक नहीं समझ पाया बारेलाल आजादी का अर्थ।

दोपहर हो गई है। सूरज ठीक नीम के विशाल और घने वृक्ष के ऊपर आ गया है। नीम चौपाल के ठीक बीच में है। नीम इतना विशाल-घना है कि उसकी शाखाओं ने पूरी चौपाल और आसपास के रास्ते को ढक रखा था। इस वक्त चौपाल पर सूरज की एक-दो किरणें ही नीम की शाखाओं से जिरह करके आ पा रही हैं वरना तो पूरी चौपाल नीम की शीतल छांव के आगोश में है। इधर-उधर कुछ बच्चे कंचे खेल रहे हैं और कुछ बुजुर्ग नित्य की तरह ताश की बाजी में भाग्य आजमा रहे हैं। रामसिंह कक्का अपनी चिलम बना रहे हैं। उनका एक ही ऐब है, चिलम पीना। यह भी उम्र के साथ आया। चौपाल पर इस वक्त लोगों का आना शुरू हो जाता है। बारेलाल भी अपने पशुओं को इसी वक्त पानी पिलाकर सीधे चौपाल पर आता है। आज उसे आने में थोड़ी देर हो गई है।

आज बारेलाल गांव के शासकीय स्कूल के प्राचार्य हरिबाबू के साथ चौपाल आया है।

हरिबाबू ने आते ही कक्काजी को राम-राम कहा। कक्का ने पूछा- काहे बड़े बाबू कैसे हो? भोत दिनन में इतको आए हो, काहा बात है? सब खैरियत तो है?

मास्साब ने कहा- बस दादा सब ईश्वर की कृपा और आपका सहयोग है। बात यह है कि दो दिन बाद 15 अगस्त है। सो आपको न्योता देने आया हूँ।

कक्का की चिलम अब तक तैयार हो चुकी थी। उन्होंने एक दम लगाकर कहा- अरे मास्टर जी जा काम में न्योता की का जरूरत है, हम तो हरसाल अपए आप ही चले आत हैं। सब बच्चा लोगन का नाटक, गीत-संगीत सुनत हैं।

मास्साब ने सहमति में सिर हिलाते हुए निवेदन किया- कक्काजी वो तो हम भी जानते हैं आप स्कूल को लेकर बड़े संजीदा रहते हैं। बीच-बीच में भी बच्चों की पढ़ाई की जानकारी लेते रहते हैं। इस बार हम आपको स्वाधीनता दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में न्योता देने आए हैं।

कक्का ने हंसते हुए कहा- अरे सरकार रहन दो आप। अतिथि और काहू को बनाए लो, हम तो ऐसेई आ जाएंगे।

बारेलाल ने भी हां में हां मिलाई। मास्सब चाहते थे कि इस बार कक्का जी को ही मुख्य अतिथि बनाया जाए। असल में वह कक्का के विचारों और बच्चों की पढ़ाई को लेकर उनकी सजगता से काफी प्रभावित थे। कक्का की मदद से ही जर्जर स्कूल भवन का जीर्णोद्धार हो सका था। जब से गांव में शराब का प्रचलन बढ़ा है, बुराइयों का जमावड़ा गांव में हो गया है। शराबी बोतल की जुगाड़ के लिए स्कूल के गेट-खिड़की तक उखाड़ ले गए थे। वह तो कक्का ही थे जिन्होंने पहल करके स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था चौकस की।

एक दिन की बात है, भीकम दारू पीकर स्कूल चला आया था। भीकम गांव के चौधरी खानदान का बिगडैल लड़का है। हट्टा-कट्टा जवान लेकिन काम-धाम कुछ नहीं करना। आवारगी और मटरगस्ती करना उसकी जीवनचर्या बन गई है। चौधरी खानदान का वर्षों में कमाया सब नाम डुबा दिया है भीकम ने। वह स्कूल की शिक्षिका और शिक्षकों के साथ बदतमीजी कर रहा था। कक्का उस रोज पंचायत भवन में बैठे थे। बारेलाल पहले उन्हें ढूंढ़ते हुए चौपाल पर पहुंचा, जब कक्का चौपाल पर नहीं मिले तो वह दौड़ता हुआ पंचायत भवन की ओर गया। यहां उसने स्कूल में चल रही भीकम की हरकत कक्का को सुना डाली। कक्काजी उसी क्षण अपनी लाठी लेकर अकेले ही स्कूल भवन की ओर तेज-तेज कदमों से चल दिए थे। बारेलाल भी पीछे-पीछे चला आ रहा था।

आजादी की वर्षगांठ पर कक्काजी से ही ध्वजारोहण कराने का निर्णय स्कूल के प्राचार्य हरबाबू कर चुके थे। इसलिए आज वे कैसे भी करके कक्काजी की सहमति ले लेना चाहते हैं। हरिबाबू ने जिद करके उनसे कहा- नहीं इस बार तो आपको ही झंडा फहराना है।

आखिर हरिबाबू कक्काजी को राजी करने में सफल हो गए। आत्मसंतोष और खुशी की भाव लेकर हरिबाबू चल दिए थे।

स्कूल पहुंचते ही कक्काजी ने भीकम को ललकारा- ओ हरामजादे, इतें देख। तेरी सगरी खाल खींच लेंगे कमीने, अगर तूने एक भी मास्टरनी और मास्टर से तू करके भी बात की तो। परे हट जा यहां से। आगे कबहूं स्कूल के आसपास न फटकिओ वरना हम भूल जांगे कै तू हमाए दोस्त चौधरी वीर सिंह की औलाद है।

भले ही भीकम गांव में दादागिरी और रसूख झाड़ता था लेकिन कक्काजी के सामने आंख उठाने की भी उसकी हिम्मत नहीं थी। कक्काजी की फटकार सुनकर, दांत पीसते हुए भीकम वहां से निकल गया। लेकिन, कक्काजी की चेतावनी को उसने आज तक नजरअंदाज नहीं किया।

इस घटना के बाद शिक्षिकाओं में डर बैठ गया था। उन्होंने तत्काल ही कक्काजी से कह दिया था कि अब हम महिलाएं यहां नहीं पढ़ा सकेंगे।

तब कक्काजी ने ही कहा था कि आप जेहीं पढ़ाएंगी, आपसे निवेदन हैं। आपको भरोसा देत हैं कि अब कबहूं आपके मान-सम्मान में कोउ कमी न आएगी। जो कोई तुम्हें परेशान कर दे तो अपनी मूंछे नीचें रखेंगे जीवनभर। कक्काजी से भरोसा मिलने के बाद शिक्षिकाएं स्कूल आती रहीं।

आजादी की वर्षगांठ पर कक्काजी से ही ध्वजारोहण कराने का निर्णय स्कूल के प्राचार्य हरबाबू कर चुके थे। इसलिए आज वे कैसे भी करके कक्काजी की सहमति ले लेना चाहते हैं। हरिबाबू ने जिद करके उनसे कहा- नहीं इस बार तो आपको ही झंडा फहराना है।

आखिर हरिबाबू कक्काजी को राजी करने में सफल हो गए। आत्मसंतोष और खुशी की भाव लेकर हरिबाबू चल दिए थे।

मास्सब के जाने के बाद व्याकुल बारेलाल ने कक्काजी से कहा-कक्का ये 15 अगस्त का होत है और ये 15 अगस्त को ही काए आतो है। तब कक्का ने उसे भारत के इतिहास की कहानी विस्तार से सुनाई। कक्काजी रामसिंह स्वतंत्रता सेनानी थे, भले ही सरकारी कागजों में उन्होंने आजादी की जंग न लड़ी हो। कक्काजी जवानी के दिनों में क्रांतिकारी दल के सदस्य थे। अंग्रेजी सेना की एक टुकड़ी से लड़ाई में वे गंभीर घायल हो गए थे। इसके बाद वे चाहकर भी क्रांति नहीं कर सकते थे इसलिए अहिंसक आंदोलनों की ओर मुड़ गए। कक्काजी गांधीजी के आंदोलनों में जोश के साथ भाग लेने लगे थे।

कक्काजी ने काफी देर तक आजादी की कहानी सुनाई और आजादी के समारोहों का महत्व बताया, तब जाकर बारेलाल को कुछ पल्ले पड़ा। उसने सिर खुजाते हुए कहा-धत् तेरे की! मैं तो अब तक जो सब जानत ही नहीं हतो। मैं तो बस जई जानतो हतो कि जा दिना पुराने स्कूल और पंचायत की पीली बिल्डिंग पर झंझा लहराओ जात है। और सही बताउँ तो मैं जा दिना स्कूल में सिर्फ दो लडुआ लेवे ही जात हतो। अब समझ में आई जै दिन तो हमें बड़े जतन के बाद नसीब हुआ था। जै हो उन वीरां लोगन की जिनकी बदौलत हमें आजादी मिली है।

कविता

बावरा मन...

विनम्र पवार

बावरा मन देखने चला एक
सपना,
आँखो में लिए एक नया सा
सपना ।
रहो में धूप थी काटे भी
बिछे थे ,
फिर भी कदम उम्मीद के संग थे ।।
चाँद को छूने की ज़िद लिए चला,
तारो से अपने हिस्से का उजाला मांग चला।
कुछ ख्वाइशें अधूरी रही कुछ पूरे हो गई।
मगर उम्मीद की लौ कभी कम न हुई।।
बस एक अनकही सी पुकार थी ,
जो हर धड़कन के साथ सुनाई देती थी।
शायद वह मेरी ही रूह थी,
को मुझे मुझ तक बुला रही थी ।।
मैने हवाओ की उँगली थामी ,
और बादलों से बाते करने लगा ।
पहाड़ों की खामोशी में
अपने दिल का शोर सुनने लगा ।।
मैं गिरा भी टूटा भी
कई बार खुद से रूठा भी ,
लेकिन हर बार किसी
नई सुबह ने मुझे फिर
जीना सिखाया भी और उठाया भी ।।
मैं मंज़िल नहीं
सफ़र से मोहब्बत करने लगा ,
हर हर में भी जीत का कारण ढूंढने लगा ।
जो बिखरा था वही फिर से सवारने लगा ,
जो खो गया था वही खुद से मिलाने लगा ।।
जब आईने ने पूछा- क्या पाया ?
होठ मुस्कुराये,आँखे नम थी।
बस इतना कहा - बावरा मन
देखने चला एक सपना

(एम.बी.बी. एस. छात्र)

लघुकथा

संतान का सुख!

संतोष खन्ना

मोहन बाबू दफ्तर से घर आए। पत्नी रसोई में चाय बना रही थी। चाय के साथ ब्रेड के दो पीस खाकर वह फिर घर से चले जाएंगे और आधी रात तक सड़कों पर किराए का थ्री व्हीलर दौड़ायेंगे। देखा जाए तो उनका वेतन घर चलाने के लिए भी पर्याप्त नहीं पड़ता. ऊपर से सीमा और सूर्य की कॉलेज की पढ़ाई का खर्चा। तभी अपने छोटे-से पुराने टीवी के एक विजुअल में उन्हें अपना बेटा सूर्य दिख गया?। उसके हाथ में पत्थर था,जो उसने पुलिस की ओर चला मारा, वह एक पुलिस वाले के माथे पर लगा। उसके सर से खून बहने लगा।

''अरे.. अरे.. सूर्य, यह क्या कर रहा है?..यह आंदोलन है कि हिंसा का अखाड़ा?' तब तक टीवी विजुअल बदल गया। भीड़ में गुंडे से दिखने वाले कई लोग बराबर वहां पत्थरबाजी कर रहे थे। तभी स्क्रीन पर उन्हें सीमा भी दिख गई, जो मंत्रियों को गालियां बक रही थी,' हरामियों, तुम्हारी तो मां को......,।'

अपनी ही बेटी के मुंह से शर्मिंदा कर देने वाली गाली सुनकर उन्होंने अपने कानों पर हाथ रख लिया,

'हे भगवान..।'

वह अपना माथा पकड़ कर वहीं कुर्सी पर धराशायी हो गये। पत्नी उन्हें बार-बार हिला रही है पर मोहन बाबू तो शर्मिंदगी की धरती में समा चुके थे।

सम्पादक, विधि भारती, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

सामाजिक सरोकार की ग़ज़लें

ओमप्रकाश यती

यह ग़ज़ल- संग्रह अशोक कुमार 'नीरद' के प्रकाशित पाँच ग़ज़ल संग्रहों 'जुगनू को सूरज का भ्रम है','ग़ज़ल के स्वर', 'दीवारों के जाल', 'अंकुर बोलते हैं', 'पैमाने नए आये 'और कुछ अप्रकाशित ग़ज़लों से ली गई ग़ज़लों का संग्रह है, जिसमें 145 ग़ज़लें हैं, जिसे चयनित और संपादित किया है वरिष्ठ हिन्दी ग़ज़लकार और आलोचक हरेराम समीप ने. समीप जी पुस्तक के संपादकीय लेख में लिखते हैं, 'नीरद जी की ग़ज़लें उनकी प्रिय मध्यम शब्द सीमा की बह्रों में दृष्ट होती हैं, हालांकि छोटी बह्रों में वे अधिक मुखर दिखाई पड़ते हैं। हिंदी-ग़ज़ल जन-जीवन से जुड़ी हुई कविता है। उसमें राजदरबारों की इशारेबाजी कम है। नीरद के व्यक्तित्व में जो खरापन है और उनकी बोलचाल, लबोलहज़े का उतार-चढ़ाव, बलाघात, सोच की ताज़गी, भावुकतापूर्ण निवेदन, बौद्धिकता, सदाग्रह, दुख-दर्द की स्वीकृति , परामर्श आदि गुण उनकी ग़ज़लों में बिखरे पड़े हैं।'

समीप जी नीरद के एक संग्रह की भूमिका में ग़ज़लकार और आलोचक कमलेश भट्ट कमल द्वारा दिए गए इस मंतव्य का उल्लेख भी करते हैं- 'नीरद जी में गहरा आत्मविश्वास दिखाई देता है। यह आत्मविश्वास हिंदी ग़ज़ल कीअभिव्यक्ति -सामर्थ्य के प्रति भी है और जीवन के प्रति भी। यह आत्मविश्वास उसके गहरे आत्मावलोकन से उपजा है। यह उसमें पाथेय की तरह दिखाई देता है, जो उसे आगे की यात्रा के लिए शक्ति देता है।'

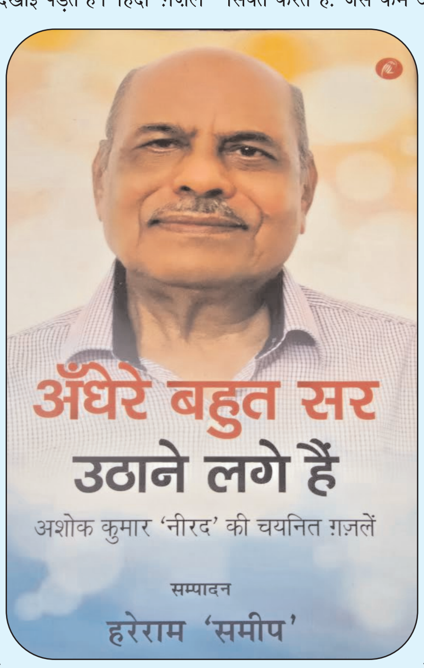

पुस्तक :अंधेरे बहुत सर उठाने लगे हैं
ग़ज़लगो : अशोक नीरद
प्रकाशक : लिटिल बर्ड पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली.
क़ीमत : 595 रुपये

ग़ज़ल के प्रति रुझान और लेखकीय सरोकारों तथा उद्देश्यों के बारे में नीरद जी ने अपने ग़ज़ल-संग्रहों के आत्मकथ्यों द्वारा स्वयं को स्पष्ट किया है, जो यहाँ प्रस्तुत है 'लगभग बारह वर्ष की उम्र से गीत-कविता कहने लगा। परिपक्व काव्य-शिल्पियों और फ़नकार उस्तादों के सान्निध्य में कविता की आत्मा व शायरी को प्रवृत्ति जागी तथा काव्य के गुण- दोष, शिल्प और सौष्ठव को जानने-परखने की दृष्टि मिली। ...मेरी काव्य-यात्रा गीत से प्रारंभ हुई लेकिन सन् 1968 से ग़ज़लें भी कहने लगा। ...मैं हिन्दी और उर्दू को अलग-अलग ख़ेमों में रखने और बाँटने का हामी नहीं हूँ क्योंकि दोनों भाषाओं का मूल स्रोत एक ही है । मेरा विनम्र निवेदन है कि आप मेरे इस प्रयास को हिन्दी और उर्दू को क़रीब से क़रीबतर लाने का उपक्रम मात्र समझें।'..आज प्रयोग के नाम पर बह्रों से हटकर हिन्दी ग़ज़लें लिखी जा रही हैं, जिससे ग़ज़ल का नाद तथा लयप्रवाह प्रभावित हो रही है। प्रयोग के नाम पर ग़ज़ल के पिंगल तथा उसके स्ट्रकचर से खिलवाड़ नहीं होनी चाहिए। अन्यथा ग़ज़ल, ग़ज़ल कहाँ रहेगी ? '

प्रयोग के नाम पर ग़ज़ल की संरचना से खिलवाड़ करते हुए भी आज ग़ज़लें लिखी जा रही हैं जो सही नहीं है. नीरद कहते ही नहीं, बल्कि अपनी ग़ज़लों से यह सिद्ध भी करते नज़र आते हैं कि शिल्प का कसाव और छंदानुशासन ग़ज़लों को कितना असरदार बना देता है. ग़ज़लों में विषय- वस्तु की विविधता तो है ही ,उसे व्यक्त करने के कौशल के भी अनेक रंग हैं जो इनको एक विशेष सौन्दर्य बोध से सिक्त करते हैं. जैसे कर्म और श्रम की महत्ता को ही लेते हैं और उस पर नीरद जी के कुछ शेर देखते हैं :

इक दिन तो मग़रूर सितारे मुझको शीश नवाएँगे
अपने कर्मों की ताक़त पर है इतना विश्वास मुझे..
सपनों को श्रम के जादू से जुड़ने दो
जीवन का फिर जगमग कोना-कोना है..

साहित्यकार स्वाभाव से ही स्वाभिमानी होता है और उसे ऐसा होना भी चाहिए. अपनी ख़ुद्दारी की क़ीमत पर तो वह कुछ भी स्वीकार नहीं कर सकता . जो दिल का धनी न हो, चाहे उसके पास अपार दौलत क्यों न हो, साहित्यकार उसे सम्मान नहीं दे सकता :

धनी जो दिल का दिखे तो झुके मेरा सर है
किसी कुबेर को 'नीरद' करे प्रणाम नहीं

आज की ग़ज़ल की एक ख़ास बात यह भी है कि यह आम आदमी, ग़रीब ,मज़दूर के दुख-दर्द से गहरा जुड़ाव रखती है. अब इसी शेर को देखिए जिसमें भूख के आगे मनुष्य स्वयं को अस्तित्वविहीन तक समझने लगता है :

न चक्रव्यूह कोई फेर जैसा रोटी के
वजूद जो कि मनुज का निचोड़ देता है

सकारात्मक रहने और अच्छा ही अच्छा सोचने की बात की तो जाती है किन्तु क्या हर परिस्थिति में ऐसा संभव है. समाज में कई ऐसी मान्यताएँ हैं जो आदर्श रूप में तो बहुत प्रेरक और उत्साहवर्धक लगती हैं लेकिन जिसके सामने उनका विपरीत रूप आता है वह उस पर बहुत कड़ी प्रतिक्रिया तक देने को मजबूर हो जाता है।

बालकथा

रक्षाबंधन की नीली राखी

वीरेंद्र बहादुर सिंह

एक चहल-पहल भरे अर्धशहरी कस्बे देवनगर की धूल भरी गलियां पहले से ही रंगों से जीवंत थीं। रक्षाबंधन की सुबह थी। दस वर्षीय देविका के लिए यह साल का सबसे अच्छा दिन था। घर में अगरबत्ती और मिठास की हल्की खुशबू फैली हुई थी, जो उसकी मां द्वारा बनाई जा रही पारंपरिक घेवर और जलेबी का संकेत दे रही थी।

उसका आठ साल का भाई तुषार कुछ अलग ही था। वह देविका से बहुत प्यार करता था, लेकिन उस दिन दूसरी कालोनी से क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल भी था और उसकी टीम देवनगर वॉरियर्स का मुकाबला मजबूत स्टेशन रोड स्ट्राइकर्स से था।

देविका ने तुषार के लिए एक खास राखी बनाने में कई सप्ताह बिताए थे। साधारण धागे या किसी कार्टून वाले डिजाइन के बजाय उसने पुराना नीला रेशमी धागा जुटाया था, जो देवनगर वॉरियर्स की टीम के रंग का था और उस पर छोटे-छोटे चांदी के सितारे बहुत सावधानी से चिपकाए थे। वह राखी बहुत सुंदर दिखाई दे रही थी, मानो एक छोटी-सी आकाशगंगा चमक रही हो।

अपनी भाग्यशाली नीली वॉरियर्स जर्सी पहने तुषार पहले से ही बरामदे में उछलकूद कर रहा था। कह रहा था, 'दीदी, जल्दी करो। मैच एक घंटे में शुरू हो जाएगा।'

देविका हंसते हुए अपनी नई हरी कुर्ती ठीक करती हुई बोली, 'पहले जरूरी काम, तुम्हें मेरी रक्षा करने का वादा करना होगा और फिर आरती होगी।'

तुषार ने नाटकीय ढंग से कराहते हुए कहा, 'तुम्हारी रक्षा? दीदी, तुम तो मुझसे बड़ी हो। और अगर मैं टॉस के लिए देर से पहुंचा तो हम हार सकते हैं।'

उनकी मां हँसते हुए दोनों को पूजा के छोटे-से स्थान पर बुलाने लगीं। तुषार अधीर होकर बैठ गया और उसके पैर लगातार हिल रहे थे। देविका ने आरती की, उसके माथे पर लाल कुमकुम और अक्षत का तिलक लगाया और फिर बहुत सावधानी से उसके दाहिने हाथ पर नीली आकाशगंगा जैसी राखी बांध दी।

'रुको दीदी, देखो।' तुषार ने इशारा किया।

राखी के बीच में उसने तीन छोटे-छोटे चांदी के सितारे एक सीधी पंक्ति में लगाए थे, जो तुषार, देविका और उनकी मां का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। इस बात ने तुषार के हिलते हुए पैरों को रोक दिया। उसे अहसास हुआ कि देविका ने राखी बनाने में कितनी मेहनत की थी। उसने देविका को कसकर गले लगाते हुए कहा, 'धन्यवाद दीदी। मुझे यह बहुत पसंद है। और हां, मैं हमेशा तुम्हारा ध्यान रखने का वादा करता हूं।'

फिर उसने उसे चमकीले रंग का एक छोटा-सा लिफाफा दिया, जिसमें उसकी बचाई हुई जेब खर्च की रकम और उसका बनाया हुआ देविका का एक छोटा-सा चित्र था।

लेकिन क्रिकेट का फाइनल अभी भी उसका इंतजार कर रहा था। समारोह खत्म होते ही तुषार ने अपना बल्ला उठा कर कहा, 'मुझे जाना होगा दीदी। तुम भी आकर मैच देखना।'

मैच बहुत रोमांचक था। स्टेशन रोड स्ट्राइकर्स ने बहुत बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया था। जब देवनगर वॉरियर्स बल्लेबाजी के लिए उतरी, तो विकेट तेजी से गिरने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे पूरा कस्बा मैच देखने के लिए उमड़ आया हो। वातावरण तनाव से भरा था और पास की दुकानों से आती मिठाई की खुशबू हवा में फैली हुई थी।

आखिरकार तुषार बल्लेबाजी करने के लिए मैदान में उतरा। वह घबराया हुआ था। उसके हाथ पसीने से भीग रहे थे और उसके शुरुआती कुछ शॉट्स भी बेढंगे थे। दूसरी टीम के खिलाड़ी उसका मजाक उड़ा रहे थे।

दर्शक दीर्घा में देविका प्रार्थना कर रही थी। वह मैच देखने में असमर्थ महसूस कर रही थी, लेकिन उसके मन में बारबार तुषार की कलाई पर बंधे चांदी के सितारे आ रहे थे।

तुषार क्रीज पर खड़ा दबाव महसूस कर रहा था। उसने अपने दस्ताने ठीक किए और ऐसा करते हुए उसकी नजर अपने दाहिने हाथ पर पड़ी। सूरज की रोशनी राखी के चांदी के सितारों पर पड़ी। वे बहुत तेज चमक उठे।

वह धागा केवल सजावट नहीं था, वह एक बंधन, शक्ति का स्रोत और इस बात की याद था कि कोई हमेशा उस पर विश्वास करता है।

तुषार ने बल्ले को मजबूती से पकड़ा। उसने एक पल के लिए अपनी आंखें बंद कीं और फिर उन्हें खोला। अब वह पूरी तरह केंद्रित और शांत था।

अगली गेंद आई, तेज गति से फेंकी गई गेंद। तुषार ने पूरे आत्मविश्वास के साथ बल्ला घुमाया। धड़ाम। गेंद बावड़ी के ऊपर से उड़ती हुई शानदार छक्के में बदल गई। उसने शानदार पचास रन बनाए और देवनगर वॉरियर्स को ऐसी जीत दिलाई, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

जब टीम के साथी खुशी से तुषार को अपने कंधों पर उठाकर जश्न मना रहे थे, तब तुषार ने अपना दाहिना हाथ ऊपर उठाया और अपनी नीली रेशमी राखी की चमक सबको दिखाई।

पूरी देवनगर वॉरियर्स टीम इस बात पर सहमत थी कि मैच केवल क्रिकेट के बल्ले ने नहीं जिताया था, बल्कि उस साधारण नीले धागे से मिली अदृश्य शक्ति ने भी जीत दिलाई थी।

जेड-436ए, सेक्टर-12
नोएडा-201301 (उ.प्र.)
मो- 8368681336

लघु कहानी

सच्चा रक्षाबंधन

डॉ. निरंकार श्रीवास्तव

राखी का त्योहार की यूं तो एक तिथि नियत है, परंतु उसका उत्साह और इंतिज़ार महीनों पूर्व शुरू हो जाता है। बाजार भी रंगबिरंगी रखियों से साज जाते हैं , और हर उम्र की लड़कियां व महिलायें राखी खरीदिती दिख जाती हैं। इधर घरों में परिवारों में भी एक उल्लास का वातावरण हो जाता है, मौसम भी इन दिनों में सुहावना हो जाता है।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राखी आने के कुछ दिन ही बचे हैं। पिछले सप्ताह मैं भी अपनी पत्नी के भाइयों के लिए राखी वाले लिफाफे स्पीड पोस्ट करने पोस्ट ऑफिस पहुंचा। क्या देखता हूँ कि स्पीडपोस्ट विंडो पर एक लंबी कतार है। करीब 14-15 लोग मेरे आगे खड़े अपनी बारी आने का बेसब्री से इंतिज़ार कर रहे हैं। उनमें से अधिकतर महिलायें अपने मेहंदी लगे हाथों में अपने भाइयों को राखी पोस्ट करने के लिए खड़ी हैं. तभी एक सफेद साड़ी पहने वृद्ध महिला एक हाथ में लिफाफा व दूसरे हाथ में छड़ी लिए का आगमन हुआ. आते ही लंबी लाइन देख कर लगीं बड़ बड़ करने । 'मुझे लाइन में खड़े होना बिल्कुल भी ठीक नहीं लगता । कम से कम आजकल के भीड़ वाले दिनों में पोस्ट ऑफिस वालों को 2 -3 और काउन्टर खोलने चाहियें या वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग लाइन होनी चाहिए '।

उन्हे हैरान परेशान देख मेरे पीछे लाइन में खड़े व्यक्ति ने उन्हे पास में रखी बेंच पर बैठने को कहा। दूसरे ने उन्हे अपनी वाटर बोतल से पानी पीने को दिया। तभी उनसे भी पीछे खड़े सज्जन ने कहा, 'क्यों न आप हम से आगे जाकर अपनी राखी पहिले पोस्ट कर दें '। मेरे साथ औरों ने भी समवेत स्वर से कहा, कि पहिले आप पोस्ट करदें। आखिरकार थोड़ी झिझक के साथ उन महिला ने अपनी राखी पोस्ट कर दी।

उसके बाद उन्होंने अपनी छड़ी पास की बेंच पर रख कर हम सब के सामने हाथ जोड़ कर भाव विहल सी खड़ी हो गईं। कुछ पल तक वे कुछ ना बोल सकीं । फिर एक गहरी सांस ले कर बोली, 'जिन मेरे दो छोटे सगे भाइयों को अभी दो राखी पोस्ट की है, वो इसे मिलने की सूचना भी नहीं भेजेंगे, और राखी वाले दिन जब मैँ उनको फोन करूंगी, तब ही पूछने पर बताएंगे कि राखी उन्हे मिल गई है '। एक आप लोग हैं, मेरा इतना ध्यान व मान रखा। आप सब मेरे सगे भाई बहिनों से भी ऊपर हो। भाई तो वही है जो आड़े वक़्त बहिन के काम आए। मेरी तो रक्षा बंधन आज ही मन गई। उन्हे अपनी साड़ी की कोर से अपनी आखें पोंछते देख हम में से कइयों के नेत्र सजल हो गए ।

मुझे भी उनमें अपनी इकलौती छोटी बहिन की छवि दिखी, जिसे आज से पच्चीस वर्ष पूर्व भगवान ने अपने पास बुला लिया।

94/157, मानसरोवर, जयपुर -302020

लघुकथा

अनोखा उपहार

शोभा गोयल

बात पिछले रक्षाबंधन की थी। सुरभि खरीदारी की लिस्ट बना रही थी। राखी, मिठाई, चॉकलेट और उपहार लम्बी फेहरिस्त थी। मगर अभी भी असंमजस में थी कि बुआजी के लिए क्या खरीदें। बुआ जी कई सालों बाद राखी पर घर आ रही थी ।

पापाजी ने कहा, 'उसे क्या देना है, मै जानता हूं बहूं, तुम परेशान मत हो। जाओ, रक्षाबंधन मनाने की तैयारी करो।'

तय समय पर बुआजी घर आ गयी। उनके आते ही घर में रौनक हो गयी। रोली, चावल और राखी रखकर थाली सजाई गई। बुआजी जैसे ही राखी बांधने को हुई पापाजी ने उनकी नाक खींच दी। 'भइया! शैतानी नहीं...चुपचाप राखी बंधवाओ।' बुआजी की डांट सुनकर पापाजी ने शालीनता से राखी बंधवाने के लिए हाथ आगे बढ़ा दिया।

राखी बांधकर बुआजी ने अपना उपहार लेने के लिए हाथ आगे बढ़ाया। पापाजी ने खट्टी-मीठी गोलियां मुट्ठी में दिखाई मगर दी नहीं। इन गोलियों के चक्कर में दोनों में भागम-भाग शुरू हो गयी। आगे-आगे पापाजी और पीछे पीछे बुआजी। थोड़ी देर बाद दोनों उन गोलियों का स्वाद लेकर बचपन की यादों में खो गये। बच्चे उन दोनों के बचपन के किस्से बड़े चाव से सुन रहे थे। उनके लिए आज दोनो कौतुहल थे। थोड़ी देर बाद दोनों ने कैरम की बाजी लगाई और खेल खेल में बेईमानी करने लगे। दोनों एक दूसरे के कान पकड़कर लड़ने लगे। इसके बाद कपड़े की बॉल से पकड़ा पकड़ीं खेलने लगे। ऐसा लगा जैसे वे दोनों छोटे बच्चे हो। शाम को पापा जी बुआ की पसंद की कुल्फी लेकर आए। दोनों ने बड़े चाव से खाई। एल्बम में बचपन की फोटो देखते हुए दोनों भावुक हो गए।

शाम की चाय तक दोनों की नोक झोंक खत्म नहीं हुई थी। एकाएक बुआजी भावुक होकर बोली, 'इस रक्षाबंधन पर भैया आपने मुझे बचपन लौटाकर अनोखा उपहार दिया है।

प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

स्कूल बस की चपेट में आने से मासूम की मौत

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। खंडसरा पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सेमरिया में शनिवार सुबह लगभग 7:00 बजे डी ए वी पब्लिक स्कूल जाता की स्कूल बस की चपेट में आने से 3 वर्षीय बालिका सीवी उर्फ फाल्गुनी साहू पिता खेमराज साहू की घटना स्थल पर ही मौत हो गई घटना के संबंध में खण्डसरा पुलिस चौकी प्रभारी कवल सिंह नेताम ने बताया कि प्रतिदिन की तरह डी ए वी पब्लिक स्कूल जाता की बस ग्राम सेमरिया में सेवा सहकारी समिति सेमरिया के अध्यक्ष संतोष साहू के घर के सामने आकर खड़ी हुई थी संतोष साहू अपने बड़ी नातिन साधना को बस में बिठाकर लौट रहे थे इसी दौरान संतोष साहू की 3 वर्षीय नातिन सीवी उर्फ फाल्गुनी साहू अपने दादा संतोष साहू की ओर दौड़ कर जा रही थी कि अचानक बस की चपेट में आ गई जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

खंडसरा पुलिस चौकी प्रभारी कवल सिंह नेताम ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर मासूम को इलाज के लिए खंडसरा सीएससी सेंटर लाया गया जहां डॉक्टरों ने बालिका को मृत घोषित कर दिया मासूम की डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बेमेतरा लाया गया पोस्टमार्टम के

बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है खंडसरा पुलिस चौकी प्रभारी कवल सिंह नेताम ने बताया कि डी ए वी पब्लिक स्कूल जाता की बस क्रमांक सीजी 07 डीएफ 3669 के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और एक्सीडेंट का मामला कायम कर विवेचना की जा रही है। मासूम की मौत के मामले को लेकर अब सवाल लिया है कि आखिरकार यह घटना हुई कैसे प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार मासूम सीवी उर्फ फाल्गुनी बस के पिछले पहिए में आने के कारण घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई गांव के कुछ लोगों का कहना है की बच्ची खेल रही थी और बस की चपेट में आ गई वहीं कुछ अन्य लोगों का कहना है कि बस में मासूम की बड़ी बहन साधना को बस बिठाने गए मासूम के दादा के पीछे-पीछे बच्ची दौड़ रही थी तब बस की चपेट में आई बालिका के संबंध में वाहन चालक को जानकारी ही नहीं हो पाई क्योंकि वह पिछले चक्के की चपेट में आ गई और चालक को जानकारी ही नहीं मिल पाई। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच पड़ताल कर रही है। इस संबंध में डीएवी पब्लिक स्कूल जाता के प्रिंसिपल पी एल जायसवाल ने बताया कि घटना की जैसी ही जानकारी मिली अपने स्कूल स्टॉप के साथ तत्काल घटना स्थल पहुंचकर घटना की जानकारी लिए

जायसवाल ने बताया कि डी ए वी पब्लिक स्कूल में एग्रीमेंट पर पांच स्कूल बस आसपास के बच्चों लाने ले जाने के लिए किराए पर लगाया गया है बस मालिक घनश्याम साहू नवागढ़ घटना के बाद ग्राम सेमरिया पहुंच गए उन्होंने बताया कि मासूम की बड़ी बहन यूकेजी में 5 वर्ष की है जो की जाता स्कूल में पढ़ती है छोटी बच्ची अचानक घर से निकलकर सीधे बस के पिछले पहिए के टायर में घुस गई घटना के संबंध में चालक को किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं मिल पाई।

महतारी वंदन योजना की राशि से प्रफुल्लित है कांति चंद्राकर

गौरेला पेंड्रा मरवाही। महतारी वंदन योजना की 30वीं किश्त प्राप्त होने से हाउसिंग बोर्ड कालोनी पेंड्रा की कांति चंद्राकर प्रफुल्लित है। रक्षाबंधन से पहले खाते में राशि आने से त्यौहार और भी खास हो गया है। कांति ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह राशि उनके लिए आर्थिक सहारा होने के साथ भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और भी यादगार बनाने का अवसर लेकर आई है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार द्वारा महिलाओं की बेहतरी के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। अपनी खुशियां व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन से पहले विष्णु भैया से बहनों को संबल मिला है। कांति चंद्राकर ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत प्राप्त राशि का उपयोग वह अपने भाई के लिए रक्षासूत्र (राखी) खरीदने और रक्षाबंधन की अन्य तैयारियों में करेंगी। उन्होंने कहा कि त्योहार के अवसर पर मिलने वाली यह आर्थिक सहायता उनके लिए बेहद उपयोगी है। इससे वे अपनी जरूरतों और पारिवारिक जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व है। ऐसे समय में महतारी वंदन योजना की किश्त मिलना उनके लिए खुशी को दोगुना करने वाला है।

टीईटी अनिवार्यता से राहत और पूर्व सेवा अवधि की गणना की मांग

शिक्षक साझा मंच ने सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। छत्तीसगढ़ के शासकीय स्कूलों में लंबे समय से सेवाएं दे रहे सहायक शिक्षकों एवं शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ ने मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से सेवारत शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से राहत देने, सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने की मांग की गई है। शिक्षक साझा मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के शासकीय विद्यालयों में शिक्षक संवर्ग के अंतर्गत सहायक शिक्षक एवं शिक्षक लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में उनकी सेवा से जुड़ी महत्वपूर्ण समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाना आवश्यक है।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से मांग की गई है कि छत्तीसगढ़ में सेवारत शिक्षकों को अन्य राज्यों की तर्ज पर विशेष टीईटी के प्रावधान में राहत देते हुए सेवा सुरक्षा प्रदान की जाए। साथ ही वरिष्ठता के आधार पर पूर्व प्रचलित नियमानुसार पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करने की मांग की गई है। इसके अलावा मोरती/मर्ज के मामले में सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर कर शिक्षक संवर्ग में नियुक्ति तिथि से पूर्व की सेवा की गणना करते हुए क्रमोन्नति एवं पेंशन सहित समस्त लाभ प्रदान करने की मांग भी ज्ञापन में प्रमुखता से रखी गई है। शिक्षक साझा मंच ने शासन से मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है। मंच का कहना है कि वर्षों से स्कूल शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे शिक्षकों को न्याय एवं सेवा सुरक्षा मिलने से उनका मनोबल बढ़ेगा और वे अधिक बेहतर ढंग से अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे। ज्ञापन में मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के अलावा शिक्षा विभाग के सचिव, संचालक लोक शिक्षण, संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग तथा जिला शिक्षा अधिकारी को भी प्रतिलिपि प्रेषित की गई है। ज्ञापन शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ की ओर से सौंपा गया।

पुलिस दे रही साइबर सुरक्षा के मंत्र

विश्व केसरी

सक्ती। एसपी सक्ती प्रफुल्ल कुमार ठाकुर भापुसे द्वारा आमजन को साइबर सुरक्षा एवं साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत थाना बाराद्वार पुलिस द्वारा शैक्षणिक संस्थान में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एशियन वर्ल्ड स्कूल बाराद्वार थाना - बाराद्वार, जिला - सक्ती (छ.ग.) में साइबर जागृति जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जहां प्रफुल्ल कुमार ठाकुर भापुसे पुलिस अधीक्षक शक्ति द्वारा उपस्थित लोगों एवं छात्र- छात्राओं को छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा प्रदेश में साइबर ठगी और अपराधों से बचाव के लिए एक विशेष 'साइबर जागृति अभियान' चलाया जा रहा है इस अभियान के

बारे में बताते हुए इनका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को डिजिटल धोखाधड़ी के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की जानकारी देना है, अभियान की मुख्य बातें संचालन अवधि अभियान 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में सक्रिय है इसका लक्ष्य: छात्र-छात्राएं, युवा, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को यह समझाना कि ऑनलाइन धोखाधड़ी कैसे होती है और उससे बचाव कैसे किया जाए साथ ही साइबर ठगी से बचने के जरूरी उपायों ओटीपी साझा न करने , बैंक खाता, पासवर्ड या ओटीपी किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ शेयर नहीं करने, अज्ञात लिंक से बचने , किसी भी अनजान नंबर से आए एपीके फाइल या संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करने, वीडियो कॉल सावधानी व व्हाट्सएप पर किसी भी अनजान या विदेशी नंबर से आने वाली वीडियो कॉल को रिसीव करने से बचने, डिजिटल अरेस्ट से सतर्क रहने पुलिस या सरकारी अधिकारी बनकर वीडियो कॉल पर डराने वाले कॉल से सावधान रहने को कहते हुए पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा यह भी बताया गया कि सरकार ऐसा कोई 'डिजिटल अरेस्ट' नहीं करता है।

संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जयंती पर देवरी में निकली भव्य कलश यात्रा, महापौर रामू रोहरा ने किया शुभारंभ

विश्व केसरी

धमतरी (राजशेखर नायर)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर ग्राम देवरी में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर श्री रामू रोहरा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर संत रविदास जी का स्मरण किया और कलश यात्रा के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को अपनी शुभकामनाएं दीं।

महापौर रामू रोहरा ने कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं ग्रामीणजन श्रद्धा और उत्साह के

साथ शामिल हुए। सिर पर कलश धारण किए महिलाओं की सहभागिता से पूरा वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत नजर आया। श्रद्धालुओं ने संत रविदास जी के जयकारों के साथ सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर महापौर श्री रामू रोहरा ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से समाज को समानता, मानवता, प्रेम और सामाजिक समरसता का मार्ग दिखाया। उन्होंने जात-पात, भेदभाव और ऊंच-नीच की भावना से ऊपर उठकर सभी मनुष्यों को समान मानने का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और नई पीढ़ी को सही दिशा देने के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। महापौर ने कहा कि संत रविदास जी की 650वीं जयंती का यह पावन अवसर उनके आदर्शों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा सामाजिक समरसता को मजबूत करने का अवसर है। हमें उनके बताए मार्ग पर चलते हुए समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और समानता की भावना को और मजबूत करना चाहिए। कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। धार्मिक वातावरण के बीच निकली यात्रा ने ग्राम देवरी में एकता, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इस अवसर पर अन्य पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, केशव साहू, दयाराम साहू, डेनीश चन्द्राकर, मिश्रीलाल पटेल, हिरेन्द्र साहू, यतीश भूषण श्रीवास्तव,धन्न जांगडे, तारेन्द्र चन्द्राकर, रामाधार साहू, रुपचंद साहू, खिलावन प्रजापति,याद राम साहू,सोनाराम साहू, ममता निषाद, पूर्णिमा बनपेला, रेणुका साहू, राधिका साहू, नंदिनी साहू, महेश चन्द्राकर, ओमप्रकाश सिन्हा,शंकरसिंह साई संकराम धीवर, केशव, रमेश,नीराम सिन्हा, हजारी, मिश्वर साहू, परस लाल साहू, कमलेश साहू सहित जनप्रतिनिधियों, सामाजिकजनों, ग्रामीणों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

संकल्प सेवा संस्थान आनंद धाम में ध्वजारोहण दिव्यांग बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (अंशुल मिश्रा)। नवागांव बुडेनी स्थित छत्तीसगढ़ हैंडिकैप्ड वेलफेयर सोसायटी द्वारा संचालित संकल्प सेवा संस्थान आनंद धाम नवागांव में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला साहू संघ गरियाबंद के अध्यक्ष प्रवीण साहू ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष योगेश ठाकुर ने की। इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत भाषण, कविता, गीत एवं नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। बच्चों के उत्साह और प्रतिभा की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में उज्जवल दिव्यांग कल्याण संघ के जिला अध्यक्ष जागेश्वर साहू, सुजान चंद पारक, शेखर साहू, सखी ग्रुप नवापारा की बहनें तथा संकल्प सेवा संस्थान की संचालिका सुनीता साहू सहित सारिका साहू, पूजा साहू, रूपाली शर्मा, कृष्ण साहू, अवध राम सोनी, आशा असानी, रानी, मनीषा, ऋतु जैन, पप्पू गौर, गायत्री ठाकुर, वंशिका कुकरेजा, गुंजन, कुंती इसरानी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

माखन चोरी की लीला में छिपा था कंस के विरुद्ध क्रांति का संदेश

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। छत्तीसगढ़ के प्रयाग राजिम स्थित श्री राजीव लोचन मंदिर में सावन झूला पर्व की धार्मिक छटा बिखरी हुई है। मंदिर ट्रस्ट की ओर से मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस कथा व्यास पंडित वरुण तिवारी ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का अत्यंत रोचक, भावपूर्ण और आध्यात्मिक वर्णन किया। कथा के दौरान श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का श्रवण कर भाव-विभोर हो उठे। कथा व्यास पंडित वरुण तिवारी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण 24 अवतारों में पूर्ण पुरुषोत्तम हैं और 16 कलाओं से परिपूर्ण हैं। उनका बाल स्वरूप जितना सहज, प्रेम और वात्सल्य से परिपूर्ण है, वहीं अधर्म और अत्याचार के विरुद्ध उनका स्वरूप उतना ही प्रभावशाली है। माता यशोदा के साथ उनकी बाल लीलाएं वात्सल्य का भाव

जगाती हैं, तो राक्षसों का संहार धर्म की स्थापना का संदेश देता है। माखन चोरी की लीला मे बड़ा संदेश छिपा है।

श्रीकृष्ण की माखन चोरी की कथा का वर्णन करते हुए पंडित तिवारी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण अपने सखाओं के साथ मिलकर माखन चुराते थे। राह चलते गोपियों की दूध-दही से भरी मटकियां भी फोड़ देते थे। इसकी शिकायत लेकर गोपियां माता यशोदा के पास पहुंचती थीं। उन्होंने कहा कि नंद बाबा स्वयं गोकुल के संपन्न व्यक्ति थे। उनके घर में दूध, दही और मक्खन की कोई कमी नहीं थी। ऐसे में प्रश्न उठता है कि श्रीकृष्ण माखन चोरी क्यों करते थे? पंडित तिवारी ने कहा कि श्रीकृष्ण बचपन से ही अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाने वाले क्रांतिकारी विचारों के प्रतीक थे। उन्होंने कंस के अत्याचार से परेशान गोकुलवासियों के बीच विरोध की भावना जगाई। श्रीकृष्ण लोगों को समझाते थे कि वे अपनी मेहनत से उत्पादित दूध-दही को कर के रूप में मथुरा भेजना बंद करें।

नगरी से यूरिया उड़ीसा बस्तर जा रहा

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। स्थानीय किसानों को यूरिया खाद के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि कृषि केंद्रों के संचालक बिना दस्तावेजों के थोक में खाद ओडिशा और बस्तर के तस्करों को बेच रहे हैं। सरकारी नियम और पॉश मशीनें केवल मजबूर किसानों के लिए कागजी साबित हो रही हैं, जिससे कालाबाजारी तेजी से बढ़ रही है।

266 का यूरिया बेचा जा रहा 500 में

कागजों में 266 रुपये प्रति बोरी मिलने वाली यूरिया को तस्करों को 500-500 रुपये प्रति बोरी के हिसाब से खुलेआम बेचा जा रहा है। बेलर से घुरावड़ मार्ग इन दिनों तस्करों और अवैध परिवहन का सबसे सुरक्षित गलियारा बन चुका है, जहां से रोजाना भारी वाहन धड़ल्ले से गुजर रहे हैं।

नियमों का ढोंग और माफिया की मौज

कृषि विभाग के तमाम दावों के विपरीत धमतरी के नगरी ब्लॉक में सरकारी नियंत्रण पूरी तरह कागजी साबित हो रहा है। किसानों को खाद खरीदने के लिए बी-वन, ऋण पुस्तिका और तमाम दस्तावेजों के साथ पॉश मशीन में अंगूठा लगाने की शर्त पर उलझाया जाता है। इसके विपरीत, नियम को ताक पर रखकर कृषि केंद्र संचालक माफिया को बिना किसी कागजात के 75 से 200 बोरी तक यूरिया थोक में बेच रहे हैं।

महिला शौचालय तोड़े जाने पर फूटा बच्चों का गुस्सा स्कूल में तालाबंदी के बाद सड़क पर चक्काजाम

विश्व केसरी

नवापारा (अंशुल मिश्रा)। समीपस्थ ग्राम पंचायत पारागांव में महिला शौचालय तोड़े जाने का मामला अब उग्र रूप लेता जा रहा है। सरपंच द्वारा स्कूल परिसर में उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के लिए महिला शौचालय तुड़वाए जाने से नाराज जेन अल्फा यानी 7वीं और 8वीं कक्षा के छात्र-छात्राएं अब आंदोलन की राह पर उतर आए हैं। बच्चों ने पहले स्कूल में तालाबंदी कर धरना दिया और इसके बाद सड़क पर उतरकर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया।

पहले स्कूल के मुख्य गेट पर जड़ा ताला, फिर सड़क पर बैठ गए बच्चे गुस्साए छात्र-छात्राओं ने सरकारी मिडिल स्कूल के मुख्य गेट पर ताला जड़कर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। इसके बाद बच्चों का आक्रोश और बढ़ गया तथा वे स्कूल परिसर से निकलकर मुख्य मार्ग पर बैठ गए

और चक्काजाम कर दिया। बच्चों के आंदोलन से क्षेत्र में हलचल मच गई।

बोले बच्चे पढ़ाई के बीच नहीं चाहिए उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण आंदोलन कर रहे छात्र-छात्राओं का कहना है कि स्कूल परिसर में उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किए जाने से उनकी पढ़ाई और शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। बच्चों ने साफ कहा कि स्कूल शिक्षा का मंदिर है और यहां निर्माण कार्य तथा अन्य गतिविधियों से उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है।

महिला शौचालय टूटने से छात्राओं को हो रही भारी परेशानी

छात्राओं में महिला शौचालय तोड़े जाने को लेकर विशेष आक्रोश देखने को मिला। उनका कहना है कि पहले से मौजूद महिला शौचालय को तोड़ दिया गया, जिससे उन्हें गंभीर असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। छात्राओं ने इसे उनके सम्मान और मूलभूत सुविधाओं से जुड़ा गंभीर मामला बताया। बच्चों की दो टूक मांगकृनिर्माण हटे और शौचालय फिर बने चक्काजाम कर रहे बच्चों ने मांग की कि उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण तत्काल स्कूल परिसर से हटाकर किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर किया जाए। साथ ही तोड़े गए महिला शौचालय का जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कराया जाए, ताकि छात्राओं को फिर से किसी प्रकार की परेशानी न हो।

तालाबंदी और चक्काजाम के बाद भी नहीं पहुंचे जिम्मेदार अधिकारी

सबसे बड़ी बात यह रही कि बच्चों द्वारा स्कूल में तालाबंदी और सड़क पर चक्काजाम किए जाने के बावजूद खबर लिखे जाने तक कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इससे बच्चों और ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति और अधिक नाराजगी देखी गई। लोगों का कहना है कि जब स्कूली बच्चे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर हो गए हैं, तब भी जिम्मेदारों का मौके पर नहीं पहुंचना गंभीर लापरवाही है।

महिला सम्मान से खिलवाड़ का आरोप, सरपंच के खिलाफ बढ़ा आक्रोश ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच द्वारा उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के लिए सरकारी मिडिल स्कूल परिसर में महिला शौचालय तुड़वाकर महिला सम्मान के साथ खिलवाड़ किया गया है। इस कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों में पहले से ही नाराजगी थी, लेकिन अब बच्चों के आंदोलन ने पूरे मामले को और अधिक गंभीर बना दिया है।

राष्ट्रीय वृक्ष बरगद की टहनियां काटने का भी आरोप

मामले में स्कूल परिसर में स्थित राष्ट्रीय वृक्ष बरगद की टहनियां काटे जाने का आरोप भी सामने आया है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान पर्यावरण और स्कूल परिसर की हरियाली की भी अनदेखी की गई है। इसे लेकर भी ग्रामीणों ने कड़ी नाराजगी जताई है।

फर्जी दस्तावेजों से 40 लाख रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा

विश्व केसरी

धमतरी (राजशेखर नायर)। पुलिस अधीक्षक धमतरी भावना पांडेय के निर्देशन में जिले में धोखाधड़ी, कूटरचना एवं आपराधिक षडयंत्र के मामलों में प्रभावी कार्रवाई हेतु दिए गए निर्देशों के तहत थाना मगरलोड पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 77/2026, धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2), 61(2), 238 बीएनएस के प्रकरण में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए मुख्य आरोपी सहित 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रार्थी सचिन बगानी, निवासी गोबरा नवापारा द्वारा थाना मगरलोड में शिकायत प्रस्तुत की गई थी कि आरोपी ठाकुर राम साहू द्वारा मृतक विष्णु प्रसाद साहू के नाम ग्राम सांगा में स्थित लगभग 4.5 एकड़ कृषि भूमि को अपना बताकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए तथा उक्त भूमि को बेचने के नाम पर प्रार्थी से विभिन्न माध्यमों से नगद एवं चेक के जरिए लगभग 40 लाख रुपये प्राप्त किए गए। शिकायत पर थाना मगरलोड में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

एफसीएनआर(बी) जमा राशि 65.4 अरब डॉलर तक पहुंची: आरबीआई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शनिवार को बताया कि अधिकृत डीलर बैंकों ने केंद्रीय बैंक की विशेष स्वैप सुविधा के तहत 21 अगस्त तक कुल 72.848 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जुटाई है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान विदेशी मुद्रा गैर-निवासी (बैंक) जमा एफसीएनआर(बी) का रहा, जिसके माध्यम से 65.397 अरब डॉलर जुटाए गए।

आरबीआई के अनुसार, केंद्रीय बैंक की विशेष स्वैप सुविधा के तहत बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) और विदेशी मुद्रा उधार (ओएफसीबी) के जरिए भी 7.451 अरब डॉलर की अतिरिक्त विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई है।

केंद्रीय बैंक ने 8 जून 2026 को एफसीएनआर(बी) जमा, ईसीबी और ओएफसीबी से आने वाले निवेश के लिए विशेष अमेरिकी डॉलर-रुपया स्वैप सुविधा शुरू की थी। इस योजना का उद्देश्य रुपए पर दबाव कम करना और देश में विदेशी मुद्रा प्रवाह बढ़ाना था।

आरबीआई ने कहा कि पहले घोषित कार्यक्रम के अनुसार एफसीएनआर(बी) जमा योजना 31 अगस्त 2026 तक खुली रहेगी, जबकि ईसीबी और ओएफसीबी के लिए यह सुविधा 31 दिसंबर 2026 तक उपलब्ध रहेगी।

यह बड़ी विदेशी मुद्रा आमद ऐसे समय हुई है जब भारतीय बैंकों ने एफसीएनआर(बी) जमा आकर्षित करने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। आरबीआई ने हाल ही में इस योजना की अंतिम तिथि 30 सितंबर से घटाकर 31 अगस्त कर दी थी। केंद्रीय बैंक ने कहा था कि योजना को उम्मीद से बेहतर प्रतिक्रिया मिली है और विदेशी मुद्रा जुटाने का लक्ष्य तेजी से पूरा हो रहा है।

इस सप्ताह जारी एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि एफसीएनआर(बी) योजना के तहत डॉलर जुटाने का लक्ष्य संभवत: पहले ही हासिल किया जा चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त के शेष दिनों में भी 25 से 30 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त प्रवाह आने की संभावना थी, जिससे कुल संग्रह लगभग 85 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि स्वैप सुविधा की लागत कोई बड़ी बाधा नहीं है। एसबीआई रिसर्च के अनुमान के अनुसार, योजना की कुल लागत लगभग 10.5 अरब डॉलर या कुल कोष का लगभग 15 प्रतिशत हो सकती है।

सोना इस हफ्ते 8 हजार रुपए से अधिक महंगा हुआ, चांदी 2.46 लाख के पार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुएं क्रमश: 8 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम और 12 हजार रुपए प्रति किलो से अधिक महंगी हो गई हैं।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 8,257 रुपए बढ़कर 1,60,620 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,52,363 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,47,128 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,39,565 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,20,465 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,14,272 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 19 अगस्त को सुबह के सत्र में 1,52,884 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 21 अगस्त को शाम के सत्र में 1,60,620 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है।

चांदी का दाम 12,788 रुपए बढ़कर 2,46,630 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,33,842 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 21 अगस्त को शाम के सत्र में 2,46,630 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 19 अगस्त को सुबह के सत्र में 2,27,392 रुपए प्रति किलो देखा गया।

आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,600 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 69 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह बॉन्ड यील्ड में गिरावट और बड़े स्तर पर सुरक्षित निवेश की मांग है। इससे दोनों कीमती धातुओं में खरीदारी को सहारा मिल रहा है।

चीनी की बढ़ती कीमतों के पीछे एथेनॉल नहीं है कारण, गन्ने का कम उत्पादन और रिकवरी का है असर: कृषि विशेषज्ञ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। देश भर में चीनी की कीमतों में आई तेजी को लेकर चल रही बहस के बीच कृषि और चीनी उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि इसकी मुख्य वजह चीनी को एथेनॉल उत्पादन के लिए डायवर्ट करना नहीं, बल्कि गन्ने के उत्पादन और चीनी रिकवरी में आई कमी है। उनका कहना है कि सरकार चीनी, एथेनॉल और निर्यात के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी करती है और उपभोक्ताओं की जरूरत को प्राथमिकता दी जाती है।

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट, कानपुर के पूर्व निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में जो तेजी देखने को मिली है, वह कुछ हद तक अप्रत्याशित जरूर है, लेकिन इसके लिए सीधे तौर पर एथेनॉल उत्पादन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार हर साल चीनी उत्पादन का आकलन करते समय यह सुनिश्चित करती है कि देश की घरेलू जरूरतों के लिए पर्याप्त चीनी उपलब्ध रहे।

उन्होंने कहा कि देश में सालाना करीब 280 लाख टन चीनी की आवश्यकता होती है। इसके बाद ही अतिरिक्त चीनी को एथेनॉल उत्पादन या निर्यात के लिए अनुमति दी जाती है। उन्होंने बताया कि चालू वर्ष में लगभग 31 लाख टन चीनी के बराबर मात्रा का उपयोग एथेनॉल उत्पादन में किया गया, जबकि करीब 7 लाख टन चीनी का निर्यात भी हुआ। इसके बावजूद देश में पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है।

प्रोफेसर मोहन ने कहा, 'इस वर्ष देश में करीब 306 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है और इसके अलावा पिछले वर्ष का कैरी-ओवर स्टॉक भी उपलब्ध था। सामान्य परिस्थितियों में भारत के पास 50 लाख टन या उससे अधिक का बफर स्टॉक रहता है, ताकि किसी अप्रत्याशित स्थिति में बाजार में आपूर्ति प्रभावित न हो। ऐसे में केवल एथेनॉल डायवर्जन को चीनी महंगी होने का कारण बताना उचित नहीं होगा।'

उन्होंने कहा कि भारतीय चीनी उद्योग के लिए एथेनॉल एक 'गेम चेंजर' साबित हुआ है। पहले जब देश में चीनी का उत्पादन जरूरत से कहीं अधिक हो जाता था, तब बाजार में कीमतें गिर जाती थीं और चीनी मिलों को नुकसान उठाना पड़ता था, जिसका सीधा असर किसानों के भुगतान पर पड़ता था।

उन्होंने बताया कि पहले अतिरिक्त चीनी को निर्यात करने का विकल्प था, लेकिन वैश्विक प्रतिस्पर्धा और अंतरराष्ट्रीय कीमतों के कारण यह हमेशा लाभकारी नहीं रहता था। ऐसे में सरकार ने अतिरिक्त चीनी को एथेनॉल उत्पादन में उपयोग करने की नीति अपनाई, जिससे न केवल चीनी उद्योग को स्थिरता मिली।

केंद्र सरकार उड़ान योजना के विस्तार के लिए 28,840 करोड़ का निवेश कर रही : राम मोहन नायडू

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू की अध्यक्षता में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति ने शुक्रवार को कर्नाटक के मैसूर में बैठक की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए उड़ान के अगले चरण, फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन इकोसिस्टम में सुधार और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (आईजीआरयूए) में बदलाव पर चर्चा की।

समिति को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, 'पिछले 10 वर्षों में, हमने हवाई अड्डों के विकास और एयरलाइंस के लिए 'वायबिलिटी गैप फंडिंग' (वीजीएफ) में लगभग 10,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। अब हम 'उड़ान' के अगले चरण के तहत 28,840 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ इस लक्ष्य को एक नए स्तर पर ले जा रहे हैं।'

नायडू ने कहा कि भारत का एविएशन (हवाई सेवा) क्षेत्र अब केवल प्रमुख शहरों और हवाई अड्डों के विकास तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसका दायरा बढ़ रहा है। मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उड़ान विजन से प्रेरित होकर, एविएशन क्षेत्र क्षेत्रीय विकास और समावेशी आर्थिक विकास का एक अहम जरिया बन रहा है, जिससे किसानों, निर्यातकों, व्यवसायों और समुदायों को लाभ मिल रहा है। साथ ही, भारत ड्रोन और ईवीटीओएल (इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग) के माध्यम से एविएशन इनोवेशन की अगली लहर का नेतृत्व कर रहा है और एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) तथा एयर कार्गो जैसे क्षेत्रों में सुधारों को आगे बढ़ा रहा है। समिति को 'फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन' (एफटीओ) इकोसिस्टम में किए गए सुधारों के बारे में भी जानकारी दी गई, जिनका उद्देश्य सुरक्षा और प्रशिक्षण के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए प्रशिक्षित पायलटों की उपलब्धता बढ़ाना है।

एफटीओ इकोसिस्टम का विस्तार हुआ है; 2020 में जहां 32 एफटीओ थे, वहीं 2026 में इनकी संख्या बढ़कर 41 हो गई है, और इसी दौरान फ्लाइंग बेस की संख्या 32 से बढ़कर 63 हो गई है। एफटीओ रैंकिंग फ्रेमवर्क की शुरुआत से जवाबदेही में पारदर्शिता आई है, जिससे युवाओं को अपने पायलट करियर की शुरुआत में ही सही और जानकारीपूर्ण फैसले लेने में मदद मिलती है। एविएशन सेक्टर में मौजूद अवसरों पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा, 'भारतीय एयरलाइंस ने दुनिया में कहीं भी न देखे गए पैमाने पर विमानों के ऑर्डर दिए हैं।

इस सप्ताह निफ्टी में गिरावट के बीच एफआईआई ने निकाले 1,602 करोड़ रुपए, घरेलू निवेशकों ने संभाला मोर्चा

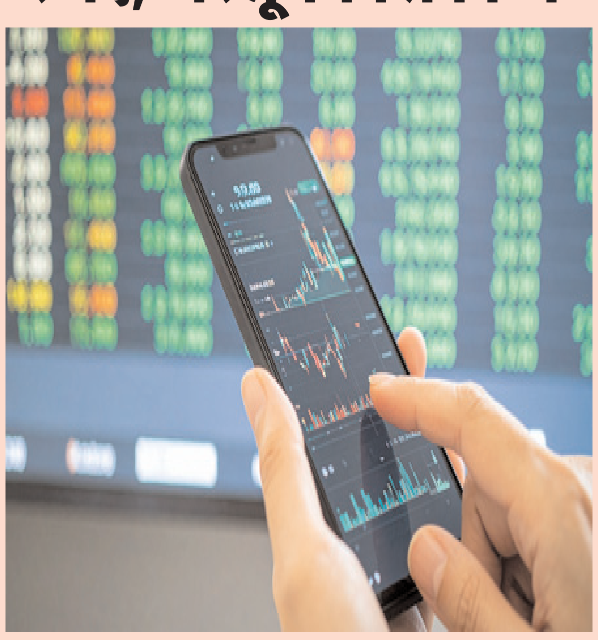

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऊंची कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह दबाव देखने को मिला। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय बाजार से 1,602 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने खरीदारी जारी रखते हुए बाजार को सहारा दिया।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, एफआईआई तीन सप्ताह की लगातार खरीदारी के बाद फिर से बिकवाली के रुख में लौट आए। पूरे सप्ताह के दौरान उनका निवेश व्यवहार मिश्रित रहा। सप्ताह के पहले कारोबारी सत्र में उन्होंने बिकवाली की, इसके बाद अगले दो सत्रों में खरीदारी की और फिर अंतिम दो कारोबारी दिनों में दोबारा बिकवाली शुरू कर दी।

यदि 20 जुलाई से 21 अगस्त की अवधि को देखा जाए, तो एफआईआई पहले सप्ताह में विक्रेता रहे, उसके बाद लगातार तीन सप्ताह खरीदार बने और इस सप्ताह में फिर से बिकवाली की। इसके बावजूद पिछले एक महीने में उनकी कुल गतिविधि का परिणाम 1,282 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी के रूप में सामने आया।

दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशक लगातार मजबूती से खरीदारी करते रहे। उन्होंने पिछले एक महीने के दौरान हर सप्ताह शुद्ध निवेश किया और कुल मिलाकर 48,390 करोड़ रुपए का निवेश किया। केवल इस सप्ताह ही डीआईआई ने 17,320 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की।

अगस्त महीने के अब तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों श्रेणियों के निवेशक कुल मिलाकर खरीदार बने हुए हैं। इस अवधि में एफआईआई ने 2,510 करोड़ रुपए और डीआईआई ने 34,370 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

सप्ताह के दौरान प्रमुख सूचकांकों में सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 92 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रही और अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

निफ्टी ने सप्ताह की शुरुआत कमजोरी के साथ की और मध्य सप्ताह में 24,026 का निचला स्तर छुआ। हालांकि अंतिम दो कारोबारी सत्रों में रिकवरी देखने को मिली, जिससे सूचकांक निचले स्तरों से उबर गया। इसके बावजूद सप्ताह के अंत में निफ्टी 24,252 के स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले सप्ताह की तुलना में लगभग 0.5 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

व्यापक बाजार का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स लगभग सपाट स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स ने नया सर्वकालिक उच्च स्तर छूते हुए सप्ताह में 1 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की। इससे संकेत मिलता है कि निवेशकों की रुचि अभी भी मध्यम और छोटी कंपनियों के शेयरों में बनी हुई है।

हैदराबाद रियल एस्टेट में नया रिकॉर्ड, एक एकड़ जमीन 264 करोड़ रुपए में बिकी

विश्व केसरी ■

हैदराबाद। हैदराबाद के रियल एस्टेट मार्केट में एक नया रिकॉर्ड बनाते हुए, शुक्रवार को सरकारी जमीन का एक एकड़ हिस्सा 264 करोड़ रुपए की भारी-भरकम कीमत पर नीलाम हुआ। इसने 237 करोड़ रुपए के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

तेलंगाना इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन (टीजीआईआईसी) ने इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कॉरिडोर के बीचों-बीच रेडुर्ग में 5.25 एकड़ की बेहतरीन मल्टी-यूज जमीन की ई-नीलामी में एक नया रिकॉर्ड बना।

इस बेहतरीन मल्टी-यूज जमीन की नीलामी से 1,386 करोड़ रुपए की कमाई हुई। टीजीआईआईसी के अनुसार, 175 करोड़ रुपए प्रति एकड़ की रिजर्व प्राइस (न्यूनतम कीमत) पर 5.25 एकड़ जमीन की नीलामी की गई, जिससे प्रति एकड़ 264 करोड़ रुपए की अंतिम कीमत मिली, जो रिजर्व प्राइस से 50.9 प्रतिशत ज्यादा है। अधिकारियों ने कहा कि यह नतीजा दिखाता है कि हैदराबाद भारत के सबसे तेजी से बढ़ते रियल एस्टेट बाजारों में से एक के तौर पर उभरा है और यह इंफ्रास्ट्रक्चर-आधारित विकास के लिए तेलंगाना की रणनीतिक सोच की पुष्टि करता है। टीजीआईआईसी ने कहा कि यह नतीजा बड़े डेवलपर्स के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा और हैदराबाद के रणनीतिक कॉरिडोर को लेकर बाजार के बढ़ते सकारात्मक नजरिए को दर्शाता है, जिससे संस्थागत रियल एस्टेट कैपिटल के लिए तेजी से विकास करने वाले डेस्टिनेशन के तौर पर तेलंगाना की स्थिति मजबूत होती है।

इस नतीजे से रेडुर्ग में जमीन की कीमतों में भी जबरदस्त उछाल का पता चलता है। टीजीआईआईसी की पिछली नीलामी में मई में प्रति एकड़ 237 करोड़ रुपए मिले थे। इससे इस कॉरिडोर के बेहतरीन प्लॉट के लिए निवेशकों की लगातार बढ़ती मांग का पता चलता है।

कनाडा का जवाब, 'अमेरिकी टैरिफ के बदले डॉलर फॉर डॉलर शुल्क पर होगा काम'

विश्व केसरी ■

ओटावा । कनाडा की अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की समयसीमा शुक्रवार आधी रात तक थी। ये बिना किसी अंतिम नतीजे पर पहुंचे समाप्त हो गई। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी टैरिफ का 'डॉलर फॉर डॉलर' जवाब देने का ऐलान किया है।

कार्नी ने इसे लेकर बयान जारी किया। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ये बयान पोस्ट किया गया। उन्होंने कहा, ' कनाडाई अधिकारियों ने बातचीत में पूरी ईमानदारी से काम किया, लेकिन अंतिम समय में अमेरिका की ओर से प्रस्तावित शर्तों में किए गए बदलाव अनुचित और आर्थिक रूप से नुकसानदेह थे। इन बदलावों से किसी भी संभावित समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा हो गया।'

अमेरिका की ओर से लगाए जा रहे 50 प्रतिशत टैरिफ का जिक्र करते हुए कार्नी ने कहा कि कनाडा अपने श्रमिकों और कारोबारों की सुरक्षा के लिए उतने ही मूल्य का जवाबी शुल्क लगाएगा।

अमेरिकी टैरिफ से कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पाद प्रभावित होंगे। इनमें हॉकी स्टिक से लेकर चिकित्सा उपकरणों तक कई तरह के सामान शामिल हैं। दोनों देशों के बीच पिछले साल करीब 880 अरब डॉलर का वस्तुओं और सेवाओं का कारोबार हुआ था।

वहीं, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर ने बातचीत विफल होने को कनाडा के लिए 'गंवाया हुआ अवसर' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कनाडा ने पहले जिन प्रतिबद्धताओं पर सहमति जताई थी, उनसे पीछे हटते हुए नई मांगें रखीं, जिससे दोनों पक्षों के बीच बना संतुलन बिगड़ गया।

कनाडा ने स्टील, एल्युमीनियम, वाहन और लकड़ी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अमेरिकी रियायतों की मांग की थी, लेकिन ट्रंप प्रशासन इन पर सहमत नहीं हुआ।

इस टकराव का आर्थिक असर भले सीमित हो, लेकिन इसका राजनीतिक प्रभाव बड़ा माना जा रहा है। इससे अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको के बीच उत्तर अमेरिकी व्यापार समझौते के भविष्य को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

कनाडा के ओंटारियो प्रांत के प्रीमियर डग फोर्ड ने कार्नी के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि कनाडा को अमेरिकी कदम का 'टैरिफ के बदले टैरिफ, डॉलर के बदले डॉलर' जवाब देना चाहिए।

कनाडाई चैंबर ऑफ कॉमर्स की अध्यक्ष कैंडेसा लांग ने अमेरिकी टैरिफ को 'उत्तर अमेरिकी प्रतिस्पर्धा पर बड़ा प्रहार' बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे अमेरिकी उपभोक्ताओं की लागत बढ़ेगी और कनाडा में ग्राहक, निवेश तथा छोटे कारोबार प्रभावित होंगे।

क्या आप दोनों साथ रहते हुए भी अकेले हैं? रिश्ते में 'Roommate Phase' के ये संकेत पहचानें

एक ही घर में रहकर भी अगर बातचीत, प्यार, साथ का समय और भावनात्मक जुड़ाव लगातार कम हो रहा है, तो रिश्ता 'Roommate Phase' में हो सकता है. इन संकेतों को पहचानकर समय रहते संवाद और साथ के छोटे प्रयास शुरू किए जा सकते हैं.

कभी-कभी एक ही घर में रहने वाले दो लोग धीरे-धीरे इतने अलग हो जाते हैं कि रिश्ता पति-पत्नी या पार्टनर का कम और रूममेट्स का ज्यादा लगने लगता है. सुबह की भागदौड़, ऑफिस, घर के काम और फोन के बीच बातचीत सिर्फ 'खाना खा लिया?', 'बिल भर देना' या 'कल कितने बजे निकलोगे?' तक सिमट जाती है. बाहर से सब सामान्य दिखता है, लेकिन भीतर कहीं साथ होने का एहसास कम होने लगता है. रिश्तों में इस स्थिति को अक्सर 'Roommate Phase' कहा जाता है.

यह जरूरी नहीं कि इसका मतलब रिश्ता खत्म होने की ओर है. कई बार लंबे समय तक साथ रहने, जिम्मेदारियों के बढ़ने या लगातार व्यस्त रहने से भावनात्मक दूरी चुपचाप बढ़ जाती है. अच्छी बात यह है कि इसे पहचान लिया जाए, तो रिश्ते में दोबारा अपनापन लाने की कोशिश की जा सकती है.

क्या होता है 'Roommate Phase'?

रिश्ते में 'Roommate Phase' वह स्थिति है जब कपल एक साथ रहते हुए भी भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से कटने लगते हैं. घर, खर्च, काम और जिम्मेदारियां साझा होती हैं, लेकिन बातचीत, प्यार और निजी समय कम हो जाता है.

अगर आपकी बातचीत ज्यादातर घर के काम, पैसों, बच्चों, ऑफिस या रोजमर्रा की जिम्मेदारियों तक सीमित हो गई है, तो यह एक संकेत हो सकता है. पहले दिनभर की छोटी-बड़ी बातें साझा करने की इच्छा होती थी, लेकिन अब सामने वाला कुछ बताए भी तो ध्यान देने का मन नहीं करता. रिश्ते में बातचीत की मात्रा से ज्यादा उसकी गुणवत्ता मायने रखती है. दस मिनट की सच्ची बातचीत कई बार पूरे दिन की औपचारिक बातों से ज्यादा करीब ला सकती है.

साथ में समय है, लेकिन जुड़ाव नहीं

कई कपल एक ही कमरे में बैठकर घंटों फोन चलाते रहते हैं. टीवी चलता रहता है, खाना भी साथ खाया जाता है, लेकिन दोनों के बीच वास्तविक संवाद नहीं होता इसे केवल व्यस्तता समझकर छोड़ देना आसान है. अगर आपको याद ही नहीं कि आखिरी बार आपने बिना किसी काम के एक-दूसरे के साथ कब समय बिताया था, तो यह रुककर सोचने का समय हो सकता है.

छोटी बातों में दिलचस्पी खत्म होना

रिश्ते की शुरुआत में पार्टनर की छोटी-सी पसंद भी खास लगती है. समय बीतने के साथ यह स्वाभाविक रूप से कम हो सकती है, लेकिन अगर सामने वाले के दिन, परेशानी, खुशी या योजनाओं से आपको लगातार कोई फर्क नहीं पड़ता, तो भावनात्मक दूरी बढ़ने का संकेत हो सकता है. इसी तरह तारीफ, प्यार भरे मैसेज, गले लगना या बिना वजह पास बैठना भी कम हो जाए, तो रिश्ते में अपनापन कमजोर महसूस हो सकता है।

70 फीट की ऊंचाई से गिरता झरना, बारिश में और खूबसूरत हुआ हजारीबाग का सिकरी फॉल

बारिश के मौसम में हजारीबाग का सिकरी नाला झरना सैलानियों को आकर्षित कर रहा है. ईचाक प्रखंड के बभनी गांव में स्थित यह झरना करीब 65 से 70 फीट की ऊंचाई से गिरता है. चारों तरफ हरियाली और पहाड़ियों के बीच गिरता पानी लोगों को खूब पसंद आ रहा है. यहां लोग पिकनिक मनाने और घूमने पहुंच रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि सुविधाएं बढ़ाई जाएं तो यह प्रमुख पर्यटन स्थल बन सकता है.

हजारीबाग: झारखंड की खूबसूरती की बात हो तो यहां के जंगल, पहाड़ और झरने सबसे पहले याद आते हैं. खासकर बारिश के मौसम में इनकी खूबसूरती और बढ़ जाती है. हर तरफ हरियाली नजर आती है. पहाड़ों से पानी की धाराएं गिरने लगती हैं. ऐसा ही एक खूबसूरत नजारा इन दिनों हजारीबाग के ईचाक प्रखंड में देखने को मिल रहा है. ईचाक प्रखंड की डाढ़ा पंचायत के बभनी गांव के बांका मोहल्ले में सिकरी झरना है. बारिश के बाद यह झरना पूरी तरह जीवंत हो उठा है. करीब 65 से 70 फीट की ऊंचाई से गिरता पानी लोगों को अपनी ओर खींच रहा है.

झरने के आसपास का नजारा भी बेहद खूबसूरत है. चारों तरफ हरियाली है. पहाड़ियों के बीच गिरता पानी किसी तस्वीर जैसा लगता है. झरने की आवाज और ठंडी हवा यहां आने वाले लोगों को सुकून देती है. इन दिनों यहां बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं. कई लोग परिवार और दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने आते हैं. कुछ लोग झरने के नीचे गिरते पानी में स्नान का आनंद लेते हैं. युवा मोबाइल से फोटो और वीडियो बनाते नजर आते हैं. बारिश के मौसम में यह जगह खास तौर पर लोगों को पसंद आ रही है.

खूबसूरत नजारा

सिकरी झरना हजारीबाग जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर है. हालांकि यहां पहुंचने का रास्ता थोड़ा चुनौतीपूर्ण है. सड़क की स्थिति बेहतर होने की जरूरत है. लेकिन रास्ते की परेशानी झेलकर जब लोग झरने तक पहुंचते हैं, तो वहां का खूबसूरत नजारा उनकी सारी थकान दूर कर देता है.स्थानीय लोगों का कहना है कि सिकरी झरने में पर्यटन की काफी संभावनाएं हैं. अगर प्रशासन यहां सड़क, बैठने की जगह और दूसरी जरूरी सुविधाएं विकसित करे, तो यह हजारीबाग का प्रमुख पर्यटन स्थल बन सकता है.

बारिश की बूंदों के बीच...

ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन इस प्राकृतिक जगह के विकास पर ध्यान देगा. इससे यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी. स्थानीय लोगों को भी रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं. फिलहाल सिकरी झरना प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी खूबसूरत तोहफे से कम नहीं है. बारिश की बूंदों के बीच पहाड़ से गिरता पानी और चारों तरफ फैली हरियाली इस जगह को खास बना देती है।

1 महीने में 13 पेनकिलर खाने से दोनों किडनी खराब, करवाना पड़ा ट्रांसप्लांट, कहीं आप तो नहीं कर रहे ये गलती

पेनकिलर जिसे आप दर्द से राहत दिलाने वाली दवा के रूप में जानते हैं, गलत तरीके से खाने पर आपको जीवन भर का दर्द भी दे सकती है. हाल ही में एक युवक की दोनों किडनी पेनकिलर खाने से खराब हो गयी. ऐसे में यदि आप भी अक्सर पेनकिलर खाते हैं तो इसके नुकसान के बारे में यहां जान लिजिए.

आज के समय में लोग अपनी सेहत को लेकर भले ही बहुत जागरूक नहीं हो लेकिन उन्हें अपनी छोटी-छोटी बीमारियों या तकलीफ का इलाज जरूर मालूम है. सिरदर्द हो या फिर कमर दर्द, जोड़ों में दर्द या बुखार लोग अब डॉक्टर के पास नहीं जाते पहले वो अपनी समझ से दवा खाना ज्यादा उचित समझते हैं. पेनकिलर तो लोग ऐसे खाते हैं, जैसे कोई टॉफी. शायद यही गलती 31 साल के नंदराम से भी हुई. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 1 महीने में 13 पेनकिलर खाने से युवक की दोनो किडनी खराब हो गयी जिसके बाद इंदौर में ट्रांसप्लांट किया गया.

बहुत से लोग बिना डॉक्टर की सलाह के बिना पेनकिलर ले लेते हैं. यह आदत आम लग सकती है, लेकिन जरूरत से ज्यादा या गलत तरीके से पेनकिलर का इस्तेमाल गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है. ज्यादातर लोग नहीं जानते कि पेनकिलर अस्थायी रूप से दर्द से राहत तो देती हैं, लेकिन इनका बार-बार सेवन शरीर के महत्वपूर्ण अंगों पर असर डाल सकता है. खासकर किडनी और लिवर पर इसका प्रभाव अधिक देखा जाता है।

बच्चा सोते समय अचानक मुस्कुराए, रोए या आवाज निकाले तो क्या मतलब? Newborn Sleep का रहस्य

नवजात का नींद में मुस्कुराना, होंठ हिलाना, हल्की आवाज निकालना या कुछ पल रोना कई बार सामान्य sleep pattern का हिस्सा हो सकता है. हालांकि सांस में परेशानी, नीला पड़ना या असामान्य झटके जैसे संकेत दिखें तो डॉक्टर से सलाह जरूरी है.

नवजात बच्चा सो रहा हो और अचानक उसके चेहरे पर मुस्कान आ जाए, होंठ हिलने लगें या वह एकदम से हल्की आवाज निकाल दे, तो माता-पिता का ध्यान तुरंत उसकी तरफ जाता है. कई बार बच्चा नींद में रोने जैसा चेहरा बनाता है और कुछ सेकंड बाद फिर शांत होकर सो जाता है. ऐसे पल नए माता-पिता के लिए हैरान करने वाले होते हैं. मन में सवाल आता है कि आखिर बच्चा सपने में क्या देख रहा है? क्या उसे कोई परेशानी हो रही है या यह सामान्य है? दरअसल, नवजात शिशुओं की नींद बड़ों से काफी अलग होती है.

उनके सोने का पैटर्न अभी विकसित हो रहा होता है और नींद के दौरान चेहरे के भाव, हाथ-पैरों की हलचल और छोटी आवाजें सुनाई देना आम बात हो सकती है. हर मुस्कान या आवाज किसी खास सपने का संकेत हो, यह जरूरी नहीं है.

Newborn Sleep बड़ों से कैसे अलग है?

नवजात शिशु दिन और रात के बीच अंतर को तुरंत नहीं समझ पाते. शुरुआती हफ्तों में उनकी नींद छोटे-छोटे हिस्सों में बंटी रहती है. वे कुछ समय सोते हैं, फिर दूध के लिए जागते हैं और दोबारा सो जाते हैं.

नींद में मुस्कुराना क्यों होता है?

कई माता-पिता बच्चे की नींद में मुस्कान देखकर सोचते हैं कि वह कोई प्यारा सपना देख रहा है. हालांकि, हर बार ऐसा मानना सही नहीं होगा. नवजात अवस्था में मुस्कान कई बार नींद के दौरान होने वाली सामान्य चेहरे की गतिविधियों का हिस्सा होती है. सोते समय बच्चा अचानक मुस्कुरा सकता है, भौंहें सिकोड़ सकता है या होंठ हिला सकता है. ये गतिविधियां उसके विकसित होते तंत्रिका तंत्र और नींद के अलग-अलग चरणों से जुड़ी हो सकती हैं.

बच्चा नींद में आवाज क्यों निकालता है?

नवजात बच्चे सोते हुए कई तरह की आवाजें निकाल सकते हैं. कभी हल्की-सी गुनगुनाहट जैसी आवाज आती है, कभी बच्चा कराहता हुआ लगता है तो कभी अचानक कुछ सेकंड के लिए रोने जैसी आवाज निकाल देता है.

हर आवाज का मतलब परेशानी नहीं

सोते समय बच्चे का शरीर पूरी तरह शांत नहीं रहता. उसकी सांस लेने की गति भी कभी तेज तो कभी धीमी महसूस हो सकती है. चेहरे पर अलग-अलग भाव आना और छोटी आवाजें निकालना भी इसी दौरान दिखाई दे सकता है. ऐसे में हर छोटी आवाज पर बच्चे को तुरंत उठाने की जरूरत नहीं होती. अगर वह आराम से सांस ले रहा है और कुछ ही देर में फिर शांत हो जाता है, तो कुछ क्षण उसे देखकर स्थिति समझी जा सकती है.

नींद में अचानक रोने पर क्या करें?

अगर बच्चा नींद में अचानक रोने लगे, तो पहले देखें कि वह वास्तव में जागा है या अभी सो ही रहा है. कई बार बच्चा कुछ सेकंड रोने के बाद खुद शांत होकर दोबारा सो जाता है. अगर बच्चा लगातार रो रहा है, तो भूख, गीला डायपर, ज्यादा गर्मी या ठंड जैसी सामान्य जरूरतों को जांचें. बच्चे को धीरे से सहलाना और शांत आवाज में बात करना भी मददगार हो सकता है.

किन संकेतों पर ध्यान देना जरूरी है?

अगर नींद के दौरान बच्चे को सांस लेने में स्पष्ट परेशानी दिखे, होंठ या चेहरा नीला पड़े, बार-बार असामान्य तरीके से झटके आएं या बच्चा लंबे समय तक असामान्य रूप से सुस्त रहे, तो इसे सामान्य नींद की गतिविधि मानकर नजरअंदाज न करें।

बारिश में साइकिल को नहीं लगेगी जंग, सुल्तानपुर के मैकेनिक ने बताए 8 तरीके

बारिश में साइकिल को जंग से बचाना आसान नहीं. जंग लगने से साइकिल की रफ्तार धीमी पड़ जाती है और कई बार पुर्जे तक खराब हो जाते हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा. आज हम आपको ऐसा तरीका बताएंगे, जो जंग को साइकिल के आसपास फटकने नहीं देगा. लोकल 18 से सुल्तानपुर में साइकिल बनाने वाले राजकुमार विश्वकर्मा बताते हैं कि बारिश के बाद समय पर सफाई करना जंग से बचाव का सबसे आसान उपाय है. बाहर से आने के बाद चेन पूरी तरह सूखने पर लुब्रिकेंट लगाएं. बहुत ज्यादा तेल डालने से बचें, क्योंकि अतिरिक्त तेल पर धूल और मिट्टी जल्दी चिपकती है.

बारिश में साइकिल चलाने से चेन पर पानी के साथ मिट्टी और गंदगी भी चिपक जाती है. अगर इसे साफ किए बिना छोड़ दिया जाए तो चेन में जंग लगने के साथ उसकी चाल भी भारी हो सकती है. इसलिए पहले सूखे कपड़े या मुलायम ब्रुश से चेन की गंदगी साफ करें. इसके बाद चेन पूरी तरह सूखने पर साइकिल के लिए इस्तेमाल होने वाला चेन लुब्रिकेंट लगाएं. बहुत ज्यादा तेल डालने से बचें, क्योंकि अतिरिक्त तेल पर धूल और मिट्टी जल्दी चिपकती है.

साइकिल को कुछ देर खुली और हवादार जगह पर रखें, ताकि अंदर मौजूद नमी भी सूख सके. लोकल 18 से सुल्तानपुर में साइकिल बनाने वाले राजकुमार विश्वकर्मा बताते हैं कि बारिश के बाद समय पर सफाई करना जंग से बचाव का सबसे आसान उपाय है. इस बात का ध्यान रखें कि जब भी बारिश के मौसम में आप साइकिल चलाकर बाहर से आ रहे हैं तो उसको साफ कर दें क्योंकि मिट्टी साइकिल में लगने की वजह से जंग लग जाता है.

चेन कवर और पैडल ऐसे हिस्से हैं जिन पर बारिश का पानी आसानी से जमा हो सकता है. खासतौर पर चेन कवर के अंदर पानी और मिट्टी पहुंच जाने पर वहां नमी लंबे समय तक बनी रह सकती है. इससे चेन और आसपास के धातु वाले हिस्सों में जंग लगने का खतरा बढ़ जाता है।

सिर्फ 2 दिन की छुट्टी में घूम आएं भारत की ये 5 खूबसूरत जगहें, वीकेंड ट्रिप होगी यादगार

अगर आपके पास वीकेंड पर सिर्फ़ दो दिन हैं, तो आप भारत की कुछ खूबसूरत जगहों पर घूमने जा सकते हैं. सही प्लानिंग के साथ, आप कम समय में भी प्रकृति, इतिहास और एडवेंचर का मज़ा ले सकते हैं. आइए जानते हैं भारत की 5 ऐसी जगहों के बारे में...

हर किसी को लंबी छुट्टी नहीं मिल पाती, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने घूमने-फिरने के प्लान को टाल दें. अगर आपके पास वीकेंड पर सिर्फ़ दो दिन भी हैं, तो भी आप आसानी से दिल्ली-हृष्टक्र और उसके आस-पास की कई खूबसूरत जगहों पर घूम सकते हैं. सही प्लानिंग के साथ, आप कम समय में भी प्रकृति, इतिहास और एडवेंचर का मज़ा ले सकते हैं. आइए भारत की ऐसी 5 जगहों के बारे में जानते हैं जो वीकेंड ट्रिप के लिए एकदम सही हैं...

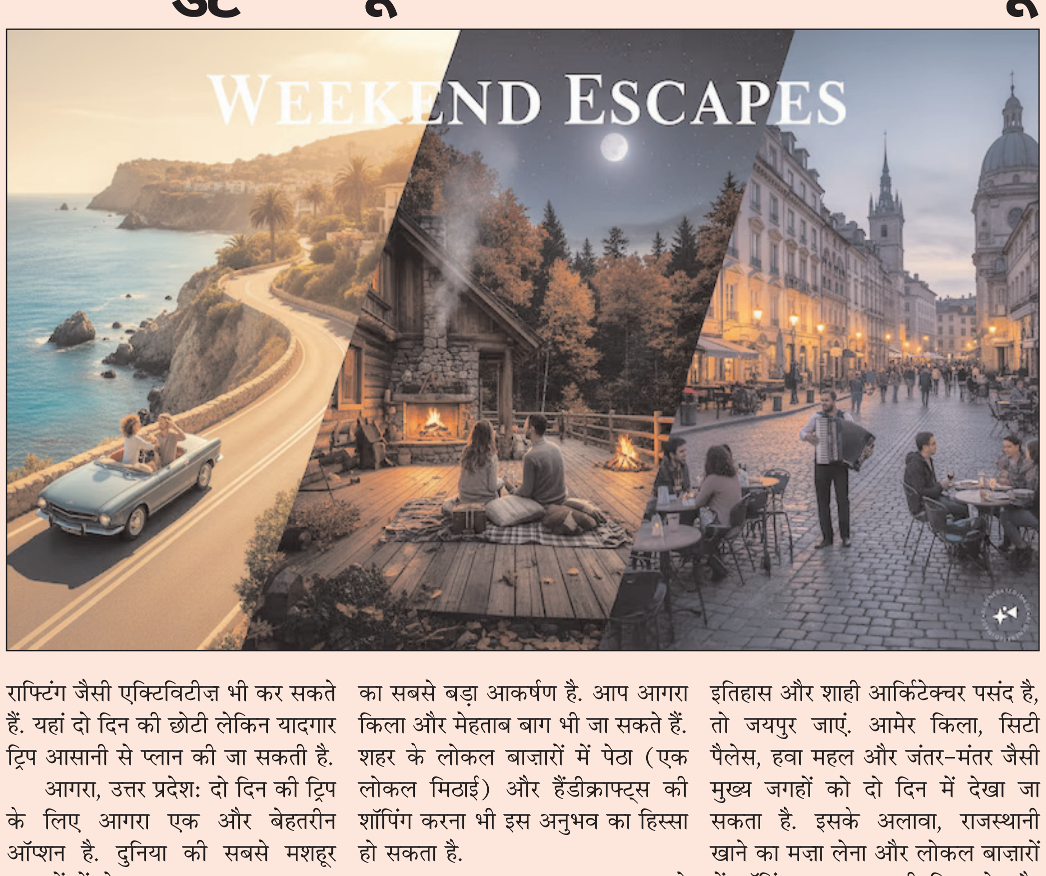

ऋषिकेश, उत्तराखंड: एडवेंचर और नेचर पसंद करने वालों के लिए ऋषिकेश एक शानदार जगह है. यहां आप गंगा किनारे टहल सकते हैं और लक्ष्मण झूला इलाका, कई आश्रम और आस-पास की खूबसूरत जगहों को देख सकते हैं. अगर मौसम और समय ठीक हो, तो आप रिवर राफ्टिंग जैसी एक्टिविटीज़ भी कर सकते हैं. यहां दो दिन की छोटी लेकिन यादगार ट्रिप आसानी से प्लान की जा सकती है.

आगरा, उत्तर प्रदेश: दो दिन की ट्रिप के लिए आगरा एक और बेहतरीन ऑप्शन है. दुनिया की सबसे मशहूर इमारतों में से एक, ताजमहल, इस शहर का सबसे बड़ा आकर्षण है. आप आगरा किला और मेहताब बाग भी जा सकते हैं. शहर के लोकल बाज़ारों में पेठा (एक लोकल मिठाई) और हैंडीक्राफ्ट्स की शॉपिंग करना भी इस अनुभव का हिस्सा हो सकता है.

जयपुर, राजस्थान : अगर आपको इतिहास और शाही आर्किटेक्चर पसंद है, तो जयपुर जाएं. आमेर किला, सिटी पैलेस, हवा महल और जंतर-मंतर जैसी मुख्य जगहों को दो दिन में देखा जा सकता है. इसके अलावा, राजस्थानी खाने का मज़ा लेना और लोकल बाज़ारों में शॉपिंग करना आपकी ट्रिप को और भी खास बना सकता है.

मसूरी, उत्तराखंड : अगर आपको पहाड़ों की हरियाली पसंद है, तो आप मसूरी जा सकते हैं. आप मॉल रोड, गन हिल, कैमल्स बैक रोड और आस-पास की कई खूबसूरत जगहों को देख सकते हैं. मानसून के मौसम में पहाड़ खास तौर पर खूबसूरत और हरे-भरे दिखते हैं, लेकिन यात्रा करने से पहले मौसम और सड़क की हालत ज़रूर देख लें.

अमृतसर, पंजाब : अगर आप ऐसी ट्रिप चाहते हैं जिसमें आध्यात्मिकता और इतिहास दोनों हों, तो अमृतसर एक बढ़िया विकल्प है. गोल्डन टेम्पल की सुंदरता और शांत माहौल मन को शांति देते हैं. आप जलियांवाला बाग और वाघा-अटारी बॉर्डर भी जा सकते हैं. लोकल पंजाबी खाना आपकी ट्रिप का मज़ा और बढ़ा देगा.

दो दिन की ट्रिप के लिए सबसे ज़रूरी बात यह है कि एक ही बार में बहुत सारी जगहों पर जाने की कोशिश न करें. अपने होटल और यात्रा के टिकट पहले से बुक कर लें, और मुख्य आकर्षणों के खुलने-बंद होने का समय ज़रूर देख लें. मौसम के हिसाब से अपने कपड़े और ज़रूरी सामान पैक करें।

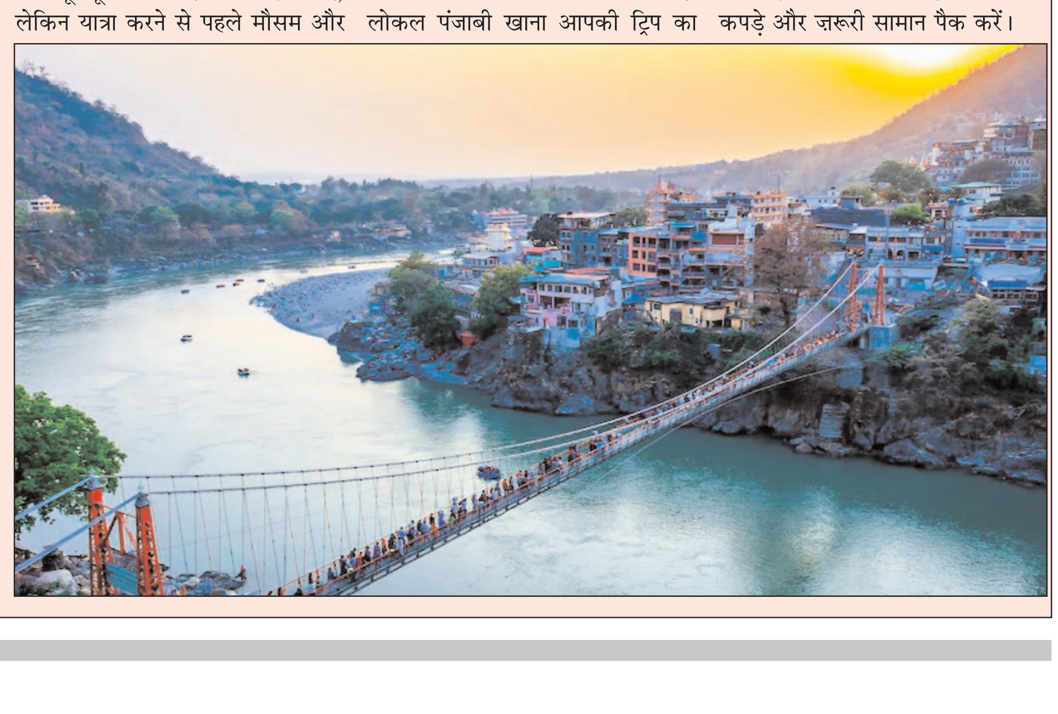

'हिप-हॉप और कमर्शियल के बीच की लाइन काफी अब धुंधली हो गई है': एमसी स्क्वायर

मुंबई। मशहूर रैपर एमसी स्क्वायर इन दिनों रैप शो 'हसल सीजन 5' में मेंटर के तौर पर नजर आ रहे हैं। उनका मानना है कि मेनस्ट्रीम और अंडरग्राउंड म्यूजिक (मुख्यधारा से हटकर) के बीच की लाइन अब धुंधली हो गई है और अब दर्शक हर तरह के म्यूजिक को पसंद कर रहे हैं।

> "कला एक ऐसी चीज है, जो अगर चार पैसे कमा ले तो उसे कमर्शियल कह दिया जाता है। मैं कमर्शियल की इस परिभाषा को नहीं मानता कि किसी खास तरह का म्यूजिक कमर्शियल है।"
> – एमसी स्क्वायर

अंडरग्राउंड ही बन गया है मेनस्ट्रीम

एमसी स्क्वायर ने बताया कि किसी गाने को उसकी लोकप्रियता या कमाई के आधार पर कमर्शियल नहीं कहा जा सकता क्योंकि अब अंडरग्राउंड म्यूजिक ही मेनस्ट्रीम बन गया है। जब एमसी स्क्वायर से पूछा गया किय क्या 'एमटीवी हसल' अभी भी एक खास वर्ग के लिए है, क्योंकि ज्यादातर लोग हिप-हॉप से ज्यादा कमर्शियल म्यूजिक सुनना पसंद करते हैं।

सभी के लिए है ये शो

एमसी स्क्वायर ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, "मुझे लगता है कि कला एक ऐसी चीज है, जो अगर चार पैसे कमा ले तो उसे कमर्शियल कह दिया जाता है। मैं कमर्शियल की इस परिभाषा को नहीं मानता कि किसी खास तरह का म्यूजिक कमर्शियल है।"

अंडरग्राउंड भी हुआ मेनस्ट्रीम

एमसी स्क्वायर ने आगे कहा, "आजकल आपने देखा होगा कि अंडरग्राउंड म्यूजिक भी मेनस्ट्रीम म्यूजिक बन गया है। हमारे सामने ऐसे कई उदाहरण हैं। हमारे खुद के गानों में भी ऐसे कई उदाहरण हैं। तो ऐसा कुछ नहीं है कि ये किसी खास ऑडियंस के लिए है।"

कला सबके लिए

उन्होंने कहा, "आपको कई बातें सुनने को मिलती हैं, कुछ अच्छी होती हैं, तो कुछ से सीखने को मिलता है और यह सभी के लिए होता है न की किसी खास वर्ग के लिए।"

सुनिधि चौहान के करियर की हीरो निकलीं तबस्सुम, केबीसी में गायिका ने किया खुलासा

विश्व केसरी

मुंबई । गायिका सुनिधि चौहान आज मनोरंजन जगत का जाना-माना नाम है, लेकिन उनके करियर के शुरुआती सफर में अभिनेत्री तबस्सुम ने अहम रोल निभाया था। इस बात का खुलासा खुद सुनिधि चौहान ने क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में किया।

क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति-18' के आगामी एपिसोड में सुनिधि चौहान मशहूर गीतकार प्रसून जोशी के साथ नजर आएंगी, जिसमें उन्होंने बताया कि तबस्सुम ही उन्हें मुंबई लेकर आई थी और दिग्गज कंपोजर कल्याणजी से मिलवाया।

गायिका ने अपने सफर की बात करते हुए बताया कि जब वह सिर्फ चार साल की थीं, तब सिंगिंग एक पैशन के तौर पर शुरू किया और धीरे-धीरे यह उनका प्रोफेशन बन गया। उन्होंने कहा, 'जब मैं चार साल की थी, तब से सिंगिंग मेरे लिए सिर्फ एक पैशन था। मुझे पता भी नहीं चला कि यह कब प्रोफेशन बन गया।'

फिर सुनिधि ने उस मुलाकात को याद किया, जिसने उनकी जिंदगी का रास्ता बदल दिया। उन्होंने कहा, 'एक शो में तबस्सुम जी आई थीं, तो मुझे तबस्सुम जी ने सुना। उन्होंने कहा तुम मुंबई आओ।'

शुरुआती मुश्किल दिनों को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि तबस्सुम ने उन्हें घर बुलाया, उनसे गाना सुना और बाद में उन्हें कल्याणजी-आनंदजी के पास ले गईं, जिनके साथ उनके बहुत करीबी रिश्ते थे। सुनिधि ने याद करते हुए कहा, 'शुरुआत के वो बहुत ही मुश्किलों से भरे दिन हुआ करते थे।'

उन्होंने आगे बताया कि कल्याणजी ने उनके कई गाने सुने। उन्होंने कहा, 'कल्याणजी अंकल ने एक गाना नहीं, आधा-पौना घंटा मेरे बहुत सारे गाने सुने।'

सुनिधि ने बताया कि गाने सुनने के बाद कल्याणजी ने उनसे कहा कि अब वह दिल्ली वापस नहीं जाएंगी।

इस एपिसोड में एक खास म्यूजिकल पल भी देखने को मिला, जब सुनिधि ने अमिताभ बच्चन से 'रंग बरसे' गाने की कुछ लाइनें गाने की रिक्वेस्ट की।

बिग बी ने उनकी बात मान ली और ये मशहूर गाना गाया और सुनिधि ने उनके साथ सुर मिलाए, जिससे पूरा स्टूडियो एक जश्न में बदल गया।

'हमारी अधूरी कहानी' शूट करते वक्त टूटे हुए थे इमरान, पत्नी परवीन ने बताई पीछे की कहानी

मुंबई। रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'हमारी अधूरी कहानी' में अभिनेता इमरान हाशमी ने बेहतरीन अभिनय से अपनी रूढ़िवादी छवि को तोड़कर एक गंभीर, संवेदनशील और परिपक्व रोमांटिक अभिनेता के रूप में खुद को स्थापित किया है। शनिवार को अभिनेता की पत्नी परवीन ने खुलासा किया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान अभिनेता जिंदगी के संघर्ष से गुजर रहे थे।

अभिनेता की पत्नी परवीन हाशमी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का टाइटल ट्रेक पोस्ट किया। परवीन ने अपनी इस पोस्ट के जरिए बताया कि शूटिंग के समय ही उनके बेटे अयान का कैंसर ट्रीटमेंट चल रहा था। शूटिंग के कारण इमरान को परवीन और बेटे को छोड़कर आना पड़ा था। परवीन ने लिखा, ''हमारी अधूरी कहानी' का समय मुझे अच्छे से याद है, जब इमी (इमरान) को फिल्म शूटिंग के लिए जाना पड़ा था। ये उनकी सबसे इमोशनल फिल्मों में से एक है। शूटिंग के समय हमारे बेटे अयान अपना कैंसर ट्रीटमेंट करवा रहा था और इमी को 'हमारी अधूरी कहानी' शूट करने के लिए जाना पड़ा। मुझे पता है कि ऑफ-स्क्रीन वो अपने दिल में क्या लेकर चल रहे थे। परवीन ने अपनी बात खत्म करते हुए बताया कि कभी कभी स्क्रीन पर जो इमोशन दिखते हैं, वे इंसान के असली भी होते हैं। उन्होंने लिखा, 'कभी-कभी जो आंसू आप स्क्रीन पर देखते हैं, वो एक बहुत ही सच्ची जगह से आते हैं।'

भारतीय हिंदी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'हमारी अधूरी कहानी' का निर्देशन मोहित सूरी ने किया था और निर्माण महेश भट्ट ने किया था। कहा जाता है कि यह फिल्म निर्देशक महेश भट्ट के माता-पिता (नानाभाई भट्ट और शिरीन मोहम्मद अली) और उनकी सौतेली मां के वास्तविक जीवन के प्रेम पर आधारित है।

डिंपी के ट्रांसफॉर्मेशन पर बोलीं हर्षिता गौर, 'अब इमोशनली समझदार और मेंटली स्ट्रॉन्ग हूं'

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है।

अभिनेत्री ने आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है।

उन्होंने आगे कहा, 'वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है।'

अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।'

अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं।

मीडिया ने अभिनेत्री से सवाल किया, 'शो की पॉपुलैरिटी के साथ-साथ, वॉयलेंस और अब्यूसिव लैंग्वेज को लेकर भी क्रिटिसिज्म हुआ है। आपके अनुसार, क्या मिर्जापुर समाज की असलियत को दिखाता है, या यह कभी-कभी वायलेंस को सेंसेशनल बनाता है?

इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री हर्षिता गौर ने कहा, 'असल दुनिया फिक्शन को इंस्पायर करती है और कभी-कभी फिक्शन भी असल दुनिया को दिखाता है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह किसी चीज को सेंसेशनल बनाने के बारे में है।

रसिका दुग्गल ने शेयर किया मेलबर्न का अनुभव, कहा- रेखा के साथ 'उमराव जान' देखना रहा यादगार

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने भारतीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2026 में 'बेस्ट एक्ट्रेस (सीरीज)' का पुरस्कार जीतकर नया कीर्तिमान हासिल किया है। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी मेलबर्न जर्नी के बारे में बताया।

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने इंस्टाग्राम पर मेलबर्न फिल्म फेस्टिव की कुछ झलकियां शेयर कीं। इसमें उनके साथ अभिनेत्री रेखा, रानी मुखर्जी और अभिनेता विजय शामिल हैं। इसके साथ ही स्टेज पर पुरस्कार लेते हुए भी तस्वीर नजर आ रही है।

अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट के जरिए फिल्म फेस्टिवल में यादगार पलों के बारे में बताया। साथ ही, क्लासिक उमराव जान देखने के अनुभव को याद किया और रानी मुखर्जी के बारे में एक इमोशनल किस्सा शेयर किया। लिखा, 'लंबी फ्लाइट्स, एक के बाद एक इवेंट्स जल्दी-जल्दी में किया गया मेकअप, मेरा कैमरा खुद कहता है कि अपना लेंस साफ करो और हेडफोन कभी मिलता ही नहीं। इन सबके बावजूद मुझे हैरान होती है कि मैं हमेशा आईएफएफएम से इंसपायर्ड होकर लौटती हूं। मुझे एहसास होता है कि पागलपन भरी जिंदगी वाकई में जीने लायक है।

अभिनेत्री ने आगे फिल्म प्रोड्यूसर मिटू भौमिक लांगे और स्टाइलिश नताशा समेत पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। साथ ही, बताया कि अभिनेत्री रेखा कि फिल्म उमराव का असर आज भी बरकरार है। उन्होंने लिखा, 'रेखा जी और ऐसी ऑडियंस के साथ फिल्म उमराव जान देखना, जो फिल्म के डायलॉग पूरे कर रही थी और गानों के साथ गा रही थी। एक फिल्म का 45 साल बाद भी ऐसा असर हो सकता है। अभिनेत्री ने आगे रानी मुखर्जी की कहानी के बारे में बताते हुए लिखा, 'रानी मुखर्जी को स्कूल के एक नाटक में शकुंतला के रोल के लिए कास्ट न होने की एक खूबसूरत कहानी सुनाते हुए सुनना - जिससे मैं पूरी तरह से जुड़ पाई। पता चला हम सबकी एक शकुंतला वाली कहानी है और जाहिर है, दिल्ली क्राइम सीरीज के लिए अवॉर्ड जीतना भी मेरे लिए खास था।

प्यार के एक नजरिए को दिखाता है 'रात कालिया' सॉन्ग: शहजान पद्मसी

मुंबई। दक्षिण भारतीय अभिनेत्री शहजान पद्मसी ने गाना 'रात कालिया' से गायिकी में डेब्यू किया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि गायन को लेकर वे पहले से पैशनेट थीं, लेकिन एक्टिंग के लिए फिल्मों के ऑफर आने लगे, जिससे ये सपना पीछे रह गया।

डेब्यू सॉन्ग 'रात कालिया'

एक्टिंग का सफर अचानक शुरू हुआ

अभिनेत्री ने बताया, "एक्टिंग का सफर अचिन से शुरू हुआ और मुझे काम करते वक्त काफी मजा भी आ रहा था। फिर, एक के बाद बहुत सारे प्रोजेक्ट हाथ में आने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे मैं लहर पर सर्फिंग कर रही हूं।"

मां के साथ शुरू किया म्यूजिक का सफर

शहजान पद्मसी कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 2' में पारूल नाम के किरदार में नजर आई थी। इसके बाद उन्हें लगा कि अब उन्हें थोड़ी क्रिएटिविटी की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, "मेरे अंदर एक दूसरा पहलू भी था, जिसे मैं देखना चाहती थी, तो मैंने सोचा कि चलो उस रास्ते पर चलते हैं। मेरी मां, शेरोन प्रभाकर, इंडिया की पहली पॉप स्टार्स में से एक हैं। तो मैंने मॉम के साथ म्यूजिक में आगे बढ़ने का फैसला किया। हम दोनों घंटों तक साथ में

सॉन्ग की खास बातें

- यह एक लव सॉन्ग है, जो प्यार के नजरिए को दिखाता है।
- किसी रिश्ते की शुरूआत में इंसान एक दूसरे पर डिपेंडेंट होता है, कुछ वैसा ही।
- एक परिपक्व और बदले हुए प्यार के सफर को दर्शाता है यह गाना।

अभिनेत्री ने बताया, 'एक्टिंग का सफर अचानक से शुरू हुआ और मुझे काम करते वक्त काफी मजा भी आ रहा था। फिर, एक के बाद बहुत सारे प्रोजेक्ट हाथ में आने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे मैं लहर पर सर्फिंग कर रही हूं।

शहजान पद्मसी कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 2' में पारुल नाम के किरदार में नजर आई थी। अभिनेत्री का मानना है कि इस फिल्म में काम करने के बाद ही उन्हें एहसास हुआ कि अब उन्हें थोड़ी क्रिएटिविटी की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर एक दूसरा पहलू भी था, जिसे मैं देखना चाहती थी, तो मैंने सोचा कि चलो उस रास्ते पर चलते हैं। मेरी मां, शेरोन प्रभाकर, इंडिया की पहली पॉप स्टार्स में से एक हैं। तो मैंने मॉम के साथ म्यूजिक में आगे बढ़ने का फैसला किया। हम दोनों घंटों तक साथ में रियाज करते थे।

अभिनेत्री ने अपनी मां का शुक्रिया अदा करते हुए बताया कि वे उनकी वजह से शहजान पद्मसी को बाहर क्लास लेने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने कहा, 'मां की शिक्षिका बनना मुझे काफी अच्छा लगा। क्योंकि बेशक हम सब दिल से ही काम करते हैं, लेकिन मैंने सच में समय लिया और खुद से कहा कि अगर मुझे इस प्रोफेशन को सीरियसली लेना है, तो अपने हुनर पर काम करना होगा। पहले अपना हुनर पक्का करना होगा। प्रैक्टिस करना बहुत जरूरी है, और मुझे प्रैक्टिस की इस पूरी प्रोसेस से प्यार हो गया।'

अभिनेत्री ने आगे गाना 'रात कालिया' के बार में भी बताया। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि यह एक लव सॉन्ग है, जो प्यार के नजरिए को दिखाता है। जैसे किसी भी रिश्ते के शुरुआत में इंसान एक दूसरे पर डिपेंडेंट होता है, कुछ वैसा ही। इसमें मेरे बहुत सारे ख्याल हैं, जिसमें मैं घंटों बात कर सकती हूं क्योंकि ये बहुत इंटरेस्टिंग है। जब भी मैं अपने दोस्तों से इस बारे में बात करती हूं, तो वो भी कहते हैं कि उन्होंने भी ऐसा ही महसूस किया है। वो कहते हैं, 'हां, मेरे साथ भी ऐसा हुआ है, मैं पहले बहुत डिपेंडेंट थी। मैं एक इंसान पर झुक जाती थी और अब मैं बहुत बदल गई हूं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर आईआरआईजीसी-टीईसी के 27वें सत्र की करेंगे सह-अध्यक्षता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर 23 और 24 अगस्त को रूस के आधिकारिक दौरे पर होंगे। इस दौरान आईआरआईजीसी-टीईसी के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे और अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ मुलाकात भी प्रस्तावित है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शनिवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। इसके अनुसार, विदेश मंत्री 23-24 अगस्त को रूसी संघ के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के निमंत्रण पर रूस की आधिकारिक यात्रा करेंगे। वे व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे।

इसमें आगे कहा गया है कि इस यात्रा के दौरान, जयशंकर रूसी संघ के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मिलेंगे और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जुलाई 2026 में फिलीपींस की राजधानी मनीला में आसियान बैठकों के दौरान रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की थी। बैठक का विवरण साझा करते हुए जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा, 'रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों की गहन समीक्षा की गई। क्षेत्र में भारतीय नाविकों की सुरक्षा के संबंध में हमने अपनी गहरी चिंता दोहराई।'

चर्चा में भारत-रूस साझेदारी के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया, जिनमें व्यापार और निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और गतिशीलता शामिल हैं। जयशंकर ने आगे कहा, 'हमने व्यापार और निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा गतिशीलता सहित हमारी साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। साथ ही यूक्रेन संघर्ष और खाड़ी देशों की स्थिति पर भी चर्चा की।'

एमईए के अनुसार, इंटर-गवर्नमेंटल कमीशन एक ऐसा सिस्टम है जो दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों में हुई प्रगति पर नियमित रूप से नजर रखता है। इसे मई 1992 में व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर इंटर-गवर्नमेंटल कमीशन के समझौते के तहत बनाया गया था।

ट्रंप ने अपनी वैश्विक टैरिफ नीति को बताया अमेरिका की खुशहाली

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी वैश्विक टैरिफ नीति को अमेरिका की खुशहाली का कारण बताया। उन्होंने कहा दावा किया है कि इन शुल्कों की वजह से अमेरिका समृद्ध हुआ है और विदेशी कंपनियां अपना मैन्युफैक्चरिंग कारोबार अमेरिका में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर हुई हैं।

साउथ कैरोलिना के मर्टल बीच में आयोजित एक रिपब्लिकन रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप ने टैरिफ को अपनी पसंदीदा नीतियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि इससे सरकार को राजस्व मिल रहा है और अमेरिकी लोगों के लिए नौकरियां पैदा हो रही हैं।

ट्रंप ने कहा कि यह मेरा सबसे पसंदीदा शब्द है। मुझे टैरिफ बहुत पसंद हैं। मुझे यह शब्द पसंद है। इसने हमें बेहद अमीर बना दिया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि टैरिफ की वजह से विदेशी कंपनियों के सामने साफ विकल्प होता है। या तो वे अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले सामान पर अतिरिक्त शुल्क चुकाएं या फिर उन उत्पादों का निर्माण अमेरिका के भीतर करें।

विदेशी वाहन निर्माताओं के साथ अपनी बातचीत का उदाहरण देते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं उनसे कहता हूं, 'आपको 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा।' वे कहते हैं, 'हम ऐसा नहीं कर सकते।' तब मैं कहता हूं, 'ठीक है, जरूरी नहीं है। अमेरिका आइए और अपनी कारें यहीं बनाइए।' ट्रंप के अनुसार, इस नीति की वजह से साउथ कैरोलिना और देश के अन्य हिस्सों में मैन्युफैक्चरिंग और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में रिकॉर्ड स्तर का निवेश आ रहा है।

उन्होंने दावा किया कि हमने 40 साल तक कोई नया कार कारखाना नहीं बनाया था। और अब हम अपने इतिहास में पहले से कहीं ज्यादा कार प्लांट और फैक्ट्रियां बना रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि इस समय अमेरिका में कुल 19.2 ट्रिलियन डॉलर का निवेश आ रहा है। हालांकि, उपलब्ध विवरण में इस आंकड़े का पूरा ब्योरा, निवेश करने वाली कंपनियों के नाम या समय अवधि की जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि अभी अमेरिका में 19.2 ट्रिलियन डॉलर का निवेश हो रहा है। किसी भी देश में किसी भी समय इतना निवेश नहीं हुआ है। ट्रंप ने इस निवेश को सीधे अमेरिका में बढ़ती नौकरियों से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि पूरे देश में सैकड़ों, और संभवतः हजारों, फैक्ट्रियां बनाई जा रही हैं।

संक्षिप्त खबर

अमेरिकी अदालत ने ट्रंप प्रशासन को 1.7 करोड़ कमर्शियल ड्राइवरों के संवेदनशील डेटा हासिल करने से रोका

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को 1.7 करोड़ से ज्यादा कमर्शियल ड्राइवरों की निजी जानकारी वाला डेटाबेस हासिल करने से रोक दिया है। जज ने इस पर अस्थायी रोक लगाई है। डेटाबेस में ड्राइवरों के सोशल सिक्योरिटी नंबर और ड्राइविंग लाइसेंस नंबर जैसी संवेदनशील जानकारी शामिल है। अदालत ने प्रशासन को अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ मोटर व्हीकल एडमिनिस्ट्रेटर्स की 10 मिलियन डॉलर से ज्यादा की फेडरल फंडिंग रोकने से भी मना किया है। वर्जीनिया के अटॉर्नी जनरल जय जोन्स और कई राज्यों के अटॉर्नी जनरल के एक समूह ने अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसपोर्टेशन, फेडरल मोटर कैरियर सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन और डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी की मांगों को चुनौती दी थी। वर्जीनिया के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने बताया कि कोर्ट के आदेश से ट्रांसपोर्टेशन डिपार्टमेंट को रिकॉर्ड हासिल करने से अस्थायी रूप से रोक दिया गया है और कानूनी कार्यवाही चलने तक होमलैंड सिक्योरिटी के समन पर भी रोक लगा दी गई है। जोन्स ने कहा, 'लाखों कमर्शियल ड्राइवरों की प्राइवेसी की सुरक्षा के लिए फेडरल कोर्ट का अस्थायी रोक का आदेश एक बड़ी जीत है।'

युद्ध के बीच ईरान ने बढ़ाई हथियार बनाने की रफ्तार, उत्पादन दोगुना करने का दावा

नई दिल्ली। ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल रजा तलाई-निक ने दावा किया है कि देश की रक्षा उत्पादन क्षमता मजबूत बनी हुई है। पिछले एक साल में हथियारों और सैन्य उपकरणों का उत्पादन दोगुना हुआ है। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के अनुसार, डिफेंस और आर्म्ड फोर्सेज लॉजिस्टिक्स मंत्रालय के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल रजा तलाई-निक ने कहा कि देश की ताकत को मजबूत करना उन विदेशी शक्तियों का मुकाबला करने के लिए जरूरी है जो ईरान की स्वतंत्रता को कमजोर करना चाहती हैं।

आईआरएनए के अनुसार, शुक्रवार देर रात एक साक्षात्कार में रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बल लॉजिस्टिक्स के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल रजा तलाई-निक ने कहा कि ईरान का रक्षा उद्योग राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्य तैयारियों का एक महत्वपूर्ण आधार बन गया है। उन्होंने बताया कि देश में बने हथियारों और गोला-बारूद का तेजी से उत्पादन और जरूरत पड़ने पर उनकी तुरंत भरपाई करने की क्षमता इस उद्योग की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। उन्होंने बताया कि ईरान की रक्षा उत्पादन क्षमता मैदान में हथियारों और सैन्य उपकरणों के इस्तेमाल के साथ-साथ लगातार काम करती रही है, जिससे जरूरत पड़ने पर आपूर्ति जल्दी बहाल की जा सकती है। आईआरएनए के अनुसार, तलाई-निक ने कहा कि 12 दिन के युद्ध के दौरान ईरान के रक्षा उद्योग के कुछ सीमित हिस्सों पर हमले हुए थे, इसके बावजूद पिछले एक वर्ष में रक्षा हथियारों और उपकरणों का उत्पादन दोगुना हो गया।

उत्तर कोरिया ने जापान के रिकॉर्ड रक्षा बजट को बताया 'युद्ध की तैयारी'

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया ने शनिवार को जापान के अगले वित्त वर्ष के लिए प्रस्तावित रिकॉर्ड रक्षा बजट की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इसे ''युद्ध की तैयारी'' करार दिया। प्योंगयांग ने चेतावनी दी कि वह जापान के सैन्य विस्तार का ''पूरी ताकत से मुकाबला'' करेगा।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जापान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को अगले वित्त वर्ष के लिए 8.9 ट्रिलियन येन (लगभग 60 अरब डॉलर यानी 5.74 लाख करोड़ रुपये) के रिकॉर्ड रक्षा बजट का अनुरोध किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वर्ष के अंत में अंतिम बजट करीब 10 ट्रिलियन येन तक पहुंच सकता है।

उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने रोडोंग सिनमुन में प्रकाशित एक टिप्पणी के हवाले से कहा कि जापान के सैन्य बजट में यह भारी वृद्धि क्षेत्र और दुनिया में ''नए तनाव'' को जन्म देने वाला खतरनाक कदम है।

उत्तर कोरिया ने आरोप लगाया कि जापान का बढ़ता सैन्य खर्च केवल रक्षा के लिए नहीं, बल्कि ''आक्रामक अंदाज में युद्ध की तैयारियों'' को पूरा करने के लिए हथियारों के जमावड़े का हिस्सा है। प्योंगयांग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जापान के सैन्य विस्तार को स्वीकार नहीं करेगा और इसका मिलकर मुकाबला किया जाएगा। केसीएनए की टिप्पणी में जापान द्वारा अमेरिका निर्मित टॉमहॉक मिसाइलों को शामिल किए जाने की भी निंदा की गई। उत्तर कोरिया ने जापान के बढ़ते सैन्य खर्च पर सवाल उठाते हुए उसके राष्ट्रीय कर्ज का भी उल्लेख किया, जो पिछले साल के अंत में रिकॉर्ड 1,343 ट्रिलियन येन बताया गया था।

प्योंगयांग ने जापान के इस तर्क को भी खारिज किया कि सैन्य क्षमता का विस्तार ''रक्षा'' और ''आत्मरक्षा'' के लिए है। उत्तर कोरिया के अनुसार, भारी मात्रा में सरकारी धन खर्च करने का उद्देश्य शांतिपूर्ण राष्ट्र का निर्माण करना नहीं हो सकता। जापान का रक्षा बजट बढ़ाने का कदम ऐसे समय आया है जब पूर्वी एशिया में सुरक्षा चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। जापान अपनी लंबी दूरी की मिसाइल क्षमता और अन्य सैन्य क्षमताओं को मजबूत कर रहा है। इसी क्रम में मार्च 2026 में कुमामोटो में लंबी दूरी की मिसाइलों की तैनाती से जुड़े कदम भी उठाए गए थे।

भारत और रूस के वर्किंग ग्रुप की बैठक, सशस्त्र बलों के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में रूस-भारत अंतर-सरकारी सैन्य और सैन्य-तकनीकी सहयोग आयोग के योजना कार्य समूह की बैठक हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने सशस्त्र बलों के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

भारत में रूसी दूतावास ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर बताया कि 20-21 अगस्त को नई दिल्ली में रूस-भारत अंतर-सरकारी सैन्य और सैन्य-तकनीकी सहयोग आयोग के योजना कार्य समूह की बैठक हुई। दोनों पक्षों ने मौजूदा साल के लिए संयुक्त गतिविधि योजना के नतीजों की समीक्षा की, 2027 के लिए उपाय तय किए और दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

इससे पहले इस महीने, नई दिल्ली में पांचवीं भारत-रूस आर्मी लैंड सिस्टम सब-ग्रुप (एएलएसएसजी) बैठक के दौरान भारत और रूस ने आपसी विश्वास बढ़ाने और रक्षा औद्योगिक व तकनीकी सहयोग को आगे बढ़ाने के अपने संकल्प को दोहराया।

4-7 अगस्त तक चली चार दिन की यह बैठक भारत-रूस अंतर-सरकारी सैन्य और सैन्य-तकनीकी सहयोग आयोग (आईआरआईजीसी-एम और एमटीसी) के तहत आयोजित की गई थी, जिसका मकसद दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी को और मजबूत करना था। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व डीजीओएस(सीडी और एस) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह ने किया। रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रूसी संघ के रक्षा मंत्रालय के मुख्य बख्तरबंद निदेशालय के उप प्रमुख मेजर जनरल तुफेकची अलेक्जेंडर ने किया।

जेडी वेंस ने ओहियो में स्टील के लिए की एक बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने घोषणा की है कि क्लिवलैंड-क्लिफ्स कंपनी ओहियो के मिडलटाउन स्थित अपने स्टील उत्पादन केंद्र में एक अरब डॉलर का निवेश करेगी। उन्होंने इस परियोजना को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में हो रहे व्यापक सुधार का उदाहरण बताया।

अपने गृह नगर के मिडलटाउन वर्क्स संयंत्र में बोलते हुए वेंस ने कहा कि यह निवेश प्लांट को आधुनिक बनाएगा, मौजूदा नौकरियों की सुरक्षा करेगा और नए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा।

वेंस ने कहा, 'हम आज यह घोषणा करने के लिए यहां हैं कि क्लिवलैंड-क्लिफ्स मिडलटाउन, ओहियो में हमारे अपने शहर में बदलाव लाने वाली मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक अरब डॉलर का निवेश कर रही है।'

उन्होंने कहा कि कंपनी अपने आयरन बनाने वाले फर्नेस को अपग्रेड करेगी और संचालन को बेहतर बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता सुधारने के लिए नई तकनीक लाएगी। वेंस ने कहा, 'हम फर्नेस के संचालन को बेहतर बनाने और मिडलटाउन की हवा की गुणवत्ता सुधारने के लिए अत्याधुनिक नई तकनीक लागू करने जा रहे हैं।'

उपराष्ट्रपति ने इस परियोजना को ट्रंप प्रशासन की व्यापार, ऊर्जा और आव्रजन नीतियों से जोड़ा। उनका कहना था कि कई दशकों तक अमेरिका ने विनिर्माण उद्योग को ऐसे देशों में जाने दिया जहां सस्ता श्रम उपलब्ध था और श्रमिकों को कम सुविधाएं मिलती थीं।

वेंस ने कहा कि मिडलटाउन ने भी इसका असर देखा, जब कारखाने बंद हुए या उनका उत्पादन चीन और मेक्सिको जैसे देशों में स्थानांतरित कर दिया गया।

वेंस ने कहा कि टैरिफ और अवैध आव्रजन पर नियंत्रण, प्रशासन की उस रणनीति का अहम हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को मजबूत बनाना और नौकरियों में अमेरिकी कामगारों को प्राथमिकता देना है।

उन्होंने कहा कि हमने अमेरिकी कंपनियों से कहा कि अगर उन्हें नए कर्मचारी चाहिए, तो सबसे पहले उन्हें अपने ही देशवासियों को प्रशिक्षण देकर नौकरी देनी चाहिए।

अमेरिका की बाकी नीतियों की तरह ही नाकाम रहेगा 'आर्थिक दबाव' अभियान : अराघची

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका की ओर से ईरान के खिलाफ शुरू किया गया आर्थिक दबाव अभियान भी उसकी बाकी दबाव वाली नीतियों की तरह नाकाम रहेगा।

अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, '14 साल पहले: 'इतिहास के सबसे कड़े प्रतिबंध' नाकाम रहे। आठ साल पहले: 'अधिकतम दबाव' नाकाम रहा। पांच महीने पहले: 'बिना शर्त आत्मसमर्पण' नाकाम रहा। आज: 'अब तक का सबसे कठोर आर्थिक अभियान' यह भी नाकाम रहेगा।'

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि ईरान को सहयोग करने वाले किसी भी देश के खिलाफ 'अब तक का सबसे कठोर आर्थिक अभियान' चलाया जाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'यह अभूतपूर्व स्तर का आर्थिक युद्ध और अलगाव होगा।' उन्होंने इस कदम को 'इकोनॉमिक डी-डे' भी बताया।

इससे पहले ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उपविदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा था कि अमेरिका अब 'आर्थिक युद्ध' के नाम पर ईरान पर और दबाव बना रहा है। उनके मुताबिक, यह वॉशिंगटन की पिछली नाकामियों को छिपाने की कोशिश है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, गरीबाबादी ने सोशल मीडिया पर कहा कि एक तरफ अमेरिका दावा कर रहा है कि ईरान 'गिरने की कगार पर है', लेकिन दूसरी तरफ वह अपने सभी सहयोगी देशों से मदद मांग रहा है। उन्होंने कहा कि अपनी नाकामी छिपाने के लिए अमेरिका को उससे भी बड़ी नाकामी पैदा करनी पड़ रही है। उनका कहना था कि सैन्य कार्रवाई से कोई नतीजा नहीं निकला, इसलिए अब वॉशिंगटन अगली हार को 'आर्थिक युद्ध' का नाम दे रहा है।

18 जून को अमेरिका और ईरान ने क्षेत्र में चल रहे संघर्ष को सभी मोर्चों पर खत्म करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें लेबनान से जुड़ा मोर्चा भी शामिल था।

ईरान अब मजबूत स्थिति में है, युद्ध खत्म करना बेहतर : ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन

विश्व केसरी

तेहरान। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शुक्रवार को कहा कि अब युद्ध को समाप्त करना बेहतर है क्योंकि ईरान मजबूत और सम्मान की स्थिति में है। ईरानी राष्ट्रपति की तरफ से ये बयान हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच 60 दिनों की डेडलाइन पूरी होने के बाद सामने आया है। वहीं, दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ सख्ती से प्रतिबंधों को लागू करने की बात कर रहे हैं।

राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने राजधानी तेहरान में ईरानी मेडिकल सोसाइटी के इस्लामिक एसोसिएशन की 31वीं महासभा में ताजा बयान दिया है। उनके कार्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान के अनुसार, ईरानी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ युद्ध किसी न किसी मोड़ पर खत्म होना ही चाहिए।

उन्होंने कहा, 'बेहतर है कि हम आज ही युद्ध समाप्त कर दें जब हम शक्ति और सम्मान की स्थिति में हैं और पूरी दुनिया हमारी जीत को स्वीकार कर रही है और इस बात पर जोर दे रही है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने सभी (अंतरराष्ट्रीय) नियमों का उल्लंघन करते हुए हमारे स्कूलों, अस्पतालों और बुनियादी ढांचे पर हमला किया। दुनिया इस वजह से अमेरिका की काफी आलोचना कर रही है।' न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पेजेश्कियन ने जून में ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच हस्ताक्षरित ज्ञापन समझौते को सम्मानजनक और मूल्यवान बताया और इस बात पर जोर दिया कि समझौते का एक भी प्रावधान आत्मसमर्पण का सुझाव नहीं देता है और सभी दायित्व दूसरे पक्ष पर हैं।

कनाडा के गुरुद्वारे में दो लोगों पर चाकू से हमला, पुलिस ने शुरू की जांच

विश्व केसरी

एडमोंटन। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में एक गुरुद्वारे के अंदर एक शख्स ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस और समुदाय के प्रतिनिधियों के अनुसार, घटना के समय गुरुद्वारे के अंदर शादी समारोह से पहले सुबह की प्रार्थना चल रही थी।

यह हमला एडमोंटन शहर के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नानकसर गुरुसिख मंदिर गुरुद्वारे में सुबह करीब पांच बजे हुआ।

एडमोंटन पुलिस सेवा ने बताया कि 14 स्ट्रीट और हॉसहिल रोड के पास हुई इस घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मौके से व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। मौके पर पहुंचे मेडिकल स्टाफ ने दोनों घायलों का इलाज किया। उनके अनुसार दोनों को गंभीर चोट आई है।

हमला किस वजह से किया गया इसकी जानकारी अभी पुलिस को नहीं मिली है।

पुलिस ने रंजिश के चलते हमले के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

मंदिर के प्रतिनिधि हरमीक सहगल ने बताया कि एक व्यक्ति गुरुद्वारे में दाखिल हुआ और सुबह की उस अरदास में बाधा डाली जो दिन में बाद में होने वाली शादी से पहले की जा रही थी। ग्लोबल न्यूज के मुताबिक, सहगल ने कहा, 'वह अंदर आया और उसने हंगामा किया। हमारी सुबह की अरदास रुक गई। जो लोग अरदास कर रहे थे, उन्होंने उस व्यक्ति को देखा। वह किसी सामान्य आगंतुक जैसा नहीं लग रहा था।'

सहगल के अनुसार, अरदास कर रहे लोगों ने शुरुआत में उस व्यक्ति से बात करने की कोशिश की, लेकिन उसने सहयोग नहीं किया। वह किसी की बात नहीं सुन रहा था। इसलिए लोगों ने उसे शांत करने और काबू में करने की कोशिश की, लेकिन उसने विरोध शुरू कर दिया। उसी समय पुलिस को बुलाया गया। इसी झड़प के दौरान उसने दो लोगों को चाकू मार दिया।

सहगल ने कहा कि समुदाय के लोग अब जांच एजेंसियों की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं ताकि पता चल सके कि यह घटना क्यों और किन परिस्थितियों में हुई।

पूरे शहर के मुख्य मार्ग और सार्वजनिक स्थानों पर जानवरों का जमावड़ा दुर्घटना की आशंका

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। शहर की सड़कों पर खुले में विचरण करने वाले मवेशी अब यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। नगर के प्रमुख बाजार, सार्वजनिक स्थान और मुख्य मार्गों पर दिनभर मवेशियों का जमावड़ा रहता है। सदर बाजार रोड, सब्जी मार्केट, गौरवपथ, दुर्ग रोड, रायपुर रोड, कवर्धा रोड, कचहरी पारा, कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने मुख्य मार्ग सहित कॉलेज क्षेत्र में सड़क पर बैठे और घूमते मवेशी आसानी से नजर आ जाते हैं। इसके बावजूद स्थानीय निकाय प्रशासन की ओर से इनके स्थायी व्यवस्थापन को लेकर अब तक ठोस पहल नजर नहीं आ रही है।

सड़क सुरक्षा बैठकें हो रही, लेकिन मवेशियों की समस्या जस की तस

जिला प्रशासन की ओर से सड़क सुरक्षा को लेकर नियमित रूप से बैठकें आयोजित की जाती हैं। दुर्घटनाओं को रोकने, यातायात व्यवस्था सुधारने और सड़क पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश भी दिए जाते हैं। लेकिन शहर की सड़कों पर खुले में घूमने वाले मवेशियों की समस्या पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से सड़क सुरक्षा के दावों पर सवाल उठ रहे हैं। सड़क पर बैठे मवेशियों के कारण वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है। कई बार वाहन चालक मवेशियों को बचाने के प्रयास में अपना संतुलन खो देते हैं।

सिग्नल चौक से कलेक्ट्रेट मार्ग तक खतरा

सिग्नल चौक से कलेक्ट्रेट कार्यालय की ओर जाने वाले मार्ग समेत शहर के करीब दर्जनभर स्थान ऐसे हैं, जहां सड़क पर मवेशियों का बैठना आम हो गया है। सबसे गंभीर स्थिति सिग्नल चौक के आसपास दिखाई देती है। चौक के बीच में ही मवेशियों के बैठ जाने से वाहन चालकों को उनके बीच से रास्ता निकालना पड़ता है। व्यस्त समय में यहां यातायात का दबाव बढ़ने पर दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है।

नो एनिमल जोन में भी मवेशियों का जमावड़ा

शहर के प्रमुख हिस्सों को यातायात की दृष्टि से व्यवस्थित रखने के लिए नो एनिमल जोन जैसी व्यवस्थाओं की जरूरत को देखते हुए कलेक्टर बंगला और सिग्नल चौक में नो एनिमल जोन का बोर्ड लगाया है, लेकिन व्यवहार में मुख्य मार्गों पर मवेशियों का जमावड़ा बना हुआ है। बाजार क्षेत्रों में दुकानों के बाहर खाद्य सामग्री और सब्जियों के कारण भी मवेशी आकर्षित होते हैं। दिन में बाजार के बीच और रात में मुख्य सड़कों पर इनके झुंड नजर आते हैं।

वाहन चालकों के लिए अचानक बनता है खतरा

सड़क पर बैठे मवेशी दूर से स्थिर नजर आते हैं, लेकिन वाहन नजदीक पहुंचने पर अचानक उठकर सड़क के बीच आ जाते हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति खतरनाक साबित हो सकती है। रात के समय अंधेरे में सड़क पर बैठे काले या गहरे रंग के मवेशी दिखाई नहीं देने से दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। मुख्य मार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही के बीच मवेशियों का बैठे रहना भी गंभीर जोखिम पैदा करता है।

कांजी हाउस भेजने के बाद फिर लौट रहे मवेशी

नगर पालिका का कहना है कि सड़क पर घूमने वाले मवेशियों को पकड़ने के लिए पहले भी अभियान चलाए गए हैं। काउ कैचर के माध्यम से मवेशियों को पकड़कर कांजी हाउस में रखा गया है। इसके बावजूद कुछ समय बाद सड़कों पर फिर बड़ी संख्या में मवेशी नजर आने लगते हैं। इससे स्पष्ट है कि केवल अभियान चलाकर मवेशियों को पकड़ना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। पशु मालिकों की जिम्मेदारी तय करने और पकड़े गए मवेशियों को दोबारा सड़क पर छोड़ने से रोकने की व्यवस्था भी जरूरी है।

व्यवस्थापन नहीं होने से बढ़ रही समस्या

स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में मवेशियों के लिए पर्याप्त और व्यवस्थित आश्रय की व्यवस्था नहीं होने से समस्या लगातार बनी हुई है। पशुपालक अपने मवेशियों को खुला छोड़ देते हैं और वे भोजन की तलाश में बाजार तथा मुख्य मार्गों तक पहुंच जाते हैं। नगर पालिका द्वारा समय-समय पर अभियान चलाने के बावजूद यदि पशु मालिकों पर कार्रवाई और स्थायी व्यवस्थापन नहीं किया गया तो समस्या दोबारा खड़ी हो जाती है।

● नगर पालिका सीएमओ नरेश वर्मा ने बताया कि सड़क पर घूमने वाले मवेशियों को लगातार काउ कैचर के माध्यम से पकड़कर कांजी हाउस में रखा गया है। इसके बावजूद इनकी संख्या फिर बढ़ जाती है। आने वाले दिनों में विशेष अभियान चलाकर सड़क पर घूमने वाले मवेशियों को पकड़ा जाएगा और कांजी हाउस भेजा जाएगा।

शक्कर-प्याज के दामों में भारी उछाल, रसोई का बिगड़ा बजट

विश्व केसरी

कांकेर (रोहित शर्मा)। खाद्य सामग्री की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की परेशानी एक बार फिर बढ़ा दी है। पिछले करीब महिनें भर के दौरान प्याज और शक्कर के दामों में तेजी से बढ़ोतरी होने से कमजोर और मध्यम वर्ग के परिवारों का रसोई बजट प्रभावित हुआ है। लोगों का कहना है कि प्याज की कीमत करीब 30 रुपये से बढ़कर 60 रुपये तथा शक्कर की कीमत 40 रुपये से बढ़कर करीब 65-70, 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। हालांकि, अलग-अलग क्षेत्रों में कीमतों में अंतर देखा जा सकता है।

कम समय में कीमतों में हुई इस बढ़ोतरी से उपभोक्ताओं में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ने से घरेलू खर्च संभालना मुश्किल होता जा रहा है। प्याज की बढ़ी कीमतों को लेकर लोगों में चर्चा है कि पहले प्याज काटने पर आंखों से आंसू निकलते थे, अब किराने की दुकान पर उसका भाव सुनकर ही आंखों में आंसू आ जाते हैं। वहीं शक्कर के बढ़ते दामों ने उसकी मिठास को भी कड़वाहट में बदल दिया है।

एथेनॉल उत्पादन को लेकर भी लोगों के बीच कई सवाल

शक्कर की कीमतों में तेजी के बीच एथेनॉल उत्पादन को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। कुछ जानकारों का कहना है कि पेट्रोलियम पदार्थों में एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने के लिए गन्ने का इस्तेमाल बढ़ा है, जिससे गन्ने की उपलब्धता का एक बड़ा हिस्सा एथेनॉल उत्पादन में जा रहा है। उनका तर्क है कि यदि खाद्य उपयोग और औद्योगिक उपयोग के बीच संतुलन नहीं रखा गया तो चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। हालांकि, एथेनॉल उत्पादन और शक्कर की मौजूदा कीमतों के बीच सीधे संबंध को लेकर अलग-अलग आर्थिक और कृषि विशेषज्ञों के मत हैं। ऐसे में कीमतों में तेजी के वास्तविक कारणों की पड़ताल आवश्यक है।

भोपालपट्टनम में कमिश्नर डोमन सिंह ने कार्यालयों का किया निरीक्षण

विश्व केसरी

बीजापुर (के. संतोष)। कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह ने संभाग के दूरस्थ क्षेत्र भोपालपट्टनम पहुंचकर एसडीएम, तहसील सहित विभिन्न शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालयीन व्यवस्थाओं, राजस्व प्रकरणों के निराकरण और अभिलेखों के संधारण की स्थिति की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। तहसील के रिकॉर्ड रूम का अवलोकन करते हुए उन्होंने अभिलेखों के सुरक्षित और व्यवस्थित रख-रखाव पर विशेष जोर दिया। उन्होंने रिकॉर्ड रूम को निर्वाचन के स्ट्रांग रूम की तर्ज पर सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि भू-स्वामियों के रिकॉर्ड सहित महत्वपूर्ण राजस्व दस्तावेज सुरक्षित रह सकें। कमिश्नर ने प्रस्तावित भू-अर्जन क्षेत्र में भूमि के क्रय-विक्रय पर नियमानुसार प्रतिबंध की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। अवार्ड पारित हो चुके भू-अर्जन प्रकरणों में राजस्व अभिलेखों का आवश्यक दुरुस्तीकरण समय पर करने तथा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रकरणों का संवेदनशीलता के साथ त्वरित निराकरण कर पात्र परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद कमिश्नर ने जनपद पंचायत भोपालपट्टनम का निरीक्षण कर विभिन्न विभागीय कार्यों की जानकारी ली और ई-ऑफिस के संचालन की समीक्षा की। उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारी एवं खंड स्रोत समन्वयक कार्यालय का भी निरीक्षण किया। इस दौरान पंजियों, अभिलेखों और दस्तावेजों के संधारण की स्थिति देखी तथा सभी रिकॉर्ड को अद्यतन एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।उन्होंने स्कूली बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक एवं गणवेश की उपलब्धता, मध्यान्ह भोजन और न्यौता भोज की जानकारी ली।

कुर्रा-सोनसिल्ली मार्ग पर स्थित रेलवे अंडरब्रिज में 3 फीट पानी, कांग्रेस-छात्रों और ग्रामीणों का हल्लाबोल

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। कुर्रा-सोनसिल्ली मार्ग पर स्थित गोबरा रेलवे अंडरब्रिज में करीब 3 फीट पानी भरने से ग्रामीणों का आक्रोश अब सड़क पर उतर आया है। शुक्रवार को जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, छात्र-छात्राओं, किसानों और ग्रामीणों ने अंडरब्रिज के भीतर पानी में उतरकर अनोखा धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने रेलवे प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जल्द पानी निकासी की मांग की।

तीन फीट पानी में उतरे प्रदर्शनकारी, व्यवस्था पर उठाए सवाल

अंडरब्रिज में घुसते ही प्रदर्शनकारियों ने करीब तीन फीट गहरे पानी के बीच खड़े होकर विरोध दर्ज कराया। जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू भी स्वयं पानी में उतरे और ग्रामीणों की समस्या को लेकर जिम्मेदारों के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान रेलवे और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर जलभराव की समस्या दूर करने की मांग की गई, बिजली बिल बकाया है।

पंप हाउस बंद होने से बना जलभराव का संकट

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि रेलवे द्वारा वर्ष 2024 से बिजली का लाखों रुपये का बिल बकाया रखा गया है। इसी वजह से विद्युत विभाग ने बिजली कनेक्शन काट दिया, जिसके बाद अंडरब्रिज से पानी निकालने वाला पंप हाउस बंद पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि रेलवे को इस संबंध में विद्युत विभाग द्वारा पत्र भी दिया जा चुका है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

छात्रों, किसानों और मरीजों की राह हुई मुश्किल

अंडरब्रिज में लगातार पानी भरे रहने से आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार छात्र-छात्राओं को स्कूल पहुंचने, किसानों को मंडी जाने और आम लोगों को गोबरा नवापारा तथा राजिम आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गंभीर मरीजों को अस्पताल ले जाना भी मुश्किल हो गया है।

5-6 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाने को मजबूर ग्रामीण

जलभराव के कारण लोगों को वैकल्पिक रास्तों से करीब 5 से 6 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि रोजमर्रा की आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण इस मार्ग पर लंबे समय से बनी समस्या अब लोगों के लिए परेशानी का बड़ा कारण बन चुकी है।

स्कूली बच्चों ने भी बयां की पीड़ा

प्रदर्शन के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं ने भी अपनी समस्याएं सामने रखीं। बच्चों ने कहा कि अंडरब्रिज में पानी भरे होने के कारण स्कूल आने-जाने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से तत्काल पानी निकासी की व्यवस्था कराने तथा स्थायी समाधान की मांग की।

थाना सीतापुर के एक करोड़ के उठाईगिरी के मामले में शामिल आरोपी गंजाम उड़ीसा से किया गया गिरफ्तार

विश्व केसरी

सरगुजा। प्रार्थी अरूणदेव सोनी थाना सीतापुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि हाईस्कूल सीतापुर के पास इनकी कांशी विश्वनाथ ज्वेर्ल्स दुकान संचालित है। 26 जुलाई 2026 के करीबन 11:30 बजे सुबह अपनी स्कूटी में ज्वेर्ल्स का बैग लेकर अपनी दुकान खोलने गया था। दुकान के पास स्कूटी में ज्वेर्ल्स बैग को रखकर दुकान का शटर खोल रहा था, इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति के द्वारा स्कूटी के सामने रखे बैग को लेकर भाग गये। चोरी किये गये सोने-चांदी की ज्वेलर्स की कीमत अनुमानित करीब एक करोड़ है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सीतापुर में अपराध क्रमांक 296/2026 धारा 303(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

मामले कों संज्ञान में लेकर पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में एवं डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल के दिशा निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा रितेश चौधरी एवं नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी सीतापुर तुल सिंह पट्टावी के नेतृत्व में साइबर सेल एवं थाना सीतापुर की संयुक्त टीम का गठन किया गया एवं पुलिस टीम कों मामले के आरोपियों एवं उठाईगिरी का मशरुका शीघ्र बरामद करने के दिशा निर्देश दिए गए थे।

अंतागढ़-नारायणपुर बदहाल सड़क पर सांसद ने ली बैठक

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। अंतागढ़-नारायणपुर निर्माणाधीन सड़क की बदहाली और भारी वाहनों के लगातार आवागमन से पैदा हुई समस्या को लेकर शनिवार को फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में सांसद भोजराज नाग ने सड़क ठेकेदार एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ आवश्यक बैठक की। बैठक में अंतागढ़ एसडीएम राहुल रजक, एडिशनल एसपी आशीष बंछोर सहित पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी और सड़क निर्माण एजेंसी से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक में अंतागढ़ - नारायणपुर मार्ग की वर्तमान स्थिति, निर्माण कार्य में हो रही देरी, सड़क पर माइंस से चलने वाले भारी वाहनों के आवागमन तथा यातायात व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। सांसद भोजराज नाग ने सड़क की बदहाल स्थिति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार को जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

सड़क बनने तक माइंस की गाड़ियों का परिवहन रोकने की मांग

सांसद भोजराज नाग ने कहा कि सड़क की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है और इसका सीधा असर आम लोगों, ग्रामीणों, स्कूली बच्चों तथा यात्री बसों के संचालन पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक सड़क का निर्माण पूरा नहीं हो जाता, तब तक माइंस से माल परिवहन करने वाले भारी वाहनों के आवागमन को रोकना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इस दिशा में तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने को कहा सांसद ने स्पष्ट रूप से कहा कि सड़क का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाए और निर्माण होने तक माइंस की भारी गाड़ियों का परिवहन बंद रखा जाए, ताकि सड़क की स्थिति और अधिक खराब न हो तथा आम लोगों को राहत मिल सके।

ठेकेदार की मनमानी का आरोप

बैठक के दौरान सड़क निर्माण कार्य को लेकर ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए। पीडब्ल्यूडी के एसडीओ मिलिंद ने ठेकेदार पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विभाग की ओर से ठेकेदार के साथ समन्वय बनाकर कार्य कराने का लगातार प्रयास किया जा रहा है, लेकिन निर्माण कार्य में अपेक्षित गति नहीं आ पा रही है।

बस्तर मुन्ने में शत-प्रतिशत सैचुरेशन पर जोर कमिश्नर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

विश्व केसरी

बीजापुर (के. संतोष)। बस्तर संभाग के कमिश्नर डोमन सिंह ने बीजापुर प्रवास के दौरान इंद्रावती सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने जिले में संचालित शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए 'बस्तर मुन्ने' के तहत शत-प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।कमिश्नर ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने सभी पात्र हितग्राहियों की पोर्टल में एंट्री पूर्ण करने के साथ राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, बीवीजी रामजी कार्ड, श्रम कार्ड, प्रधानमंत्री आवास सहित 'बस्तर मुन्ने' के अंतर्गत चिन्हित सभी 31 सेवाओं का पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों से सैचुरेशन में आ रही समस्याओं की जानकारी ली और उनके निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया।राजस्व मामलों के त्वरित निराकरण पर जोर बैठक में कमिश्नर ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।

थाना लुण्ड्रा अंतर्गत हत्या के प्रयास के मामले में अदालत का बड़ा फैसला, आरोपी 10 वर्ष के कठोर कारावास से दण्डित

विश्व केसरी

सरगुजा। थाना लुण्ड्रा क्षेत्र के ग्राम गेरसा में गत वर्ष हुए हत्या के प्रयास के मामले में माननीय द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, अंबिकापुर के न्यायालय ने 21 अगस्त 2026 को महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए मामले के आरोपी 01 पेरवा राम उर्फ़ प्रेमा राम आत्मज स्व बागर साय उम्र 60 वर्ष साकिन गेरसा महुआपारा थाना लुण्ड्रा जिला सरगुजा (छ.ग.)को हत्या के प्रयास के अपराध में 10 वर्ष के कठोर कारावास एवं 1000/- रुपये अर्थदंड की सजा से दंडित किया है। पुलिस की विवेचना, महत्वपूर्ण साक्ष्यों और अभियोजन की प्रभावी पैरवी के आधार पर न्यायालय ने अभियोजन के पक्ष में निर्णय दिया।

मामला थाना लुण्ड्रा के अपराध क्रमांक 140/2025 से संबंधित है। घटना 14 जुलाई 2025 के दिन दोपहर 12 बजे ग्राम गेरसा महुआपारा में हुई थी। आहत अनिता कुजूर को उसका ससुर खेती बाड़ी की बात को लेकर फावड़ा से मारकर चोट पहुँचाया था, आहत अनिता कुजूर के सिर में पीछे तरफ गंभीर चोट लगकर खून निकल रहा था व जमीन पर बेहोश पड़ी थी बातचीत नहीं कर रही थी, मामले की गंभीरता को संज्ञान में लेकर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा थाना लुण्ड्रा पुलिस टीम कों मामले में बारिकी से साक्ष्य एकत्रित करने के दिशा निर्देश दिए गए थे, डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा निर्देशन में पुलिस टीम ने आरोपी की गहनता से पता तलाश तलाश शुरू की थी।

विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी पेरवा राम उर्फ़ प्रेमा राम कों पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी के मेमोरेण्डम कथनों के आधार पर घटना में प्रयुक्त फावड़ा (कोड़ी) बरामद किया था, इसके साथ ही घटनास्थल से आहत के पास पड़ी खून आलूदा मिट्टी और साधारण मिट्टी के नमूने संरक्षित किये गए साथ ही अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों को विधिवत जब्त किया गया। जब्त सामग्री को परीक्षण के लिए एफएसएल भेजा गया तथा विवेचना के दौरान घटना में प्रयुक्त हथियार का क्यूरी परीक्षण भी कराया गया।

मामले की विवेचना थाना लुण्ड्रा के तात्कालीन विवेचक सहायक उप निरीक्षक एस. आर. साहू द्वारा की गई थी। विवेचना पूर्ण होने के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अभियोग पत्र दिनांक 07 अक्टूबर 2025 को न्यायालय में प्रस्तुत किया। आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) के तहत आरोप लगाए गए थे।

50 पर्यवेक्षक पदों पर सीधी भर्ती के बीच आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने पदोन्नति की उठाई मांग

विश्व केसरी

कवर्धा (प्रवीण गुप्ता)। महिला एवं बाल विकास विभाग में पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) के 50 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती को शासन से मंजूरी मिलने के बाद अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव और योग्यता के आधार पर पदोन्नति दिए जाने की मांग तेज कर दी है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संघ की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सोनिया मरावी ने शासन से मांग की है कि पर्यवेक्षक के पदों पर भर्ती प्रक्रिया में लंबे समय से विभाग में सेवाएं दे रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता, अनुभव और सेवा अवधि के आधार पर पदोन्नति का अवसर दिया जाए। शासन ने 50 पर्यवेक्षक पदों पर सीधी भर्ती के लिए वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। सोनिया मरावी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता वर्षों से महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन से लेकर बच्चों के पोषण, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की देखभाल, पोषण अभियान, सर्वेक्षण और शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी हितग्राहियों तक पहुंचाने का काम कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार किया जा रहा है। ऐसे में विभाग में पर्यवेक्षक जैसे पदों पर कार्यरत अनुभवी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने पर्यवेक्षकों के 50 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती को मंजूरी दी है। लंबे समय से पर्यवेक्षक के पद रिक्त होने के कारण मैदानी स्तर पर कार्य का दबाव बना हुआ था। शासन का तर्क है कि नए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति से विभागीय योजनाओं की निगरानी और आंगनबाड़ी व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

बिटकॉइन में तीन साल की सबसे बड़ी साप्ताहिक रैली; 80,000 डॉलर के करीब पहुंची कीमत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में इन गिनों जोरदार तेजी देखने को मिल रही है और यह 80,000 डॉलर के महत्वपूर्ण स्तर के करीब पहुंच गया है। पिछले तीन वर्षों की सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त की ओर बढ़ते हुए बिटकॉइन ने निवेशकों का ध्यान एक बार फिर अपनी ओर आकर्षित किया है।

शनिवार सुबह तक बिटकॉइन की कीमत लगभग 78,588 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही थी। वहीं, पिछले 24 घंटों में इसमें 4.8 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई, जबकि एक सप्ताह में इसकी कीमत 24.5 प्रतिशत बढ़ी है। मार्च 2023 के बाद यह बिटकॉइन की सबसे मजबूत साप्ताहिक बढ़त मानी जा रही है।बाजार विश्लेषकों का कहना है कि इस तेजी के पीछे अमेरिकी बॉन्ड बाजार से जुड़ा एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड की पुनर्खरीद (बायबैक) कार्यक्रम को दोगुना करने की घोषणा के बाद लंबी अवधि की बॉन्ड यील्ड दरों में गिरावट आई है, जिससे जोखिम वाले निवेशों के प्रति निवेशकों की रुचि बढ़ी और क्रिप्टो बाजार को समर्थन मिला। विशेषज्ञों के अनुसार, इस फैसले के बाद बड़ी संख्या में मंदी की धारणा पर लगाए गए सौदों को बंद करना पड़ा, जिससे अरबों डॉलर के शॉर्ट पोजिशन समाप्त हुए और बिटकॉइन की कीमतों में तेजी और बढ़ गई।

इस बीच, सोने की कीमतों में भी मजबूती देखने को मिली और यह मई के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। निवेशकों को आशंका है कि बॉन्ड बाजार में हस्तक्षेप से अमेरिकी डॉलर पर दबाव पड़ सकता है, जिससे वैकल्पिक परिसंपत्तियों की मांग बढ़ी है।

क्रिप्टो मार्केट को उस समय भी सकारात्मक संकेत मिले जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कॉइनबेस ग्लोबल और पेवर्ड जैसी प्रमुख क्रिप्टो कंपनियों के अधिकारियों से मुलाकात की। निवेशकों ने इसे डिजिटल परिसंपत्तियों के प्रति प्रशासन के अपेक्षाकृत सकारात्मक रुख के संकेत के रूप में देखा।

संस्थागत निवेशकों की वापसी ने भी तेजी को मजबूती दी है। अमेरिका में सूचीबद्ध स्पॉट बिटकॉइन एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में इस सप्ताह जनवरी के बाद सबसे अधिक निवेश प्रवाह दर्ज होने की संभावना है।

कुल मिलाकर, इस सप्ताह अब तक 13 प्रमुख बिटकॉइन ईटीएफ में 1 अरब डॉलर से अधिक का निवेश हुआ है, जिससे क्रिप्टो मार्केट में तेजी का माहौल और भी मजबूत हुआ है।

हालांकि मौजूदा तेजी के बावजूद बिटकॉइन अभी भी अपने ऐतिहासिक उच्च स्तर से काफी नीचे है। अक्टूबर 2025 में बिटकॉइन लगभग 1.26 लाख डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया था। इसके बाद भारी बिकवाली के चलते इसकी कीमत गिरकर जून 2026 के अंत में लगभग 58,642 डॉलर तक आ गई थी।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक निवेश धारणा सकारात्मक बनी रहती है ।

डीआरसी में इबोला: तेजी से फैल रहा संक्रमण, मृतकों की संख्या 2,500 के पार

विश्व केसरी

किंशासा । डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला का प्रकोप दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दोहराया है कि यह इतिहास के सबसे घातक इबोला प्रकोप को भी पीछे छोड़ सकता है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, यह अब तक का सबसे तेजी से फैलने वाला इबोला प्रकोप बन चुका है।

अफ्रीका सीडीसी के आंकड़ों के अनुसार, 21 अगस्त तक कांगो में 5,290 कन्फर्म केस और 2,516 लोगों की मौत दर्ज की गई है। हालांकि अधिकारियों का अनुमान है कि वास्तविक संक्रमितों की संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है, क्योंकि फिलहाल केवल 30 से 40 प्रतिशत मामलों का ही पता चल पा रहा है।

सबसे बड़ी चिंता इसकी रफ्तार है। अफ्रीका सीडीसी के मुताबिक, प्रकोप के 13वें सप्ताह तक वर्तमान संक्रमण संख्या 2014-16 के पश्चिम अफ्रीका के इबोला प्रकोप की इसी अवधि की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक, जबकि मौतों की संख्या करीब सात गुना अधिक है। उस महामारी में 28,000 से अधिक लोग संक्रमित हुए थे और 11,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। यह प्रकोप बुंडीबुग्यो वायरस के कारण हो रहा है। इस वायरस के खिलाफ फिलहाल कोई स्वीकृत टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है। इसके लक्षण कुछ अन्य इबोला प्रकारों की तुलना में हल्के हो सकते हैं, जिससे लोग शुरुआती चरण में अस्पताल या स्वास्थ्य अधिकारियों से संपर्क करने में देर कर रहे हैं।

कांगो के पूर्वी हिस्से में जारी सशस्त्र संघर्ष, बड़े पैमाने पर विस्थापन, लोगों की लगातार आवाजाही और स्वास्थ्य अधिकारियों के प्रति अविश्वास ने बीमारी पर नियंत्रण को बेहद कठिन बना दिया है। संक्रमण अब छह प्रांतों के 56 स्वास्थ्य क्षेत्रों तक पहुंच चुका है। हाल ही में बास-उएले प्रांत में भी दो मामले सामने आए हैं। यहां पहले यह संक्रमण नहीं पहुंच पाया था।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि संक्रमित लोगों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने की प्रक्रिया बेहद कमजोर है। वर्तमान में 10 प्रतिशत से भी कम नए मामले ऐसे लोगों में मिल रहे हैं जो पहले से निगरानी में थे, जबकि किसी प्रकोप को नियंत्रण में मानने के लिए यह अनुपात आम तौर पर 90-95 प्रतिशत के आसपास होना चाहिए। मौतों का बड़ा हिस्सा भी अस्पतालों के बाहर हो रहा है। 17 अगस्त को दर्ज मौतों में 97 प्रतिशत मौत समुदाय के स्तर पर हुईं, यानी संक्रमित लोगों को समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पाई।

डब्ल्यूएचओ का आकलन है कि यदि संक्रमण की मौजूदा रफ्तार पर प्रभावी ढंग से रोक नहीं लगाई गई तो यह प्रकोप 2014-16 के पश्चिम अफ्रीकी इबोला संकट को पीछे छोड़कर इतिहास का सबसे घातक इबोला प्रकोप बन सकता है।

रोज 5 मिनट करें पूर्वोत्तानासन, कमर-कंधे होंगे मजबूत और तनाव होगा दूर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। योग शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का रामबाण उपाय है। यह शरीर को स्ट्रेच करके सभी तरह की शारीरिक समस्याओं से निजात पाने में मदद भी करता है। इन्हीं आसनों में एक पूर्वोत्तानास भी है, जो बाजुओं, कंधों, कमर और पैरों को मजबूत बनाने के साथ-साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाता है।

पूर्वोतानासन का नाम दो शब्दों के मेल से बना है 'पूर्व', और 'उत्तान'। 'पूर्व' यानी 'पूर्व दिशा' या 'शरीर का अगला हिस्सा', और 'उत्तान' का मतलब है 'खिंचा हुआ'। इस आसन से आपका स्वास्थ्य अच्छा होता है और तनाव से भी मुक्त रहते हैं।

आयुष मंत्रालय ने इसे एक महत्वपूर्ण योगासन बताया है। उनके अनुसार, यह एक ऐसा योगासन है, जो शरीर के पूरे भार को हाथों और पैरों पर संतुलित करके, मुख्य रूप से हाथों, कलाई, पीठ, जांघों और कंधों की

मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह आसन शरीर में ऊर्जा का संचार, रीढ़ की हड्डी में लचीलापन और पेट की मांसपेशियों को बेहतर बनाता है।

पूर्वोत्तानासन का अभ्यास करने से पेट में दबाव पड़ता है, जिससे पेट की मांसपेशियां मजबूत बनती है और पेट के आसपास जमी चर्बी भी कम होने लगती है। इसी के साथ ही, पूर्वोत्तानासन शरीर के लचीलेपन को बढ़ाता है, जिससे ऊर्जा का संचार होता है।

इसके रोजाना अभ्यास करने से पीठ दर्द और सिरदर्द में आराम मिलता है, पीठ की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और कमर दर्द में राहत बनी रहती है। साथ ही, ब्लड सर्कुलेशन की वजह से सिरदर्द भी कम होता है।

आयुर्वेद के अनुसार, यह शरीर में लचीलापन बढ़ाता है। साथ ही, यह शरीर की मांसपेशियों में भी लचीलापन लाता है और शरीर में ऊर्जा का संचार भरता है, तथा दिमाग भी तेज चलता है।

आसन को करने के दौरान शरीर का भार हाथों और कलाइयों पर होता है। इसलिए कलाई में चोट वाले लोगों को इस आसन से बचना चाहिए। इसके अलावा, गर्दन की किसी भी चोट से पीड़ित लोगों को या तो इस आसन को करने से पूरी तरह बचना चाहिए या आसन का अभ्यास करते समय कुर्सी का सहारा लेना चाहिए।

स्वाइन फ्लू के लक्षणों को न करें नजरअंदाज, इन बातों का रखें ख्याल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मौसम बदलने के साथ बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द और शरीर में दर्द जैसी परेशानियां आम लग सकती हैं। कई बार लोग इन्हें सामान्य वायरल या मौसम का असर समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर ऐसे लक्षण लगातार बने रहें या बढ़ने लगें, तो सावधान होना जरूरी है। ये लक्षण स्वाइन फ्लू यानी एच1एन1 संक्रमण में भी दिखाई दे सकते हैं। ऐसे में घबराने के बजाय सही सावधानी बरतना और डॉक्टर से सलाह लेना ज्यादा जरूरी है।

अगर बुखार, खांसी, गले में खराश या शरीर में दर्द जैसे लक्षण हैं, तो पर्याप्त आराम करें। शरीर को ठीक होने के लिए आराम की जरूरत होती है। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी और दूसरे तरल पदार्थ लेते रहें, ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे। कमजोरी महसूस होने पर काम या बाहर निकलने की जल्दबाजी न करें।

अगर फ्लू जैसे लक्षण हैं तो दूसरों के संपर्क में आने से बचना बेहतर है। जरूरी होने पर मास्क पहनें, खासकर जब घर से बाहर निकलना पड़े या दूसरे लोगों के आसपास रहना हो। घर में बुजुर्ग, छोटे बच्चे या पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोग हों तो उनके करीब जाने में विशेष सावधानी बरतें। इससे संक्रमण फैलने का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है।

खांसी या छींक आने पर मुंह और नाक को टिश्यू पेपर से ढकें। इस्तेमाल किए गए पेपर को तुरंत कूड़ेदान में डालें। हाथों को बार-बार साबुन और पानी से अच्छी तरह धोना भी जरूरी है। हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

अगर लक्षण बने रहते हैं, ज्यादा बिगड़ते हैं या आपकी हालत में सुधार नहीं हो रहा है, तो डॉक्टर से सलाह लें। खासकर बुजुर्गों, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं या किसी अन्य कारण से हाई-रिस्क ग्रुप में आने वाले लोगों को फ्लू जैसे लक्षण होने पर चिकित्सकीय सलाह लेने में देरी नहीं करनी चाहिए।

बुखार या खांसी देखकर अपनी मर्जी से एंटीबायोटिक, एंटीवायरल या दूसरी दवाएं शुरू न करें। हर बुखार फ्लू नहीं होता और हर मरीज के लिए एक जैसा इलाज जरूरी नहीं होता।

डॉक्टर लक्षणों और जरूरत के अनुसार जांच या उपचार की सलाह दे सकते हैं।

पेट की चर्बी घटाने के साथ ही रीढ़ को लचीला बनाता है पश्चिमोत्तानासन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। प्राचीन ग्रंथों में शरीर और मन की शुद्धि के लिए योग परंपरा का वर्णन मिलता है, उनमें पश्चिमोत्तानासन का विशेष स्थान है। यह आसन पूरे शरीर के पीछे वाले हिस्से यानी रीढ़, कमर और पैरों की मांसपेशियों को खींचकर लचीला बनाता है।

संस्कृत में 'पश्चिम' का अर्थ है, शरीर का पिछला हिस्सा, उत्तान का अर्थ खिंचाव होता है और आसन का अर्थ मुद्रा होता है। यानी यह आसन शरीर के पिछले हिस्से को गहराई से खींचता है।

इस आसन में हम बैठकर आगे की ओर झुकते हैं, जिससे पूरी रीढ़ की हड्डी, पेट के अंग और नसों पर सकारात्मक असर पड़ता है। यह आसन हठ योग की 12 मूल आसनों में गिना जाता है। उनके अनुसार, यह आसन पीठ और पैरों को अच्छा खिंचाव देता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यही नहीं, पेट की चर्बी को भी कम करता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, पश्चिमोत्तानासन (बैठकर आगे झुकने वाला आसन) शरीर के पिछले हिस्से में तीव्र खिंचाव पैदा करता है। यह आसन पाचन अंगों को सक्रिय करता है, पेट की चर्बी घटाने में मदद करता है और रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है।

इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर लचीला बनता है, कुंडलिनी ऊर्जा जागृत होने में मदद मिलती है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही इसे डायबिटीज, कब्ज और मानसिक तनाव दूर करने के लिए लाभकारी मानते हैं।

पश्चिमोत्तानासन करने का सबसे सही समय सुबह का माना गया है। अहले सुबह खाली पेट इस योगासन को करना सबसे अच्छा माना जाता है। यह शरीर को पूरे दिन ऊर्जावान और तनाव मुक्त बनाए रखने में मदद करता है। हालांकि, इस योगासन को शाम के समय भी खाने के 4-5 घंटे बाद किया जा सकता है लेकिन सुबह में इसे करना ज्यादा फायदेमंद बताया गया है। वहीं, शुरुआती समय में इसे किसी विशेषज्ञ की देखरेख में ही करने की सलाह दी गई है।

सोहा अली खान ने शेयर की प्रोटीन से भरपूर ओट्स रेसिपी, कहा-सुबह के लिए बेस्ट है

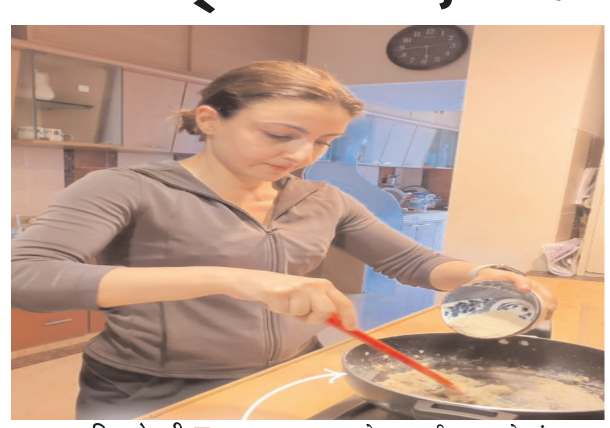

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री सोहा अली खान नियमित फिटनेस और हेल्दी और प्रोटीन से भरपूर खाने पर ज्यादा जोर देती हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने प्रोटीन से भरपूर ओट्स की रेसिपी बताई और इसके खाने के फायदे पर भी जोर दिया।

सोहा अली खान ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे सुबह का हेल्दी और प्रोटीन से भरपूर ओट्स बनाती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि यह हेल्दी ब्रेकफास्ट महिलाओं के लिए पर्याप्त प्रोटीन का सोर्स भी हो सकता है। वीडियो में अभिनेत्री सोहा अली खान किचन में डिश बना रही हैं।

अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट के जरिए इस बात पर भी जोर दिया कि प्रोटीन की आवश्यकता हर किसी को होती है। प्रोटीन सिर्फ जिम जाने वालों के लिए नहीं है। ये हर महिला के लिए बहुत जरूरी है। फिर भी हममें से कई भारतीय महिलाएं रोज पर्याप्त प्रोटीन नहीं ले पातीं।

उन्होंने प्रोटीन के फायदों पर जोर देते हुए लिखा, 'प्रोटीन से मसल्स मजबूत होती हैं, हड्डियां अच्छी रहती हैं, इम्यूनिटी बढ़ती है और उम्र के साथ हेल्दी रहते हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, प्रोटीन की जरूरत और भी ज्यादा हो जाती है। अच्छी बात ये है कि ज्यादा प्रोटीन लेने के लिए घंटों किचन में खड़े होने या मुश्किल रेसिपी की जरूरत नहीं है। यहां एक सुपर जल्दी बनने वाला, वेजिटेरियन, प्रोटीन वाला नाश्ता है जिसे आप बिजी सुबह में भी बना सकती हैं। इसे बनाते वक्त सामान कम, मेहनत कम और पोषण भरपूर होता है।'

अभिनेत्री ने अपनी स्वादिष्ट प्रोटीन से भरपूर डिश का नाम नहीं बताया है। डिश की रेसिपी बताते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'एक पैन में 20-25 ग्राम रोल्ड ओट्स और पानी/दूध डालें। धीमी आंच पर 3-5 मिनट तक पकाएं, जब तक ओट्स नरम न हो जाएं, गैस बंद कर दें और थोड़ा ठंडा होने दें। इससे प्रोटीन पाउडर की गांठे नहीं बनेंगी। अब धीरे-धीरे 25-30 ग्राम पी प्रोटीन पाउडर मिलाएं और स्मूथ होने तक चलाएं।

सोशल मीडिया का असर, छात्रों में हार्मोन बिगाड़ने वाले प्रोडक्ट का बढ़ा उपयोग : रिसर्च

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सोशल मीडिया आज सिर्फ मनोरंजन या दोस्तों से जुड़े रहने का जरिया नहीं रह गया है। खासकर किशोरों की रोजमर्रा की दिनचर्या का एक अहम हिस्सा बन गया है। अब एक नई रिसर्च ने सोशल मीडिया के एक और पहलू पर ध्यान खींचा है। अमेरिका में हुई इस स्टडी के मुताबिक, जो हाई स्कूल के छात्र सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताते हैं और ब्यूटी, हेयर केयर या मेकअप से जुड़ा कंटेंट ज्यादा देखते हैं, वे पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स का भी ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें से कुछ प्रोडक्ट्स में ऐसे केमिकल हो सकते हैं जो शरीर के हार्मोन सिस्टम को प्रभावित कर सकते हैं।

यह रिसर्च अमेरिका के रटगर्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने की है और इसे 'जर्नल ऑफ एक्सपोजर साइंस एंड एनवायर्नमेंटल एपिडेमियोलॉजी' में प्रकाशित किया गया है। अध्ययन में न्यू जर्सी के प्रिंसटन हाई स्कूल के 143 छात्रों को शामिल किया गया। छात्रों से पूछा गया कि उन्होंने पिछले 24 घंटे में साबुन, शैंपू, डियोड्रेंट, परफ्यूम, सनस्क्रीन, स्किन केयर और मेकअप जैसे कितने पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल किए।

रिसर्च में सामने आया कि सोशल मीडिया और ब्यूटी कंटेंट का इस्तेमाल जितना ज्यादा था, प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल भी उतना ही ज्यादा था। जिन छात्रों ने ऐसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को फॉलो किया था जिनकी अपनी प्रोडक्ट लाइन थी, उन्होंने पिछले 24 घंटे में औसतन 30 फीसदी ज्यादा प्रोडक्ट्स इस्तेमाल किए। वहीं, जो छात्र हेयर या ब्यूटी ट्यूटोरियल देखते थे, उनके बीच प्रोडक्ट इस्तेमाल करीब 40 फीसदी ज्यादा पाया गया। शोधकर्ताओं ने उम्र, जेंडर, कक्षा, जातीयता और माता-पिता की शिक्षा जैसे कई दूसरे कारकों को ध्यान में रखने के बाद भी यह संबंध देखा।

इस स्टडी की खास बात यह भी है कि इसमें हाई स्कूल के दो छात्रों, गैब्रिएल कपुटा और वीटा मॉस-वांग ने भी रिसर्च टीम के साथ काम किया।

नीरज चोपड़ा को ढूंढनी होगी श्रीलंकाई रुमेश पाथिरागे की काट, लगातार तीसरी बार पिछड़े

नई दिल्ली। शुक्रवार की रात भारतीय खेल प्रेमियों की नजरें स्विट्जरलैंड के लॉजेन में हुए जैवलिन इवेंट पर लगी थी। भारतीय फैंस को उम्मीद थी कि ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा का थ्रो इस बार उन्हें पहले स्थान पर लाएगा। नीरज का प्रदर्शन अच्छा था, लेकिन वह पहला स्थान प्राप्त नहीं कर सके। पहला स्थान हासिल किया श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने, जो हाल के दिनों में नीरज के सबसे तगड़े प्रतिदंद्वी के रूप में उभरे हैं।

तीन मुकाबले, तीन बार पीछे

- **जून 2026 - दोहा डायमंड लीग:** पथिरागे ने नीरज को हराकर पहला स्थान हासिल किया।
- **जुलाई 2026 - ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स:** पथिरागे ने स्वर्ण जीता, नीरज रहे दूसरे स्थान पर।
- **अगस्त 2026 - लॉजेन डायमंड लीग:** पथिरागे 88.14 मीटर के थ्रो के साथ पहले, नीरज 88.05 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

लॉजेन डायमंड लीग में शुक्रवार रात 28 साल के नीरज ने 88.05 मीटर का थ्रो फेंका। माना जा रहा था कि यह इवेंट का बेस्ट थ्रो हो सकता है और नीरज आसानी से पहले स्थान प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे का इरादा कुछ और था। 23 साल के इस जैवलिन थ्रोअर ने 88.14 मीटर का थ्रो किया। रुमेश पथिरागे का थ्रो नीरज के थ्रो से 9 सेंटीमीटर अधिक था, लेकिन इसका जवाब नीरज के पास नहीं था। नीरज अपने आगे के प्रयासों में पथिरागे को पीछे नहीं छोड़ सके और परिणस्वरूप उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। ग्रेनाडा के एंड्रसन पीटर्स 86.69 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

लॉजेन डायमंड लीग 2026 (जैवलिन थ्रो) - फाइनल परिणाम

1	रुमेश थरंगा पथिरागे (श्रीलंका)	88.14 मीटर
2	नीरज चोपड़ा (भारत)	88.05 मीटर
3	एंडरसन पीटर्स (ग्रेनाडा)	86.69 मीटर

नेक्सो चैंपियनशिप में शानदार ऐस के बाद शुभंकर ने कट बनाया, युवराज संधू चूके

विश्व केसरी ■

एबरडीनशायर। शुभंकर शर्मा ने नेक्सो चैंपियनशिप में वीकेंड राउंड में जगह बनाते हुए लगातार चार कट मिस करने का सिलसिला खत्म किया। उन्होंने इवन-पार दूसरे राउंड के दौरान छठे होल पर शानदार होल-इन-वन के साथ दिन का सबसे अच्छा शॉट लगाया।

शर्मा ने गुरुवार को 73 के स्कोर के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद वह 72 के स्कोर के साथ 36 होल के बाद वन-ओवर 145 पर पहुंच गए और टी-22 पर रहते हुए ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ लिंक्स में वीकेंड राउंड में जगह बनाई। दूसरे भारतीय युवराज संधू (75-79) कट से चूक गए।

पहले टी से अपना दूसरा राउंड शुरू करते हुए, शर्मा ने पांचवें होल पर शॉट छोड़ने से पहले एक बर्डी के साथ शुरुआत की। फिर उन्होंने पार-थ्री छठे होल पर अपने राउंड का सबसे खास प्रदर्शन किया।

इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने 12वें और 13वें होल पर बर्डी बनाई, लेकिन नौवें, 11वें, 15वें और 16वें होल पर बोगी की वजह से वह रुक गए। आखिर में उन्होंने लेवल-पार 72 के लिए साइन किया।

यह ऐस शर्मा के लिए खास तौर पर अहम था, जिन्होंने डीपी वर्ल्ड टूर पर मुश्किल दौर देखा है। वीकेंड में यह अपीयरेंस दो बार के डीपी वर्ल्ड टूर विजेता को मोमेंटम बनाने और आखिरी 36 होल में लीडरबोर्ड पर चढ़ने का मौका देता है।

टॉप पर, इंग्लैंड के मैथ्यू साउथगेट ने वीकेंड में एक-स्ट्रोक की बढ़त ले ली, जब लगातार दूसरे टू-अंडर 70 ने उन्हें टूर्नामेंट के लिए फोर-अंडर पर पहुंचा दिया।

साउथगेट, जिन्होंने दिन की शुरुआत लीड से तीन शॉट पीछे रहकर की, ने एबरडीनशायर में मुश्किल और हवादार हालात का डिसिप्लिन्ड राउंड के साथ सामना किया।

उन्होंने 17वें होल पर बर्डी बनाई, लेकिन छठे होल पर दिन का अपना एकमात्र शॉट गंवा दिया। सातवें होल पर एक चिप-इन ईगल ने निर्णायक क्षण दिया और उन्हें सीधे पहले स्थान पर पहुंचा दिया।

आरती साहा: भारत की सबसे युवा ओलंपियन, इंग्लिश चैनल पार करने वाली पहली एशियन महिला एथलीट

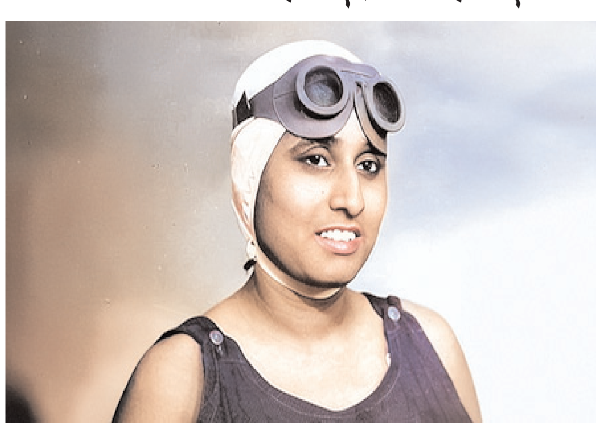

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय तैराकी की दुनिया में आरती साहा का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित है। आरती ने बहुत ही छोटी उम्र में तैराकी की दुनिया में अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई थी।

आरती साहा का जन्म 24 सितंबर 1940 में कोलकाता में हुआ था। आरती ने महज 4 साल की उम्र में तैराकी शुरू कर दी थी और 5 साल की उम्र में अपनी पहली तैराकी प्रतियोगिता जीती थी। आरती ने एक अन्य मशहूर भारतीय तैराक सचिन नाग के मार्गदर्शन में तैराकी की बारीकियां सीखी थीं। सचिन नाग एशियन गेम्स चैंपियन और ओलंपियन थे।

साहा ने घरेलू स्तर पर कई प्रतियोगिताएं जीती। साल 1951 में आरती साहा ने 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में नेशनल रिकॉर्ड हासिल किया। इसके बाद उनका चयन 1952 में ओलंपिक के लिए भारतीय दल में हुआ था।

महज 11 साल 10 महीने की उम्र में उन्होंने ओलंपिक में भाग लेकर इतिहास रचा था। वह साहा ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली सबसे युवा भारतीय हैं। साहा महिलाओं की 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक हीट में उतरीं। वह 3:40.8 सेकेंड के साथ हीट में छठे स्थान पर रहीं, लेकिन सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने में कामयाब नहीं हो सकीं।

सिनसिनाटी ओपन: कोको गॉफ सेमीफाइनल में पहुंची, सारा बेजलेक से होगी फाइनल में पहुंचने की जंग

विश्व केसरी ■

सिनसिनाटी। कोको गॉफ ने नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक को 6-2, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह ओपन एरा में 23 साल की उम्र से पहले कई सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी भी बन गई हैं।

कोको गॉफ ने मार्टा कोस्त्युक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शॉट चुने और टूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया।

जीत के बाद गॉफ ने कहा, 'यह कमाल है, मुझे लगता है कि हम सब बहुत अच्छा कर रहे हैं। उम्मीद है, हम डबल टाइटल जीत सकते हैं। ऐसा होने के लिए और मैच खेलने होंगे। हम पक्का एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।'

सेमीफाइनल में कोको गॉफ का सामना सारा बेजलेक से होगा। बेजलेक ने एक सेट से पिछड़ने के बाद और आखिर में तीसरे सेट के टाईब्रेक में 4-2 से पिछड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची हैं। बेजलेक ने फरवरी में अबू धाबी ओपन में क्वालीफायर के तौर पर अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर टाइटल जीता था। बेजलेक की अब तक की शानदार जीत में उनकी हमवतन कैरोलिन प्लिसकोवा और बारबोरा क्रेजसिकोवा भी शामिल हैं, जो सबालेंका और कीज के साथ पहले डब्ल्यूटीए 1000 चैंपियन बन चुकी हैं। 2009 के बाद से, बेजलेक डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में ऐसी चार खिलाड़ियों को हराने वाली सिर्फ दूसरी खिलाड़ी हैं, इससे पहले प्लिसकोवा ने आठ साल पहले मैड्रिड में ऐसा किया था। सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में बेजलेक ने पहले नंबर 1 कैरोलिन प्लिसकोवा, मौजूदा नंबर 1 आर्यना सबालेंका, मैडिसन कीज और बारबोरा क्रेजसिकोवा जैसी दो और ग्रैंड स्लैम चैंपियन को हराया है। बेजलेक और गॉफ के बीच फाइनल में जगह बनाने के लिए रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है।

मिचेल स्टार्क ने डेल स्टेन को पछाड़ा, टेस्ट फॉर्मेट के 10वें सफलतम गेंदबाज बने

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेटों के मामले में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन को पीछे दिया है। स्टार्क अब स्टेन को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट इतिहास से दसवें सफलतम गेंदबाज बन गए हैं। स्टार्क ने शनिवार से साउथ मैके में ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच शुरू हुए टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल की।

साउथ मैके में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। स्टार्क ने अपनी आग उगलती गेंदबाजी से बांग्लादेश की शीर्ष क्रम बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। स्टार्क ने 10 ओवर की गेंदबाजी में 6 मेडन फेंकते हुए मात्र 12 रन देकर 6 विकेट लिए। इस दौरान पांचवां विकेट लेते ही उन्होंने डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया।

36 साल के स्टार्क के अब 107 टेस्ट मैचों की 205 पारियों में 441 विकेट हो चुके हैं। स्टार्क एक पारी में 19 बार 5 या उससे अधिक विकेट ले चुके हैं, जबकि एक मैच में 10 या उससे अधिक विकेट 3 बार ले चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर 7 विकेट है।

स्टार्क से आगे अब वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कॉर्टनी वॉल्श हैं। वॉल्श के नाम 132 टेस्ट में 519 विकेट हैं।

देखना होगा कि स्टार्क इस रिकॉर्ड को तोड़ पाते हैं, या नहीं।

डेल स्टेन ने 2004 से 2019 के बीच 93 टेस्ट मैचों में 439 विकेट लिए थे। स्टेन अब टेस्ट केसफलतम गेंदबाजों की सूची में 11वें नंबर पर चले गए हैं।

टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट श्रीलंका के ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने 1992 से 2010 के बीच 133 टेस्ट में 800 विकेट लिए हैं। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न हैं। वॉर्न ने 1992 से 2007 के बीच 145 टेस्ट में 708 विकेट लिए थे। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 2003 से 2024 के बीच 188 टेस्ट में 704 विकेट लेकर तीसरे स्थान पर हैं।

अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप: मानसी लाथर ने रजत, तन्वी और कोमल ने जीता कांस्य पदक

विश्व केसरी ■

स्लोवाकिया। भारतीय महिला कुश्ती टीम ने स्लोवाकिया में अपनी अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप की गिनती में तीन और पदक जोड़े। चैंपियनशिप के आखिरी दिन टीम ने एक रजत और दो कांस्य पदक हासिल किए।

मानसी लाथर को 68 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में चीन की चेनलिंग सोंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मानसी डिफेंसिव बाउट 1-2 से हार गईं। इसके बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

तन्वी गुंडेश मगदुम ने 57 किग्रा भार वर्ग में कनाडा की एग्निया क्राकोवस्का को 10-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं, कोमल ने 59 किग्रा भार वर्ग में हंगरी की एडा बालाज को 5-2 से हराकर कांस्य पदक जीता।

इससे पहले शुक्रवार को, भारतीय महिला कुश्ती की नई सनसनी काजल ने 76 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा तनु शर्मा और सविता ने रजत पदक जीते थे। 18 साल की काजल धोचक ने 76

किग्रा चैंपियनशिप बाउट में हिस्सा लिया। उन्होंने चीन की जिंगरू सुन के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया, पॉइंट्स (वीपीओ) पर 7-0 से बिना किसी गलती के जीत हासिल की और खिताब जीता। इस जीत ने उन्हें भारत की सबसे बेहतरीन संभावनाओं के रूप में पहचान दिलायी है। काजल पूर्व में 2024 अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप (69 किग्रा) और 2025 अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप (72 किग्रा) जीत चुकी हैं।

काजल ने इस साल की शुरुआत में अंडर-23 एशियन चैंपियनशिप और बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज में भी स्वर्ण पदक जीता था। यह साबित करता है कि वह अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में बड़ी ताकत हैं। तनु शर्मा ने 72 किग्रा भार वर्ग में जापान की चिसातो योशिदा के खिलाफ फाइनल खेला, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। 62 किग्रा भार वर्ग में सविता का सामना चैंपियनशिप फाइनल में जापान की सकुरा ओनिशी से हुआ।

भारतीय पहलवान को तकनीकी प्राथमिकता से 2-12 से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें भी रजत पदक मिला।

प्रीमियर लीग: आर्सेनल ने कोवेंट्री सिटी को 3-0 से हराया

विश्व केसरी ■

लंदन । आर्सेनल ने एमिरेट्स स्टेडियम में प्रमोटेड कोवेंट्री सिटी को 3-0 से हराकर अपने प्रीमियर लीग खिताब को डिफेंड करने की शानदार शुरुआत की।

आर्सेनल की सामरिक रणनीति में सबसे उल्लेखनीय बात नए खिलाड़ियों का शानदार तालमेल है। क्रिस्टोस त्जोलिस ने लगातार आक्रामक करते हुए बाएं विंग पर अपनी काबिलियत साबित कर दी, जिससे विरोधी टीमों के डिफेंस सतर्क हो गए। ग्रीक खिलाड़ी ने शुरुआती दो गोलों में अहम योगदान दिया। खास तौर पर, उनके खतरनाक क्रॉस ने गोलकीपर रशवर्थ को मुश्किल बचाव करने पर मजबूर कर दिया, जिससे बुकायो साका को बढ़त को दोगुना करने का शानदार मौका मिल गया।

मिकेल आर्टेटा और उनके खिलाड़ियों ने फ्रैंक लैम्पार्ड की कोवेंट्री टीम पर आसानी से अपना दबदबा बना लिया। कप्तान मार्टिन

ओडेगार्ड ने खेल में जगह और गति को व्यवस्थित करने में अहम भूमिका निभाई। नॉर्वेजियन मिडफील्डर के उस गोल ने, जिसने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही 3-0 की जीत सुनिश्चित कर दी, टीम की लगातार उच्च दबाव वाला खेल बनाए रखने की क्षमता का स्पष्ट प्रमाण दिया।

मैनेजर मिकेल आर्टेटा लीग में 150 जीत हासिल कर ली है। उन्होंने पेप गार्डियोला या सर एलेक्स फर्ग्यूसन जैसे शीर्ष रणनीतिकारों की बराबरी कर ली है। वह पेप गार्डियोला (204 मैच), जोस मोरिन्हो (231), जुर्गन क्लॉप (237), और सर एलेक्स फर्ग्यूसन (247) के बाद 250 से कम मैचों में यह मुकाम हासिल करने वाले सिर्फ पांच मैनेजरों में से एक बन गए।

चोट के कारण दो प्रमुख खिलाड़ियों, विलियम सलीबा और जुरियन टिम्बर की अनुपस्थिति के बावजूद, आर्सेनल की रक्षा पंक्ति ने विरोधियों के सीमित दबाव के बावजूद एक भी गोल नहीं होने दिया।

खास बात यह है कि तीन गोल से आगे होने के बावजूद, मिकेल आर्टेटा ने मिकेल मेरिनो, एबेरेची एजे और मार्टिन जुबिमेंडी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मैदान पर उतारना जारी रखा।

अपनी मजबूत टीम की बदौलत आर्सेनल पूरे 90 मिनट के खेल के दौरान लगातार आक्रामक खेल बनाए रखने में सफल रहा। तीन अंक हासिल करके आर्सेनल ने अपने खिताबी अभियान की शानदार शुरुआत की।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415